THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-29 अंक : 194 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आश्विन शु.3 2081 शनिवार, 5 अक्टूबर-2024

प्रधान संपादक – **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर ❊ **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

सुप्रीम कोर्ट की तेलंगाना के डीजीपी को नसीहत

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। सरकारी वकील को बसपा नेता के खिलाफ दायर चार्जशीट की तारीख की जानकारी न होने के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने तेलंगाना के डीजीपी को नसीहत दी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि डीजीपी अभियोजन पक्ष और सरकारी वकील के बीच संवादहीनता को दूर करें। न्यायमूर्ति हृषिकेश रॉय और न्यायमूर्ति एसवीएन भट्टी की पीठ ने मामले की सुनवाई में वर्चुअल रूप से पेश हुए डीजीपी डॉ. जितेंद्र से कहा कि आपराधिक मामलों में अदालत को बार-बार उचित सहायता नहीं मिल रही है। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) नेता वट्टी जनैया यादव की याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायाधीश एसवीएन भट्टी ने कहा कि आपराधिक मामलों में हमें आपके राज्य से उचित सहायता नहीं मिल रही है। >14

तिरुपति लड्डू विवाद : सुप्रीम कोर्ट का निर्देश

> जांच की निगरानी सीबीआई डायरेक्टर करेंगे > जस्टिस बीआर गवई और केवी विश्वनाथन ने की सुनवाई

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर (तिरुपति मंदिर) के प्रसादम (लड्डूओं) में जानवरों की चर्बी मामले पर शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। इसमें शीर्ष कोर्ट ने जांच के लिए एक स्वतंत्र कमेटी (एसआईटी) बनाने को कहा। इसमें सीबीआई और राज्य पुलिस के 2-2 और फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एफएसएसएआई) का एक अधिकारी रहेगा। जांच की निगरानी सीबीआई डायरेक्टर करेंगे। इससे पहले, 1 अक्टूबर को आंध्र पुलिस ने मामले की एसआईटी जांच रोक दी थी। डीजीपी ने कहा था कि सुप्रीम कोर्ट में मामले की सुनवाई चल रही है। कोर्ट के निर्देश के मुताबिक ये तय किया जाएगा कि एसआईटी जांच को आगे बढ़ाना है या नहीं। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच तिरुपति मंदिर के लड्डूओं में मिलावट मामले की सुनवाई कर रही है। केंद्र सरकार की तरफ से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता, राज्य सरकार की तरफ से मुकुल रोहतगी, तिरुपति मंदिर की तरफ से सिद्धार्थ लूथरा और कपिल सिब्बल तिरुपति तिरुमाला देवस्थानम (टीटीडी) के पूर्व चेयरमैन वाईवी सुब्बारेड्डी की तरफ से कपिल सिब्बल ने पैरवी की। कोर्ट ने कहा, जुलाई में लैब रिपोर्ट आई। वह स्पष्ट नहीं है। मुख्यमंत्री एसआईटी जांच के आदेश देते हैं और फिर सितंबर में मीडिया के सामने बयान देते हैं। एक संवैधानिक पद पर बैठा व्यक्ति ऐसा कैसे कर सकता है।

पवन कल्याण की प्रायश्चित दीक्षा खत्म

आंध्र प्रदेश के श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर (तिरुपति मंदिर) के प्रसादम (लड्डुओं) में जानवरों की चर्बी मामले पर डिप्टी सीएम पवन कल्याण ने कहा, प्रसाद में मिलावट आइसबर्ग (छोटा सा हिस्सा) जैसा है। इसके नीचे बहुत कुछ है, जिसकी जांच होनी चाहिए।

दरअसल लड्डू विवाद सामने आने के बाद डिप्टी सीएम पवन कल्याण ने 11 दिन की प्रायश्चित दीक्षा ली थी। 3 अक्टूबर को दीक्षा खत्म होने के बाद उन्होंने वेंकटेश्वर स्वामी के दर्शन किए और बाद में एक जनसभा को संबोधित किया। पवन ने कहा, सनातन को मिटाने वाले खुद मिट्टी में मिल जाएंगे। मैं सनातन धर्म का पालन करता हूं और उसके लिए सब कुछ त्याग भी सकता हूं।

सीएम चंद्रबाबू नायुडू का असली चेहरा सामने आया : जगन

अमरावती, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। तिरुपति लड्डू मामले को लेकर वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के प्रमुख जगन मोहन रेड्डी ने कहा कि कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायुडू की असली तस्वीर को उजागर किया है। पूर्व मुख्यमंत्री रेड्डी ने कहा कि नायुडू द्वारा नियुक्त किए गए तिरुपति तिरुमाला देवस्थानम (टीटीडी) के कार्यकारी अधिकारी ने कहा है कि लड्डू प्रसादम बनाने में कभी भी मिलावटी घी का इस्तेमाल नहीं किया गया। रेड्डी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने मुख्यमंत्री नायुडू की कई टिप्पणियों पर गंभीरता से गौर किया और उन्हें फटकार लगाई। उन्होंने कहा कि नायुडू इस हद तक गिर गए हैं कि उनकी पार्टी के एक्स अकाउंट से ऐसा बयान आया, जिसमें कहा गया कि सुप्रीम कोर्ट ने जगन को फटकार लगाई और उनके शब्दों को तोड़-मरोड़कर पेश किया गया। जगन ने नायुडू पर आरोप लगाया कि उनके झूठों की कोई सीमा नहीं है और इस तरह की बातें खत्म होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि नायुडू को इस स्तर तक नहीं गिरना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में प्रसादम लड्डू बनाने में पशु चर्बी के इस्तेमाल के आरोपों की जांच के लिए एक नई स्वतंत्र एसआईटी गठित करने का आदेश दिया है। >14

दंतेवाड़ा-नारायणपुर बॉर्डर पर मुठभेड़, 30 नक्सली ढेर

सर्च ऑपरेशन में शव के साथ एके-47 समेत ऑटोमेटिक हथियार भी बरामद

दंतेवाड़ा, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा-नारायणपुर जिले के बॉर्डर पर पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ में पुलिस ने 30 नक्सलियों को मार गिराया। सातों नक्सलियों के शव बरामद कर लिए गए हैं। एके-47, एसएलआर समेत अन्य हथियार बरामद किए हैं। अबूझमाड़ में 2 घंटे से रुक-रुककर फायरिंग हो रही थी। इसके बाद जब फायरिंग रुकी तो सर्च ऑपरेशन चलाया गया। इस दौरान शव और ऑटोमैटिक वेपन्स बरामद हुए। एक दिन पहले नारायणपुर और दंतेवाड़ा जिले से जवानों को नक्सल ऑपरेशन पर भेजा गया था।

164 नक्सली ढेर :

10 दिन पहले 24 सितंबर को सुकमा जिले में भी मुठभेड़ हुई थी। एनकाउंटर में 2 नक्सलियों को ढेर किया गया। हालांकि दोनों शव को उनके साथी अपने साथ ही ले गए। डीआरजी, सीआरपीएफ और कोबरा के जवान कर्कनगुड़ा में नक्सलियों के कोर इलाके में घुसे थे। 2024 में अब तक 164 नक्सलियों को मार गिराया गया है। 29 अगस्त को नारायणपुर और कांकेर बॉर्डर पर अबूझमाड़ इलाके में मुठभेड़ हुई थी। इस मुठभेड़ में 3 वर्दीधारी महिला नक्सलियों को ढेर किया गया था। इनकी शिनाख्त उत्तर बस्तर डिवीजन कमेटी और पीएलजीए कम्पनी नंबर 05 के सदस्य के रूप में हुई।

मानसून सीजन में ही 212 नक्सली गिरफ्तार :

पुलिस महानिरीक्षक, बस्तर रेंज सुन्दरराज पी ने इस मुठभेड़ से पहले बताया था कि बस्तर संभाग में मानसून सीजन में ही 212 से ज्यादा नक्सली गिरफ्तार हुए हैं। नक्सल विरोधी अभियान के दौरान 201 नक्सलियों ने सरेंडर भी किया है।

दिल्ली एलजी को सुप्रीम कोर्ट का नोटिस

> चुनाव कराने की जल्दबाजी क्यों?

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना को नोटिस जारी किया है। अदालत ने एलजी के उस आदेश पर आपत्ति जताई है, जिसमें एलजी ने एमसीडी के 6वें सदस्य का चुनाव कराने के लिए निर्देश जारी किया था। कोर्ट ने इस तरीके पर आपत्ति जताई है। कोर्ट ने पूछा कि चुनाव कराने में आखिर इतनी जल्दबाजी क्यों? दिल्ली नगर निगम की मेयर शैली ओबेरॉय की याचिका पर न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने नोटिस जारी किया है। याचिका में 27 सितंबर को हुए एमसीडी स्थायी समिति के छठे सदस्य के चुनाव को चुनौती दी गई है। याचिका में यह भी कहा गया है कि इन मामलों को एक साथ जोड़ना भी उचित नहीं था।

जस्टिस नरसिम्हा ने एलजी की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता संजय जैन से कहा, चुनाव कराने की इतनी जल्दी क्यों? नामांकन का मुद्दा भी है। मेयर को बैठक की अध्यक्षता करनी है। आपको शक्ति कहां से मिलती है? 487 के तहत? यह एक कार्यकारी शक्ति है. अगर आप इस तरह से हस्तक्षेप करेंगे तो लोकतंत्र का क्या होगा? शीर्ष अदालत ने दो सप्ताह बाद सुनवाई तय करते हुए मौखिक रूप से कहा कि स्थायी समिति के अध्यक्ष के लिए चुनाव नहीं होने चाहिए। संक्षिप्त सुनवाई के दौरान जैन ने याचिका की वैधता पर सवाल उठाया और कहा कि चुनौती केवल चुनाव याचिका में ही दी जा सकती है और उसे दायर किया जाना चाहिए।

राहुल गांधी का नेता प्रतिपक्ष बनना देश पर एक श्राप : किरेन रिजिजू

नागपुर, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने शुक्रवार को कहा कि कांग्रेस सांसद राहुल गांधी का लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष बनना देश के लिए 'श्राप' है। उन्होंने नागपुर में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, राहुल गांधी जैसे इंसान का नेता प्रतिपक्ष होना देश के लिए एक 'श्राप' है।

जिस व्यक्ति ने न तो संविधान को पढ़ा है, और न ही संविधान की मूल भावनाओं को समझता है, जिसके पूरे परिवार ने बाबा साहब अंबेडकर का अपमान किया है, उसके मुंह से संविधान शब्द का निकलना भी अपमान है। मैं यह मानता हूं कि ऐसे इंसान का संविधान की किताब पर हाथ रखना भी उचित नहीं है।

काशी के मंदिरों से क्यों हटाई गईं साईं प्रतिमा

वाराणसी, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। साईं बाबा की मूर्तियों को मंदिरों में 4 से 10 साल पहले स्थापित कराया गया था। जिन्होंने यह काम कराया, क्या उन्हें नहीं पता था कि आज आस्था-अनास्था में बदल गई, तो मूर्ति हटवाई जा सकती है। क्या ये महाराष्ट्र चुनाव को देखते हुए हो रहा है? ये षड्यंत्र तो नहीं।

यह बात वाराणसी में अखिल भारतीय संत समिति के महामंत्री स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती ने कही। काशी में इन दिनों मंदिरों से साईं बाबा की मूर्ति हटाने पर विवाद खड़ा हो गया है। सनातन रक्षक दल के अध्यक्ष अजय शर्मा ने साईं बाबा की मूर्तियों को देवालयों से निकालना शुरू किया। शिरडी साईं ट्रस्ट ने महाराष्ट्र सरकार से यूपी सरकार से बात करके इस पर रोक लगाने की मांग की। चौक क्षेत्र स्थित हनुमान मंदिर के पुजारी की तहरीर पर गुरुवार को पुलिस ने अजय शर्मा को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। इसके कुछ देर बाद साईं बाबा मंदिर के पदाधिकारियों ने सिगरा थाने में एक और केस दर्ज कराया। माता विशालाक्षी देवी मंदिर के महंत राजनाथ तिवारी ने कहा, हमारे सनातन धर्म या किसी भी पौराणिक ग्रन्थ में साईं बाबा का उल्लेख नहीं है। वो एक साईं फकीर हो सकते हैं पर भगवान नहीं। अजय शर्मा ठीक कर रहे थे। साईं बाबा की मूर्ति देवालयों में नहीं होनी चाहिए।

यह शास्त्र सम्मत नहीं :

राजनाथ तिवारी ने कहा, साईं बाबा का मंदिर बनाइए या उन्हें घर में स्थापित करके आप पूजा कीजिए। मुझे उन मंदिरों के महंतों पर दुःख हो रहा है जिन्होंने साईं बाबा की मूर्ति के लिए देवालयों में स्थान दिया। यह शास्त्र सम्मत नहीं है। मंगला गौरी मंदिर के पुजारी नरेंद्र कुमार पांडेय ने कहा, काशी खंड में सनातन मंदिर और परंपरागत मंदिर हैं, जहां पर भगवान शंकर स्वयं प्रकट हुए। साईं भगवान नहीं हैं। हमारे यहां पंचदेव पूजन का विधान है। उनकी प्राण प्रतिष्ठा होती है। साईं बाबा के मंदिर में किस प्रकार से प्राण प्रतिष्ठा हुई कि हमारे मंदिरों में पूजा हो रही है। हमारे मंदिरों के महंतों से आग्रह है कि उस प्रतिमा को वहां से हटा दें।

पुजारी नरेंद्र कुमार ने कहा, उनसे हमारा कोई विरोध नहीं है।

कैदियों को भी गरिमा के साथ जीने का अधिकार : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि 'सम्मान के साथ जीने का अधिकार कैदियों को भी है' और कैदियों को इससे वंचित करना उपनिवेशवादियों और उपनिवेश-पूर्व तंत्र दर्शाता है। मुख्य न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने गुरुवार को दिए गए ऐतिहासिक फैसले में यह टिप्पणी की। पीठ ने कैदियों के प्रति जाति आधारित भेदभाव, जैसे शारीरिक श्रम का विभाजन, बैरकों का विभाजन आदि पर रोक लगा दी।

अपने फैसले में पीठ ने कहा कि, सम्मान के साथ जीने का अधिकार कैदियों का भी है। कैदियों को सम्मान न देना उपनिवेशवादियों और पूर्व-औपनिवेशिक तंत्रों का अवशेष है, जहां दमनकारी व्यवस्थाएं राज्य के नियंत्रण में रहने वाले लोगों को अमानवीय और अपमानित करने के लिए डिजाइन की गई थीं। संविधान से पहले के युग के सत्तावादी शासन ने जेलों को न केवल कारावास के स्थान के रूप में देखा, बल्कि वर्चस्व के उपकरण के रूप में भी देखा। संविधान द्वारा लाए गए कानूनी ढांचे के आधार पर इस न्यायालय ने माना है कि कैदियों को भी सम्मान का अधिकार है। 3फैसले में संविधान के अनुच्छेद 15 का भी उल्लेख किया गया है, जिसमें जाति, धर्म, भाषा आदि के आधार पर भेदभाव को प्रतिबंधित करता है। पीठ ने कहा कि अगर सरकार ही नागरिकों से भेदभाव करेगी तो यह सबसे बड़ा भेदभाव है, क्योंकि सरकार से उम्मीद की जाती है कि वह भेदभाव को खत्म करेगी।

कोर्ट ने कई राज्यों के जेल मैनुअल नियमों को बताया असंवैधानिक

पीठ ने उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश, आंध्र प्रदेश, ओडिशा, केरल, महाराष्ट्र, कर्नाटक और हिमाचल प्रदेश सहित 10 राज्यों के कुछ आपत्तिजनक जेल मैनुअल नियमों को असंवैधानिक करार दिया। सीजेआई ने 148 पन्नों का फैसला लिखते हुए संविधान के अनुच्छेद 14 (समानता), 15 (भेदभाव का निषेध), 17 (अस्पृश्यता का उन्मूलन), 21 (जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार) और 23 (जबरन श्रम के खिलाफ अधिकार) के तहत मौलिक अधिकारों का जिक्र किया।

भेदभावपूर्ण कानूनों की पहचान की जानी चाहिए :

पीठ ने कहा कि इतिहास में, ऐसी भावनाओं ने कुछ समुदायों के नरसंहार को जन्म दिया है। भेदभाव से भेदभाव किए जाने वाले व्यक्ति का आत्म-सम्मान भी कम होता है। इससे अवसरों का अनुचित हनन हो सकता है और लोगों के एक समूह के खिलाफ लगातार हिंसा हो सकती है। भेदभाव किसी ऐसे व्यक्ति का लगातार उपहास या अपमान करके भी किया जा सकता है, जो सामाजिक तौर से कमजोर है।

यह किसी व्यक्ति को आघात पहुंचा सकता है जिससे वह अपने पूरे जीवन प्रभावित हो सकता है। भेदभाव में हाशिए पर पड़े सामाजिक समूह की पहचान या उसके अस्तित्व को कलंकित करना भी शामिल है। सीजेआई ने कहा, भारत के संविधान के लागू होने से पहले बनाए गए भेदभावपूर्ण कानूनों की जांच की जानी चाहिए और उन्हें खत्म किया जाना चाहिए। पीठ ने कहा, मानव गरिमा मानवीय अस्तित्व का अभिन्न अंग है और इससे अविभाज्य है। यह जीवन के अधिकार में ही निहित है।

एयर चीफ मार्शल एपी सिंह बोले-भारत को भी चाहिए आयरन डोम जैसा एयर डिफेंस सिस्टम

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह ने कहा है कि पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर कोई बदलाव नहीं हुआ है। लेकिन दोनों देशों के बीच तनाव बरकरार है। उन्होंने कहा कि चीन अपनी सीमा पर तेजी से इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ा रहा है और हमारे सामने दुश्मन की तैयारियों से बराबरी करने की चुनौती है और वह हम अपने इंफ्रास्ट्रक्चर को बेहतर बनाकर और अन्य तरीकों से कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि पूर्वी लद्दाख में ज्यादा एडवांस लैंडिंग ग्राउंड और नए एयरबेस बना रहे हैं। वहीं, इस्राइल के आयरन डोम एयर डिफेंस सिस्टम को लेकर उन्होंने कहा कि अगर भारत पर इस्राइल की तरह मिसाइल हमला हुआ, तो भारत सभी मिसाइलों को नहीं रोक पाएगा, क्योंकि इस्राइल के मुकाबले हमारा क्षेत्रफल ज्यादा है।

विदेश मंत्री जयशंकर पाकिस्तान जाएंगे

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। विदेश मंत्री एस जयशंकर 15-16 अक्टूबर को पाकिस्तान जाएंगे। वे इस्लामाबाद में एससीओ के हेड्स ऑफ गवर्नमेंट (सीएचजी) की बैठक में शामिल होंगे। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शुक्रवार (4 अक्टूबर) को इसकी जानकारी दी। यह पिछले 9 साल में पहली बार होगा जब भारत का कोई मंत्री पाकिस्तान जाएगा। विदेश मंत्रालय की प्रेस कॉन्फ्रेंस में जायसवाल से सवाल किया गया कि क्या जयशंकर की यात्रा भारत-पाकिस्तान के रिश्तों को सुधारने की कोशिश है।

इस पर उन्होंने जवाब दिया कि भारत एससीओ चार्टर को लेकर प्रतिबद्ध है। विदेश मंत्री की यात्रा का यही कारण है। इसका कोई और मतलब नहीं निकाला जाना चाहिए। दरअसल, पाकिस्तान ने 29 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एससीओ मीटिंग के लिए न्योता दिया था। पाकिस्तान की विदेश विभाग की प्रवक्ता मुमताज जहरा बलोच ने कहा था कि बैठक में भाग लेने के लिए सभी सदस्य देशों के प्रमुखों को निमंत्रण भेजा गया है।

'युवाओं को ड्रग्स की अंधेरी दुनिया में ले जाना चाहती है कांग्रेस'

अमित शाह का करारा हमला

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली से जब्त ड्रग्स को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि एक ओर जहां मोदी सरकार 'नशामुक्त भारत' के लिए जीरो टॉलरेंस की नीति अपना रही है, वहीं उत्तर भारत से पकड़ी गई ड्रग्स की 5,600 करोड़ की खेप में कांग्रेस के एक प्रमुख व्यक्ति की संलिप्तता बेहद खतरनाक और शर्मनाक है।

दरअसल, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने गुरुवार को आरोप लगाया कि ड्रग कारोबार से जुड़े 5,600 करोड़ रुपये की जब्ती के मामले में गिरफ्तार मुख्य आरोपी को भारतीय युवा कांग्रेस की दिल्ली इकाई के सूचना का अधिकार (आरटीआई) प्रकोष्ठ का अध्यक्ष बनाया गया है। इससे पहले पुलिस ने भी बताया था कि मुख्य आरोपी के एक राष्ट्रीय राजनीतिक दल के नेताओं के साथ कथित संबंध होने का पता चला है। भारत और विदेश के करीब एक दर्जन लोग पश्चिम एशिया के देशों से भारत में प्रतिबंधित मादक पदार्थों की तस्करी के अंतर्राष्ट्रीय गिरोह में कथित रूप से संलिप्त थे। इसे लेकर कांग्रेस पर हमला बोलते हुए अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस के शासन में ड्रग्स से पंजाब, हरियाणा और समग्र उत्तर भारत में युवाओं का जो हाल हुआ, वह सभी ने देखा है। मोदी सरकार युवाओं को खेल, शिक्षा और इनोवेशन की ओर ले जा रही है, तो वहीं कांग्रेस उन्हें ड्रग्स की अंधेरी दुनिया में ले जाना चाहती है। कांग्रेस नेता द्वारा अपने राजनीतिक रसूख से युवाओं को ड्रग्स के दलदल में झोंकने का जो पाप किया जाना था, उन इरादों को मोदी सरकार कभी पूरा नहीं होने देगी। हमारी सरकार, ड्रग्स के कारोबारियों का राजनीतिक पद या कद देखे बिना, ड्रग्स के पूरे तंत्र का विनाश कर 'नशामुक्त भारत' बनाने के लिए संकल्पित है।

क्या है मामला :

पुलिस ने बुधवार को दक्षिण दिल्ली के महिपालपुर में एक गोदाम से 560 किलोग्राम से अधिक कोकीन और 40 किलोग्राम 'हाइड्रोपोनिक मारिजुआना' जब्त किया था। इसकी अनुमानित कीमत करीब 5,620 करोड़ रुपये आंकी गई थी। मामले में विशेष शाखा ने चार लोगों दिल्ली निवासी तुषार गोयल (40), हिमांशु कुमार (27) और औरंगजेब सिद्दीकी (23) तथा मुंबई निवासी भरत कुमार जैन (48) को गिरफ्तार किया था।

केजरीवाल ने छोड़ा मुख्यमंत्री आवास

परिवार के साथ निकले; क्या होगा उनका नया पता

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को लुटियंस जोन में स्थित अपने नए पते पर जाने के लिए पुराना आवास छोड़कर चले गए हैं। केजरीवाल परिवार समेत मंडी हाउस के पास 5, फिरोजशाह रोड स्थित पार्टी के सदस्य अशोक मित्तल के आधिकारिक आवास के लिए रवाना हुए। इससे पहले केजरीवाल परिवार को उनके पुराने घर के कर्मचारियों द्वारा भावभीनी विदाई दी गई, पूर्व सीएम ने भावपूर्ण तरीके से उन्हें गले लगाया। उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल ने आवास की चाबियां एक अधिकारी को सौंपी। आप का कहना है, अब जब तक जनता की अदालत में जनता उनकी ईमानदारी पर मुहर लगाकर उन्हें फिर से मुख्यमंत्री नहीं बनाती तब तक अरविंद केजरीवाल मुख्यमंत्री आवास में नहीं रहेंगे। अरविंद केजरीवाल का नया पता 5, फिरोजशाह रोड होगा। शुक्रवार से वह आप के राज्यसभा सांसद अशोक मित्तल के आवास पर रहेंगे। यह दूसरी बार है जब वे नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र में रहेंगे। इससे पहले साल 2014 में उन्हें तिलक लेन में आवास आवंटित हुआ था। इसके बाद वे सिविल लाइन में शिफ्ट हो गए थे। गुरुवार को आप मुख्यालय में दिल्ली सरकार के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा था कि केजरीवाल शुक्रवार को आधिकारिक मुख्यमंत्री आवास खाली करेंगे। कई सांसदों, विधायकों और मंत्रियों सहित दिल्लीभर के समर्थकों ने उन्हें अपने घर में रहने का प्रस्ताव दिया था, लेकिन केजरीवाल ने अपने विधानसभा क्षेत्र नई दिल्ली में ही रहने का फैसला किया है। यहां से उन्हें लोगों ने चुना था। अब वे परिवार के साथ नई दिल्ली में 5, फिरोजशाह रोड पर अशोक मित्तल के आधिकारिक आवास में रहेंगे। जब केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट ने जमानत दी थी, तो उन पर मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने का कोई दबाव नहीं था, लेकिन उन्होंने निजी फैसले के तहत इस्तीफा दिया।

22 साल बाद बेटे का बदला जैसे पिता को मारा था वैसे ही हत्यारे को उतारा मौत के घाट; पुलिस भी हैरान

अहमदाबाद, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। गुजरात में एक शख्स की ट्रक से कुचलकर कर हत्या कर दी गई। पुलिस ने 30 साल के आरोपी को लापरवाही से गाड़ी चलाने के आरोप में गिरफ्तार भी कर लिया है। लेकिन बात सिर्फ इतनी सी नहीं थी। जब पूरा मामला खुला तो पुलिस भी खुद दंग रह गई। दरअसल यह कोई सड़क हादसा नहीं बल्कि सोमझकर की गई हत्या थी और इस वारदात को अंजाम देने के लिए आरोपी 22 साल से इंतजार कर रहा था। वजह थी बदला। 30 साल के भाटी ने अपने पिता की हत्या का बदला लेने के लिए 22 साल कर इंतजार किया और सही मौका पाकर पिता के हत्यारे को मौत के घाट उतार दिया। रिपोर्ट के मुताबिक मामला अहमदाबाद का है जहां गोपाल भाटी ने 40 साल के नखत सिंह भाटी को ठीक उसी तरह मारा जिस तरह उसने उसके पिता की हत्या की थी। गोपाल के पिता हरि सिंह भाटी की हत्या साल 2002 में राजस्थान के जयसलमेर में की गई थी।

डिप्टी स्पीकर के छत से कूदने पर उद्धव गुट का तंज

'अगर सरकार में शामिल लोग ही ऐसा करेंगे तो जनता का क्या होगा

मुंबई, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र सरकार में शामिल एनसीपी अजित पवार गुट के विधायक और डिप्टी स्पीकर नरहरी झिरवल छत से कूदने की घटना पर शिवसेना यूबीटी सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने पलटवार किया। उन्होंने कहा कि अगर सरकार में शामिल लोग ही ऐसा करेंगे तो जनता का क्या होगा? शिवसेना यूबीटी सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा, ये लोग आपस में मराठा और ओबीसी को लड़ाकर अपनी राजनीति चमकाने की कोशिश कर रहे हैं। ये उसी का नतीजा है। अगर महाराष्ट्र में नेताओं का ये हाल है तो आम जनता का क्या हाल होगा?

'मंत्रालय की छत से इसलिए कूदे'

दरअसल, महाराष्ट्र में पिछले कुछ दिनों से आदिवासी विधायकों में सरकार के एसटी आरक्षण पर एक फैसले का लेकर गहरी नाराजगी है। चार अक्टूबर को सभी विधायक सीएम एकनाथ शिंदे से मिलते हैं, लेकिन काफी कोशिशों के बाद भी आज डिप्टी स्पीकर नरहरी झिरवल की सीएम से उनकी मुलाकात नहीं हो पाई। ऐसे में नाराज विधायक नरहरी ने अपनी ही सरकार के खिलाफ विरोध करते हुए मंत्रालय की तीसरी मंजिल के छत से कूद गए। गनीमत यह रही कि वह सुरक्षा जाली पर अटक गए। नरहरी झिरवल के बाद कुछ और आदिवासी विधायक भी छत से कूद गए। हालांकि, जाली होने की वजह से सभी नेता बाल-बाल बच गए। सभी नेता जाली पर खड़े होकर नारेबाजी भी करने लगे। इस घटना के बाद पुलिस ने सभी को जाली से हटवा दिया।

नरहरी झिरवल कौन हैं?

एनसीपी अजीत गुट के विधायक नरहरि सीताराम झिरवल एक भारतीय राजनेता हैं। महाराष्ट्र विधानसभा के डिप्टी स्पीकर हैं। वह महाराष्ट्र के डिंडोरी विधानसभा सीट का प्रतिनिधित्व करते हैं। वह आदिवासी समाज में एक अहम चेहरा माने जाते हैं। अब इस घटना को लेकर विरोधी दलों के नेता महाराष्ट्र सरकार, खासकर शिवसेना शिंदे गुट पर निशाना साध रहे हैं।

महाराष्ट्र चुनाव में सीट शेयरिंग की बात करते हुए शरद पवार ने कर दिया बड़ा दावा, कहा- 'हमारी सरकार'

मुंबई, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में इस साल के आखिर में विधानसभा चुनाव होने हैं। चुनाव की तारीखों की घोषणा कभी भी हो सकती है। ऐसे में महाविकास अघाड़ी और महायुति में सीट बंटवारे को लेकर मंथन चल रहा है। इस बीच एनसीपी (एसपी) प्रमुख शरद पवार ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लेकर दावा किया कि लोग प्रदेश में बदलाव चाहते हैं और यह स्थिति हमारे लिए अनुकूल है। शरद पवार ने कहा, मैं सीट बंटवारे की चर्चा में भाग नहीं ले रहा हूं, इसलिए मेरे लिए उस विषय पर कुछ भी कहना उचित नहीं होगा। हमारी ओर से जयंत पाटील उन बैठकों में मौजूद हैं, वे इस विषय पर बोलेंगे। कांग्रेस की ओर से नाना पटोले और उनके कुछ साथी और शिवसेना यूबीटी से संजय राउत और उनके कुछ अन्य साथी चर्चा में शामिल हैं। उन्होंने गठबंधन में मतभेद लेकर कहा, लोकसभा चुनाव के दौरान महाविकास अघाड़ी के भीतर कोई मतभेद या संघर्ष नहीं हुआ था, यह केवल एक जगह सांगली में हुआ था। इसके अलावा किसी भी जिले या तालुका में ऐसी कोई घटना नहीं हुई। वहीं अब भी एमवीए में कोई मतभेद नहीं है, लोग महाराष्ट्र में बदलाव चाहते हैं और यह स्थिति हमारे लिए अनुकूल है।

मराठा आरक्षण पर क्या बोले शरद पवार?

वहीं मराठा आरक्षण पर एएनआई से बात करते हुए शरद पवार ने कहा, सभी की यह भावना है कि आरक्षण दिया जाना चाहिए। इसमें कुछ भी गलत नहीं है। लेकिन ऐसा करते समय यह भी ध्यान रखना चाहिए कि अन्य लोगों को जो आरक्षण मिल रहा है, उसकी भी रक्षा होनी चाहिए। उसे किसी भी तरह से नुकसान नहीं पहुंचना चाहिए। उन्होंने कहा, आरक्षण के मौजूदा स्वरूप के अनुसार 50% से ऊपर आरक्षण नहीं दिया जा सकता है और अगर आरक्षण को 50% से ऊपर ले जाना है, तो मेरे हिसाब से कानून में बदलाव करना होगा।

केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा मराठी को 'शास्त्रीय भाषा' के रूप में मंजूरी दिए जाने पर एनसीपी-एससीपी प्रमुख शरद पवार ने कहा, पांच भाषाओं को शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिया गया है और मराठी उनमें से एक है। यह मराठी भाषा और अन्य भाषाओं के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, जिन्हें शास्त्रीय भाषा का दर्जा मिला है। उन्होंने कहा, यह फैसला थोड़ा देर से लिया गया है, लेकिन महत्वपूर्ण बात यह है कि यह फैसला लिया गया। इससे मराठी भाषा का विकास होगा। इसके लिए मैं केंद्र सरकार को धन्यवाद देता हूं।

चलती बस में बच्चे को दिया जन्म, जच्चा-बच्चा दोनों स्वस्थ

कटनी, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। कटनी जिले में एक प्रसूता महिला ने चलती बस में बच्चे को जन्म दिया है। बस चालक ने भी हिम्मत दिखाते हुए बस को सीधा अस्पताल पहुंचाया। दोनों की हालत ठीक है। जानकारी के अनुसार मामला विजयराघवगढ़ स्वास्थ्य केंद्र का बताया गया, जहां खिरवा नंबर 2 के ग्राम चरी निवासी गणेश सिंह अपनी पत्नी द्रौपदी सिंह की सोनोग्राफी करवाने कटनी आए हुए थे तभी गांव लौटते वक्त एमके ट्रैवल्स की बस क्रमांक एमपी 21 पी 0168 में प्रसूता द्रौपदी को जोर का दर्द होने लगा और विजयराघवगढ़ पहुंचते वक्त ही स्वास्थ्य केंद्र के गेट के सामने महिला ने बस के अंदर बच्चे को जन्म दे दिया। पति गणेश सिंह के आग्रह करने पर चालक ने बस हॉस्पिटल के मेन गेट तक ले जाकर खड़ी कर दी थी। इसके बाद ड्यूटी में मौजूद नर्स और आशा कार्यकर्ताओं ने तत्काल मौके पर पहुंचकर दोनों को बस से सुरक्षित बाहर निकाला है।

फेमस कीर्तन गायक चैतन्य महाराज गिरफ्तार

पिंपरी, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)।फेमस कीर्तन गायक चैतन्य महाराज वाडेकर को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पिंपरी चिंचवड़ पुलिस ने चैतन्य महाराज को उनके दो भाइयों के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान चैतन्य सयाजी वाडेकर, अमोल सयाजी वाडेकर, प्रमोद सयाजी वाडेकर और ऋषिकेश शशिकांत सूर्यवंशी के रूप में हुई है। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक नितिन गिते के अनुसार चैतन्य महाराज और अन्य के खिलाफ अवैध रूप इकट्ठा होकर कंपनी की तरफ जाने वाली सड़क को खोदने का आरोप है। इस खुदाई के दौरान गैस पाइपलाइनों को नुकसान पहुंच सकता था, जिससे लोगों को खतरा पैदा हो सकता था।

वहीं, इस दौरान कंपनी की दीवार को भी ध्वस्त कर दिया गया और बिजली की लाइनें भी क्षतिग्रस्त हुईं। इस मामले में चैतन्य महाराज के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई गई थी। शिकायत में चैतन्य सयाजी वाडेकर और अमोल सयाजी वाडेकर सहित उनके अज्ञात साथियों के खिलाफ मामला दर्ज करवाया था। इसपर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने चैतन्य महाराज सहित अन्य को गिरफ्तार किया।

रानी लक्ष्मी बाई की प्रतिमा लगाने का काम जारी, सुरक्षाबलों की तैनाती

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली के रानी झांसी रोड और शाही ईदगाह मस्जिद के बगल में स्थित डीडीए पार्क में रानी लक्ष्मी बाई की प्रतिमा लगाने का काम जारी है. शुक्रवार के दिन ऐहतियातन अतिरिक्त सुरक्षा बलों की तैनाती की गई है. प्रशासन ने सदर बाजार को जाने वाले रामकुमार रोड को पुलिस बैरिकेडिंग से ब्लॉक कर दिया है ताकि वहां भीड़ न इकट्ठा हो. आज झंडेवालान में रानी झांसी रोड पर दिल्ली पुलिस और अर्धसैनिक बलों की तैनाती की गई है ताकि नमाज के बाद कोई बवाल न हो दरअसल डीडीए की जमीन पर वक्फ बोर्ड ने अपना दावा किया था, जिसके बाद यह विवाद दिल्ली हाई कोर्ट पहुंचा. इसी बीच डीडीए पार्क में रानी लक्ष्मी बाई की प्रतिमा लगाने का काम भी शुरू कर दिया गया था. हालांकि हाई कोर्ट ने पहले ही वक्फ बोर्ड के दावे को ख़ारिज कर दिया था. दिल्ली हाई कोर्ट के सिंगल जज बेंच के फैसले को चुनौती दी गई थी, जिसके बाद आज डबल जज बेंच इसमें अहम सुनवाई करेंगे. आज जुम्मे की नमाज को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है. नमाज के बाद कोई बवाल न हो इसके लिए अतिरिक्त सुरक्षा बलों की तैनाती की गई है. किसी भी तरह की गड़बड़ी न हो इसलिए रोड को भी ब्लॉक कर दिया गया है. आज इस मामले में हाई कोर्ट में सुनवाई भी होनी है. पिछली सुनवाई में हाई कोर्ट की सिंगल बेंच ने निर्माण पर 19 सितंबर तक स्टे लगा दिया था और दोनों पक्षों को कागज दिखाने को कहा था. इसके बाद कोर्ट ने डीडीए के पक्ष में फैसला सुनाया था. सिंगल बेंच के फैसले को मुस्लिम पक्ष ने डबल बेंच में चुनौती दी है. दिल्ली के रानी लक्ष्मी बाई रोड पर ट्रैफिक के कारण सड़क पर स्थित तीन गोलचक्कर को हटाने का निर्णय लिया गया था. इन तीन गोलचक्करों में से एक पर रानी लक्ष्मी बाई की प्रतिमा लगी थी, जिसे स्थानांतरित करने का निर्णय लिया गया. पास के ही डीडीए पार्क में इसके लिए जमीन आवंटित की गई थी.

टूटेगा केजरीवाल का चक्रव्यूह, खत्म होगा सूखा

बीएसपी के फॉर्मूले से दिल्ली फतह करेगी बीजेपी!

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा और जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव प्रचार के बाद बीजेपी अब दिल्ली को लेकर मिशन मोड में जुट गई है. दिल्ली में 26 साल के सियासी सूखे को खत्म करने के लिये बीजेपी ने एक एक्शन प्लान तैयार किया है. इसी एक्शन प्लान के तहत बीजेपी चुनाव से 4 महीने पहले महा अभियान की शुरुआत करेगी. दिल्ली में फरवरी 2025 में विधानसभा के चुनाव प्रस्तावित हैं.

केजरीवाल के चक्रव्यूह को ऐसे तोड़ेगी बीजेपी

मिली जानकारी के मुताबिक दिल्ली में बीजेपी अरविंद केजरीवाल का चक्रव्यूह को तोड़ने के लिए कुल 5 रणनीति पर एक साथ काम कर रही है. बीजेपी ने यह रणनीति राजस्थान के रणथंभौर में संघ और पार्टी के बड़े नेताओं की बैठक के बाद तैयार किया है.

करो या मरो की तर्ज पर चुनाव लड़ेगी बीजेपी

बीजेपी सूत्रों के मुताबिक पार्टी इस बार करो या मरो की तर्ज पर चुनाव लड़ने की तैयारी में है. पार्टी को लगता है कि इस बार अगर चुनाव नहीं जीत पाए, तो भविष्य की राह और मुश्किलों भरा हो सकता है. पार्टी ने दिल्ली के सभी 70 विधानसभा क्षेत्रों में शीघ्र पदयात्रा शुरू कर देगी. पदयात्रा के जरिए दिल्ली में पार्टी के नेता और कार्यकर्ता केंद्र सरकार का दिल्ली के लिए किए गए काम और केजरीवाल सरकार की नाकामी के मुद्दों को उजागर करेगी.

सिख समुदाय को साधने पर विशेष फोकस

बीजेपी सिख समुदाय को साधने पर विशेष फोकस कर रही है. बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने हाल ही में पार्टी के सिख नेताओं की बैठक कर दिल्ली में सिख समुदाय के बीच आउटरीच प्रोग्राम चलाने को कहा था. ऐसे में अब कहा जा रहा है कि बीजेपी के बड़े सिख लीडर समुदाय के लोगों के पास जाकर पार्टी के पक्ष में कन्विंस करने का काम करेंगे बीजेपी दिल्ली चुनाव में बीएसपी (बिजली, सड़क और पानी) को बड़ा मुद्दा बनाएगी. इसके अलावा पार्टी भ्रष्टाचार के मुद्दे को भी उठाएगी.

रिजल्ट से पहले ही कश्मीर में एनसी और भाजपा के गठजोड़ के चर्चे, किस से मिले थे फारूक अब्दुल्ला

जम्मू, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। क्या नेशनल कॉन्फ्रेंस की भाजपा के साथ चुनाव बाद गठबंधन के लिए बातचीत चल रही है? विधानसभा चुनाव नतीजों से ठीक पहले जम्मू-कश्मीर में ये चर्चाएं तेज है। इसे लेकर अब नेशनल कॉन्फ्रेंस का बयान आया है। इसमें उसने कहा कि हम पीछे के दरवाजे इंडिया अलायंस से बाहर एक अलग गठबंधन की चर्चाओं को खारिज करते हैं। हम जनता से अपील करते हैं कि वह ऐसे फर्जी दावों पर भरोसा न करे, जिन्होंने हम पर यकीन किया है। हम ऐसी अफवाहों को खारिज करते हैं और लोगों से अपील है कि ऐसी चर्चाओं पर यकीन न किया जाए। यह चर्चा इस बात से शुरू हुई थी, जिसमें श्रीनगर के पूर्व मेयर जुनैद अजीम मट्टू ने एक पोस्ट में ऐसा दावा किया था। मट्टू ने एक्स पर लिखा था, 'भाजपा के किस प्रतिनिधि से फारूक अब्दुल्ला की पहलगाम में एक नहीं बल्कि दो बार मुलाकात हुई है। आखिर पहलगाम में दोनों के बीच किस समझौते को लेकर बात हुई। आखिर भाजपा को लेकर नेशनल कॉन्फ्रेंस ने जो इतनी बातें कही थीं, उनका क्या हुआ।' उनका यह ट्वीट सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो कयास भी लगने लगे कि क्या नेशनल कॉन्फ्रेंस का भाजपा के साथ गठबंधन होने वाला है। दरअसल मट्टू से पहले भी कई लोग ऐसे कयास लगाते रहे हैं कि यदि भाजपा, एनसी या किसी भी दल को पूर्ण बहुमत नहीं मिला तो फिर गठबंधन की सूरत बन सकती है। ऐसी स्थिति में चिर प्रतिद्वंद्वी भाजपा और नेशनल कॉन्फ्रेंस भी साथ आ सकते हैं। मट्टू के ट्वीट पर एक यूजर ने यह भी लिखा था कि यह अफवाह या फिर इसमें कुछ सच्चाई है। इस पर मट्टू ने लिखा था, 'अफवाह? पहलगाम में फारूक अब्दुल्ला की गैर-राजनीतिक मध्यस्थों की मौजूदगी में भाजपा के लोगों से बात हुई है।

'विस्फोट के पीछे सिमी का हाथ हो सकता है'

मालेगांव बम धमाके की आरोपी साध्वी के वकील का दावा

मुंबई, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुंबई से लगभग 200 किलोमीटर दूर मालेगांव में साल 2008 में हुए बम धमाके को 16 साल पूरे हो गए हैं। लेकिन मुकदमा अभी भी चल रहा है। 16 साल बाद आरोपी नंबर एक साध्वी प्रज्ञा ठाकुर के वकील जेपी मिश्रा ने राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) की विशेष अदालत ये तर्क देकर सबको हैरान कर दिया है कि हो सकता है, धमाका प्रतिबंधित संगठन 'स्टूडेंट्स इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया' (सिमी) ने कराया हो। एनआईए की विशेष अदालत में वकील जेपी मिश्रा ने कहा कि स्थानीय लोगों ने विस्फोट के तुरंत बाद पुलिस को घटनास्थल पर पहुंचने से रोका था। ये बात पुलिस की एफआईआर में लिखी हुई है। इसलिए हो सकता है, असली आरोपियों को बचाने के लिए ऐसा किया गया हो।

वहां पर सिमी का दफ्तर था

मिश्रा ने बताया कि जिस शकील गुड्स ट्रांसपोर्ट के दफ्तर के सामने धमाका हुआ था उस इमारत में ही ऊपर सिमी का दफ्तर था। मामले को 16 साल पूरे हो गए हैं और विशेष न्यायाधीश एके लाहोटी की अदालत में आरोपी पक्ष की तरफ से मामले में अंतिम दलीलें रखी जा रही हैं। बचाव पक्ष वर्तमान में राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) मामलों की विशेष अदालत के न्यायाधीश एके। लाहोटी के समक्ष अंतिम दलीलें पेश कर रहा है।

मोटरसाइकिल प्रज्ञा ठाकुर की थी

29 सितम्बर, 2008 को हुए बम धमाके मे 6 लोगो की मौत हुई थी और 100 के करीब जख्मी हुए थे। जांचकर्ताओं ने दावा किया था कि घटना में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल प्रज्ञा ठाकुर की थी। मुकदमे के दौरान अभियोजन ने अभियोजन पक्ष के 323 गवाहों के बयान दर्ज किए, जिनमें से 34 मुकर गए। वर्ष 2019 से 2024 तक भोपाल से भाजपा सांसद रहीं ठाकुर के अलावा मामले के अन्य आरोपियों में लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित, मेजर (सेवानिवृत्त) रमेश उपाध्याय, अजय राहिरकर, सुधाकर द्विवेदी, सुधाकर चतुर्वेदी और समीर कुलकर्णी शामिल हैं।

हाजिर हों आवाज लगते ही टीवी स्क्रीन पर दिखे सिसोदिया-कविता

कोर्ट ने नहीं मानी बात तो सीबीआई बोली- सर कल ही

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली शराब घोटाला केस से जुड़े सीबीआई मामले में स्पेशल कोर्ट में शुक्रवार को सुनवाई हुई। दिल्ली आबकारी नीति मामले में भले जब सुनवाई शुरू हुई तो कुछ आरोपियों के नाम पुकारे गए। तभी अदालत में मौजूद टीवी स्क्रीन पर मनीष सिसोदिया और के.कविता नजर आए। दरअसल, हुआ यूं कि दिल्ली शराब घोटाला के सभी आरोपियों की सीबीआई मामले में आज पेशी थी। दिल्ली स्थित राउज एवेन्यू कोर्ट में इन सभी आरोपियों की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेशी हुई। राउज एवेन्यू कोर्ट में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए शराब घोटाला केस में आरोपी मनीष सिसोदिया, बीआरएस नेता के.कविता, अमित अरोड़ा, समीर महेंद्र, विजय नायर, अमनदीप सिंह ढल्ल, अर्जुन पांडे और अरुण पिल्लई कोर्ट में पेश हुए। इन सभी की पेशी सीबीआई मामले में हुई थी। सुनवाई के दौरान मनीष सिसोदिया और कविता समेत सभी आरोपियों ने जब्त मोबाइल फोन को रिलीज करने की मांग की। इन आरोपियों ने इस मांग के लिए एक अर्जी दायर की थी।

कोर्ट ने सीबीआई के विरोध को किया अनसुना

इसके बाद भरी अदालत में सीबीआई ने आरोपियों की मांग का विरोध किया। हालांकि, कोर्ट ने मोबाइल फोन को रिलीज करने की मांग वाली अर्जी मंजूर कर ली। इसके बाद सीबीआई मुंह ताकती रह गई। मामले में कोर्ट ने पूछा कि आरोपियों को केस से जुड़े दस्तावेज उपलब्ध करा दिए गए? इस पर सीबीआई ने अदालत को बताया कि कल ही सभी दस्तावेज उपलब्ध करा दिए गए।

अभी जमानत पर बाहर हैं सिसोदिया-कविता

दिल्ली शराब घोटाला केस में मनीष सिसोदिया, के। कविता समेत ज्यादातर आरोपी जमानत पर जेल से बाहर आ चुके हैं। शराब घोटाला केस में सीबीआई ने मनीष सिसोदिया और अरविंद केजरीवाल को मास्टरमाइंड बताया है। अरविंद केजरीवाल को भी इस मामले में सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिल चुकी है और वह भी बाहर हैं। दिल्ली शराब नीति में अनियमितताओं को लेकर सीबीआई और ईडी ने सबसे पहले पिछले साल फरवरी में दिल्ली के डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया को अरेस्ट किया था।

'यह सुनियोजित हमला, जिसमें पुलिस भी शामिल', भाजपा नेता अर्जुन सिंह के घर पर फेंके गए बम

कोलकाता, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी के नेता अर्जुन सिंह के आवास पर शुक्रवार को हमला हुआ। इस हमले के दौरान भाजपा नेता के घर पर देसी बम फेंके गए और कई राउंड फायरिंग हुई। इस हमले में एक सुरक्षाकर्मी के घायल होने की खबर है। अर्जुन सिंह ने बताया कि धमाके की आवाज सुनकर वे अपने घर से बाहर निकले, तभी एक छर्रा उनके पैर को छूते हुए निकल गया। इस हमले में भाजपा नेता मामूली रूप से घायल हुए हैं। पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में स्थित घर पर हुए हमले को लेकर भाजपा नेता अर्जुन सिंह ने राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला। अर्जुन सिंह ने कहा कि 'मेरे घर पर सुनियोजित तरीके से हमला किया गया। पुलिस भी इसमें शामिल थी। ऐसा हो सकता है कि कुछ पुलिसकर्मी इसमें शामिल न हो क्योंकि पुलिसकर्मियों को पीटा गया था। मेरे घर के पास बम फेंके गए और गोलियां चलाई गईं। ये साफ है कि राज्य से टीएमसी का सफाया हो रहा है, ऐसे में वे राज्य में डर फैलाना चाहते हैं। इस हमले में स्थानीय पार्षद के बेटे समेत 10-15 जिहादी शामिल हैं।'

टीएमसी नेता पर लगाए हमले के आरोप

हमले के बाद सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में अर्जुन सिंह ने लिखा कि 'आज सुबह आज सुबह जब सभी नवरात्रि की पूजा में व्यस्त थे, तब एनआईए मामलों में आरोपी और स्थानीय टीएमसी पार्षद के बेटे नमित सिंह के संरक्षण में और स्थानीय पुलिस की की निगरानी में कई जिहादियों और गुंडों ने मेरे कार्यालय सह निवास मजदूर भवन पर हमला कर दिया। इस दौरान स्थानीय पुलिस मूकदर्शक बनी रही, जबकि गुंडे पुलिस के सामने खुलेआम हथियार लहरा रहे थे। इन गुंडों ने करीब 15 बम फेंके, एक दर्जन से ज्यादा राउंड फायरिंग की। बंगाल पुलिस तृणमूल कांग्रेस की कठपुतली बन गई है। शर्मनाक!'

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH
स्वतंत्र वार्ता
शनिवार, 5 अक्टूबर, 2024 3

सुविचार
न किस्सों में है और न किस्तों में है
जिंदगी की ख़ूबसूरती चंद सच्चे रिश्तों में है।

सरकार गच्चीबावली स्टेडियम में खेल विश्वविद्यालय स्थापित करेगी : रेवंत रेड्डी

मुख्यमंत्री ने खेल नीति की समीक्षा की

हैदराबाद, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को हैदराबाद के गाच्चीबावली स्टेडियम में युवा भारत शारीरिक शिक्षा और खेल विश्वविद्यालय स्थापित करने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को सचिवालय में खेल नीति की समीक्षा की और अधिकारियों को विश्वविद्यालय स्थापित करने की प्रक्रिया में तेजी लाने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को उत्कृष्ट एथलीटों को प्रशिक्षित करने के साथ-साथ तेलंगाना को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए एक नई खेल नीति तैयार करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि नई नीति में 2036 ओलंपिक को ध्यान में रखते हुए लक्ष्य तय किये जाने चाहिए। नई खेल नीति के तैयार किए गए ड्राफ्ट पर मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को सचिवालय में अधिकारियों के साथ बैठक की। मुख्यमंत्री के साथ राज्य सरकार के सलाहकार के. केशव राव, जितेंद्र रेड्डी, तेलंगाना खेल प्राधिकरण के अध्यक्ष शिवसेना रेड्डी, सरकार के विशेष मुख्य सचिव जयेश रंजन, खेल और युवा विकास विभाग के प्रमुख सचिव वाणी प्रसाद, प्रमुख सचिव इस बैठक में सीएम शेषाद्री और सीएम के सचिव शहनवाज कासिम शामिल हुए। खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने के लिए विभिन्न देशों और अन्य राज्यों द्वारा अपनाई जा रही नीतियों पर मुख्य रूप से चर्चा की गई। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार ने जानबूझकर विभिन्न खेलों में प्रतिभा रखने वाले युवाओं को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए प्रशिक्षित करने का विकल्प चुना है।

उन्होंने कहा कि इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए अपनाई जाने वाली सर्वोत्तम प्रथाओं को खेल नीति में शामिल किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने सुझाव दिया कि राज्य सरकार द्वारा स्थापित किये जाने वाले खेल विश्वविद्यालय को युवा भारत शारीरिक शिक्षा एवं खेल विश्वविद्यालय के रूप में स्टाइल किया जाना चाहिए। स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी को यंग इंडिया स्किल यूनिवर्सिटी की तरह पीपीपी मॉडल पर आयोजित किया जाना चाहिए। सुझाव है कि एक विशेष बोर्ड का गठन किया जाना चाहिए और एक अध्यक्ष नियुक्त किया जाना चाहिए और विश्वविद्यालय की स्वायत्तता सुनिश्चित करने के लिए उसे जिम्मेदारियां दी जानी चाहिए। मूल रूप से स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी में करीब 13 कोर्स संचालित करने का निर्णय लिया गया है। स्पोर्ट्स हब में क्रिकेट, हॉकी, फुटबॉल, बास्केटबॉल, तैराकी, टेनिस, बैडमिंटन, शूटिंग, बॉक्सिंग, कुश्ती, टेबल टेनिस, एथलेटिक्स, जिम्नास्टिक, एक्वेटिक्स जैसे 14 खेल शामिल हैं। उन्होंने कहा कि गच्चीबोवली स्पोर्ट्स स्टेडियम के परिसर में एक खेल विश्वविद्यालय शुरू किया जाना चाहिए। यह सुझाव दिया गया है कि लगभग 70 एकड़ क्षेत्र में फैले परिसर में विभिन्न खेलों के लिए पहले से ही तैयार सुविधाएं हैं और भविष्य की जरूरतों को पूरा करने के लिए उन्हें परिष्कृत तरीके से उन्नत किया जाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को हैदराबाद में पहले से उपलब्ध सभी प्रसिद्ध खेल मैदानों और स्टेडियमों को स्पोर्ट्स हब के तहत लाने का निर्देश दिया। एलबी स्टेडियम, हकीमपेट स्पोर्ट्स स्कूल, कोटला विजया भास्कर रेड्डी इंडोर स्टेडियम, सरूर नगर इंडोर स्टेडियम, यूनिवर्सिटी साइक्लिंग वेलोड्रम आदि की पहचान की जानी चाहिए और उन्हें एक छतरी के नीचे लाया जाना चाहिए।

हाइड्रा पर अगली सुनवाई 14 को तय

हैदराबाद, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना हाईकोर्ट ने शुक्रवार को राज्य सरकार के स्वामित्व वाली हाइड्रा द्वारा राज्य में अवैध निर्माण गिराए जाने के मामले पर सुनवाई की। प्रजाशांति पार्टी के प्रमुख केए पॉल ने हाइड्रा के गठन के लिए राज्य सरकार द्वारा जारी किए गए जीओ नंबर 99 पर रोक लगाने की मांग करते हुए हाईकोर्ट में याचिका दायर की है। याचिकाकर्ता केए पॉल ने तर्क दिया कि हाइड्रा द्वारा किए जा रहे निर्माण को तुरंत रोका जाना चाहिए। हालांकि, कोर्ट ने कहा कि निर्माण को तुरंत नहीं रोका जा सकता। व्यक्तिगत रूप से पक्षकार के रूप में केए पॉल ने तर्क दिया कि निर्माण को गिराने की कार्रवाई हाइड्रा के वैध होने के बाद ही शुरू की जानी चाहिए। याचिकाकर्ता ने अवैध निर्माण को गिराने के लिए मकान मालिकों को 30 दिन पहले नोटिस देने की मांग की। हाईकोर्ट ने हाइड्रा और राज्य सरकार को नोटिस जारी किए। हाईकोर्ट ने उन्हें निर्देश दिया कि इस मुद्दे पर जवाब दाखिल किया जाए। बाद में मामले की अगली सुनवाई 14 अक्टूबर को तय की गई।

बुजुर्ग दंपत्ति से 10.61 करोड़ की ठगी

शिकायत के बाद जांच में जुटी पुलिस

हैदराबाद, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के एक बुजुर्ग दंपत्ति को साइबर जालसाजों ने कथित तौर पर 'डिजिटल गिरफ्तारी' की धमकी दी और उन्हें धोखा देने के लिए विभिन्न डराने वाले हथकंडे अपनाकर 10.61 करोड़ रुपये की ठगी की। दंपत्ति द्वारा औपचारिक शिकायत दर्ज कराए जाने के बाद तेलंगाना साइबर सुरक्षा ब्यूरो फिलहाल मामले की जांच कर रहा है।

पीड़ित 73 वर्षीय व्यक्ति जून में अस्पताल में भर्ती था, जब उसे एसबीआई का अधिकारी होने का दावा करने वाले किसी व्यक्ति का फोन आया।

फोन करने वाले ने उसे झूठा बताया कि उसके आधार कार्ड के विवरण का उपयोग करके मुंबई में एक बैंक खाता खोला गया है और उससे पैसे निकालने का प्रयास किया जा रहा है। जब बुजुर्ग व्यक्ति ने मुंबई में कोई बैंक खाता होने से इनकार किया, तो फोन करने वाले ने सुझाव दिया कि वह मुंबई पुलिस में शिकायत दर्ज कराएं और एक फोन नंबर भी दिया। उन्हें आगे बताया गया कि उनके क्रेडेंशियल्स का दुरुपयोग मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े बैंक खाते खोलने के लिए किया गया है।

जालसाजों ने अपने दावों को विश्वसनीय बनाने के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और आयकर (आईटी) विभाग की ओर से कथित तौर पर व्हाट्सएप के माध्यम से पत्र भी भेजे। पीड़ित से कहा गया कि उसे अपनी बेगुनाही साबित करनी होगी और यह दिखाना होगा कि उसकी संपत्ति, साथ ही उसकी पत्नी के नाम की संपत्ति, किसी भी गैरकानूनी गतिविधि से जुड़ी नहीं है। उन्होंने उसे यह भी आश्वासन दिया कि तीन दिनों के भीतर पैसे वापस कर दिए जाएंगे।

साइबर अपराधियों ने पुलिस अधिकारियों की वेशभूषा में वीडियो कॉल के माध्यम से कई 'जांच' की, जिससे दंपति और भी भयभीत हो गए। दबाव में आकर बुजुर्ग दंपति ने किश्तों में 10.61 करोड़ रुपये ट्रांसफर कर दिए। धनराशि ट्रांसफर होने के बाद जालसाजों ने सभी तरह की बातचीत बंद कर दी। दंपति को एहसास हुआ कि उनके साथ धोखाधड़ी हुई है और उन्होंने टीजीसीएसबी में शिकायत दर्ज कराई। इन खातों का पता उत्तर प्रदेश के झांसी, गोरखपुर, वाराणसी के साथ-साथ हरियाणा के बेंगलुरू, गुरुग्राम तथा बिहार और मणिपुर के विभिन्न स्थानों पर लगाया गया। जांच से पता चला कि ये सभी खाते 'खच्चर खाते' थे और कमीशन के उद्देश्य से अपराधियों को उपलब्ध कराए गए थे।

तैरना न जानने के कारण 3 बच्चे झील में डूबे

हैदराबाद, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के बाहरी इलाके शमीरपेट के कोलाथुर में शुक्रवार दोपहर को एक झील में 3 बच्चे दुर्घटनावश डूब गए। पुलिस ने बताया कि ऐसा संदेह है कि वे झील में तैरने गए थे, लेकिन तैरना नहीं जानने के कारण डूब गए। हर्षा, मणिकांता और मनोज नाम के तीनों दोस्त शमीरपेट के एक ही मोहल्ले के रहने वाले थे। दशहरा की छुट्टियों के कारण स्कूल बंद होने के कारण वे हर्षा के घर के पास खेल रहे थे। पुलिस सूत्रों ने बताया कि खेलते समय तीनों ने झील पर जाने का फैसला किया। जलाशय पर पहुंचने के बाद, हालांकि उनमें से किसी को भी तैरना नहीं आता था, वे पानी में उतर गए और डूब गए। शमीरपेट पुलिस ने शवों को बरामद कर लिया है और जांच शुरू कर दी है।

किडनी रोगियों ने प्रजा भवन पर किया प्रदर्शन

10,000 रुपये मासिक पेंशन योजना लागू करने की मांग

हैदराबाद, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य भर से आए कई किडनी रोगियों ने शुक्रवार को प्रजा भवन में प्रदर्शन किया और मांग की कि कांग्रेस सरकार पड़ोसी राज्य आंध्र प्रदेश में लागू की जा रही 10,000 रुपये मासिक पेंशन योजना को लागू करे। किडनी वारियर्स फाउंडेशन के तत्वावधान में मरीज प्रजा भवन में एकत्र हुए और हाथों में तख्तियां लेकर मौन प्रदर्शन किया। मरीजों ने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी को मासिक 10,000 रुपये की पेंशन बढ़ाने और बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मुहैया कराने के लिए एक पत्र भी लिखा है। किडनी रोगियों के लिए विभिन्न जिलों में डायलिसिस केंद्र स्थापित करने के लिए सरकार को धन्यवाद देते हुए उन्होंने कहा कि अंगदान के लिए जीवनधन की शुरुआत करना एक बड़ा कदम है।

किडनी ट्रांसप्लांट के मरीजों ने कहा कि उन्हें कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि नेफ्रोलॉजिस्ट के पर्चे के अनुसार, उन्हें रोजाना दवाइयां लेने के लिए मजबूर होना पड़ता है और इसे जीवन भर जारी रखने की जरूरत है। आरोग्यश्री ट्रांसप्लांट के मरीज को 9500 रुपये की दवाइयां मिलती हैं, जो नेफ्रोलॉजिस्ट द्वारा निर्धारित दवाओं का केवल 50 प्रतिशत है। इसके अलावा, अन्य दवाओं की कीमतें बहुत अधिक थीं। उन्होंने यह भी कहा कि आरोग्यश्री ट्रस्ट सभी ट्रांसप्लांट रोगियों को मानक दवाइयां प्रदान करता है, लेकिन हर मरीज को अलग-अलग दवाओं की ज़रूरत होती है क्योंकि मेडिकल कारणों से ट्रांसप्लांट अलग-अलग होते हैं। उन्होंने कहा कि यदि नकद सहायता दी जाए या मरीजों को रियायती मूल्य पर अपनी निर्धारित दवाएं मंगवाने की सुविधा दी जाए तो यह बहुत बड़ी मदद होगी।

हाई कोर्ट में मल्टी स्पेशियलिटी स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

हैदराबाद, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश आलोक अराधे ने शुक्रवार को हाई कोर्ट परिसर में मल्टी स्पेशियलिटी स्वास्थ्य शिविर और रक्तदान शिविर का उद्घाटन किया। इस शिविर का आयोजन राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली के तत्वावधान में तेलंगाना राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा उस्मानिया जनरल अस्पताल और निर्माण संगठन (एनजीओ) के सहयोग से किया गया था। हाई कोर्ट के न्यायाधीश और तेलंगाना राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यकारी अध्यक्ष न्यायमूर्ति सुजॉय पॉल और न्यायमूर्ति अभिनंद कुमार शाविली तथा हाई कोर्ट के साथी न्यायाधीश भी स्वास्थ्य शिविर में शामिल हुए। इस पहल का उद्देश्य अधिवक्ताओं, कर्मचारियों और हाई कोर्ट से जुड़े अन्य लोगों को मुफ्त स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना है। किसी व्यक्ति की स्वास्थ्य स्थिति की निगरानी के लिए नियमित स्वास्थ्य जांच बहुत जरूरी है। मुख्य न्यायाधीश आलोक अराधे ने कहा कि अगर स्वास्थ्य जांच में कोई असामान्यता पाई जाती है, तो व्यक्ति अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखेगा। रक्तदान शिविर आयोजित करने का उद्देश्य उस्मानिया जनरल अस्पताल में इलाज के लिए आने वाले मरीजों की मदद करना और जरूरतमंद गरीब लोगों को रक्त की जरूरत को पूरा करना है। इस बीच, उच्च न्यायालय अधिवक्ता संघ के विद्वान सदस्यों, उच्च न्यायालय के कर्मचारियों और तेलंगाना राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण के कर्मचारियों ने गरीब मरीजों के कल्याण के लिए रक्तदान किया है।

कुत्तों ने 6 साल के बच्चे पर किया हमला

जोगुलम्बा गडवाल, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य में लोगों, खासकर बच्चों पर आवारा कुत्तों के हमले लगातार जारी हैं। शुक्रवार को जिले के मनापडू के अमरवाई गांव में 6 वर्षीय लड़के रेवंत पर हमला किया गया, जिससे वह घायल हो गया। जब रेवंत अपने घर के सामने खेल रहा था, तभी कुत्तों के एक झुंड ने उस पर हमला कर दिया। उसकी मां सिरीशा ने लड़के को पास की दुकान से दूध का पैकेट लाने को कहा था। जब रेवंत दुकान की ओर जा रहा था, तो कुत्तों ने उस पर हमला कर दिया और उसे गंभीर चोटें आईं। रिपोर्ट के अनुसार, उसे पलकों, हाथों और सिर पर चोटें आईं। रेवंत के दर्द से चीखने पर उसकी मां और पड़ोसी उसे बचाने के लिए दौड़े। उसे तुरंत कुरनूल के सरकारी जनरल अस्पताल ले जाया गया और उसका इलाज चल रहा है। निवासियों ने इस बात पर नाराजगी जताई कि आवारा कुत्तों के बढ़ते आतंक के बारे में बार-बार शिकायत करने के बावजूद नगर निगम के अधिकारी इस आतंक को नियंत्रित करने के लिए कोई कदम नहीं उठा रहे हैं। उन्होंने शिकायत की कि कुत्ते खास तौर पर बुजुर्गों और बच्चों को अपना निशाना बना रहे हैं।

CLASSIFIEDS

वेंचर लॉंचिंग के ऑफर आह्वान

डीटीसीपी एवं रेरा, रिसाट कान्सेप्ट में सभी डेवेलपमेंट के साथ कड्ताल श्रीशैलम हावे के समीप वेंचर में एक प्लॉट खरीदने से फोन नं : 7013714032

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

दक्षिण मध्य रेलवे

हमें @SCRailwayindia पर फॉलो करें. द.म. रेलवे की निविदा सूचनाओं के विवरणों को हमारी वेबसाइट : www.scr.indianrailways.gov.in पर देखा जा सकता है

सं.-सी/सी/ई-नीलामी/एससी/2024-25 दि.04/10/2024

PUB/0991

भारत के राष्ट्रपति, संघीय गणराज्य, की ओर से व के लिए, वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, सिकंदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे द्वारा वाणिज्यिक आय तथा एनएफआर संविदाओं हेतु ई-नीलामी आमंत्रित हैं। तदनुसार, एससी डिवीजन ने निम्न श्रेणियों के लिए ई-नीलामी संसाधित की है, जिसे https://www.ireps.gov.in पर अधिसूचित किया गया है।

क्रम सं	श्रेणी	ई-नीलामी तिथि
1	इवीबीएस	07.10.2024.
2	पार्किंग	08.10.2024, 14.10.2024, 16.10.2024.
3	कैटरिंग	14.10.2024, 16.10.2024.
4	पीयु(पे एण्ड यूज टायलेट्स या शौचालय)	14.10.2024.
5	एफजेड बीएस(बैटरी स्वैप्पिंग)	14.10.2024.
6	एमपीएस	15.10.2024.
7	आरसीआर(रेल कोच रेस्टारंट)	16.10.2024.
8	कोयला या कोल	17.10.2024.
9	पार्सल्स	22.10.2024.

तत्संबंधित विस्तृत विवरण हेतु पार्टीज https://www.ireps.gov.in/website देखें। पूछताछ/स्पष्टीकरण हेतु कृपया अधोहस्ताक्षरी कार्यालय पर संपर्क करें।

A1267 वरिष्ठ विभागीय वाणिज्यिक प्रबंधक, सिकंदराबाद

आश्रय गृह से भागी किशोरियों के साथ जनगांव में बलात्कार

5 युवकों ने कथित तौर पर किया रेप

हैदराबाद, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पिछले महीने सैदाबाद में आईएस सदन में एक निजी संगठन द्वारा संचालित पुनर्वास केंद्र से भागी 2 किशोरियों के साथ जनगांव में अलग-अलग मामलों में 5 युवकों ने कथित तौर पर बलात्कार किया। उपलब्ध जानकारी के अनुसार जनगांव की एक लड़की पिछले 3 महीनों से आश्रय गृह में रह रही थी और दूसरी हैदराबाद की रहने वाली थी, जो सितंबर में आई थी। 14 और 15 साल की दोनों लड़कियों के बारे में पता चला है कि वे अपने घरों से भाग गई थीं और आश्रय गृह में रह रही थीं और जल्द ही उनकी दोस्ती हो गई।

पुलिस के अनुसार, अज्ञात कारणों से दोनों को आश्रय गृह में रहना पसंद नहीं आया और वे 24 सितंबर को खिड़की के रास्ते भाग निकले।

आश्रय गृह प्राधिकारियों की शिकायत के आधार पर सैदाबाद पुलिस ने गुमशुदगी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी और विशेष टीमों ने उनकी तलाश शुरू कर दी। इस बीच, लड़कियां उसी रात जनगांव पहुंच गईं, जहां एक लड़की के साथ उसके परिचित नागराजू ने आश्रय का वादा करके बलात्कार किया। दूसरे युवक साई दीप ने बस स्टॉप के पास दूसरी लड़की को अकेला देखा और उसे खाने का लालच देकर आश्रय का वादा करके एक बेकरी में ले गया, जहां उसने और बेकरी मालिक राजू ने उसके साथ बलात्कार किया। बाद में, दोनों लड़कियों को संदिग्धों ने बस स्टैंड पर छोड़ दिया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि अगले दिन साईं दीप अपने दोस्तों अखिल और रोहित के साथ बस स्टैंड पर लड़कियों से मिला और उन्हें हैदराबाद आने के लिए मना लिया और मदद का वादा किया, लेकिन इसके बजाय वे लड़कियों को अलग-अलग जगहों पर ले गए और बस स्टैंड पर वापस छोड़ने से पहले उनका यौन शोषण किया।

आखिरकार पुलिस ने लड़कियों को बस स्टैंड पर पाया और उन्हें पुनर्वास केंद्र में वापस भेज दिया। हालांकि, उन्होंने शुरू में अधिकारियों और कर्मचारियों के सामने खुलकर बात नहीं की, लेकिन भरोसा केंद्र में काउंसलिंग सेशन के दौरान उन्होंने यौन उत्पीड़न के बारे में बताया। लड़कियों के बयान के आधार पर सैदाबाद पुलिस ने यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पोक्सो) अधिनियम के तहत मामले की धाराओं में बदलाव किया और संदिग्धों को गिरफ्तार कर लिया।

भारत सरकार

सत्यमेव जयते

खान मंत्रालय

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA 1851

कार्यालय में उपलब्ध सेवाएं :-

भूविज्ञान संग्रहालय
सेम प्रयोगशाला (SEM Lab)
जेम स्टोन परीक्षण (Gem Stone Testing)
ईपीएमए प्रयोगशाला (EPMA Lab)
भूविज्ञान मानचित्रों का विक्रय
आइसीपीएमएस (ICPMS) रासायनिक प्रयोगशाला
एक्सआरएफ (XRF) रासायनिक प्रयोगशाला इत्यादि

अपर महानिदेशक एवं विभागाध्यक्ष
भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण
दक्षिणी क्षेत्र, हैदराबाद-500068

संग्रहालय का भ्रमण सोमवार से शुक्रवार तक (राजकीय अवकाशों के अतिरिक्त) कार्यालय समय के दौरान पूर्वानुमति से किया जा सकता है। अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें -9038963102

'देख लीजिए जेडीयू सांसद की बेबसी, छोटा बाबू तक फोन नहीं उठा रहे', तेजस्वी यादव ने सीएम नीतीश को घेरा

पटना, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने एक बार फिर सोशल मीडिया अक्स पर पोस्ट करके सीएम नीतीश कुमार पर बड़ा हमला बोला है. उन्होंने पोस्ट में लिखा है- 'जेडीयू का क्या हाल है'. तेजस्वी ने एक वीडियो भी जारी किया है, जिसमें जेडीयू सांसद अधिकारियों को फोन करके अपनी बेबसी दिखा रहे हैं. वीडियो में बाल्मीकि नगर से जदयू के सांसद सुनील कुशवाहा हैं. सांसद एक अधिकारी को फोन करके कह रहे हैं कि आपको सुबह से फोन किया जा रहा है, लेकिन आप फोन तक नहीं उठाते. तेजस्वी ने इस पर तंज कसा और कहा कि आप देख लीजिए नीतीश कुमार जी आपके सांसद की बेबसी और लाचारी.

तेजस्वी यादव का सीएम नीतीश पर हमला

तेजस्वी यादव ने आगे लिखा- डीएम-एसपी को तो छोड़िए सुबह से फोन किया जा रहे हैं लेकिन छोटा बाबू भी फोन नहीं उठा रहे. बिहार डीके और एनके मॉडल पर चल रहा है. बिहार के अधिकारियों को किसी का डर नहीं है. उन्होंने लिखा है कि सीएम को तो होश नहीं है. सीएम अपने ही दलों के नेताओं के फीडबैक पर काम नहीं करते विपक्ष की तो छोड़ ही दीजिए. इस वीडियो में बाल्मीकि नगर से सांसद अपने ही जनता के सामने बिल्कुल परेशान और फ़जीहत झेल रहे हैं. जरा इस वीडियो को देखिए और समझ जाइए की तेजस्वी यादव ने इस वीडियो के माध्यम से किस तरीके से नीतीश कुमार और सरकार को घेरा है. सांसद महोदय बोल रहे हैं कि सुबह से आपको फोन किया जा रहा है. फोन नहीं उठाते हैं इससे सरकार की बदनामी होती है. सांसद कितने परेशान और बेबस है.

घूसखोर निकला एनआईए का डीएसपी

2.5 करोड़ में की थी 'डील', 3 गिरफ्तार, जेडीयू की पूर्व एमएलसी से जुड़ा मामला

पटना, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। रिश्वत लेने के मामले में बिहार में बड़ी कार्रवाई हुई है. एनआईए के एक डीएसपी अजय प्रताप सिंह और उनके दो एजेंट को सीबीआई ने गिरफ्तार किया है. 20 लाख रुपये घूस लेते हुए पकड़ा गया है. बताया जाता है कि सीबीआई ने यह कार्रवाई रमैया कंस्ट्रक्शन के मालिक और जेडीयू की पूर्व एमएलसी मनोरमा देवी के बेटे रॉकी यादव की शिकायत पर की है. रॉकी यादव ने ही एनआईए के डीएसपी अजय प्रताप सिंह पर रिश्वत मांगने का आरोप लगाया था.

गया में 19 सितंबर को हुई थी छापेमारी

दरअसल, गया के एपी कॉलोनी स्थित जेडीयू की पूर्व एमएलसी मनोरमा देवी के घर पर पिछले मीहने 19 सितंबर को एनआईए की टीम ने छापेमारी की थी. यह छापेमारी करीब 20 घंटे तक चली थी. इस दौरान 4.3 करोड़ रुपये नकद और कई हथियार बरामद किए गए थे. एनआईए पटना शाखा के डीएसपी अजय प्रताप सिंह के नेतृत्व में छापेमारी की गई थी. इसके बाद रमैया कंस्ट्रक्शन के मालिक रॉकी यादव ने एनआईए के डीएसपी अजय प्रताप सिंह के खिलाफ रिश्वत मांगने का आरोप लगाया था. इसकी शिकायत उन्होंने सीबीआई से की थी. कहा था कि डीएसपी ने नक्सली मामले में फंसाने की धमकी देकर 2.5 करोड़ रुपये मांगे हैं. जांच में इस शिकायत की पुष्टि होने के बाद सीबीआई की टीम ने गया से डीएसपी के दो एजेंट को रिश्वत के 20 लाख रुपये के साथ गुरुवार (03 अक्टूबर) की देर रात गिरफ्तार किया है. वहीं पटना से एनआईए के डीएसपी अजय प्रताप सिंह को गिरफ्तार किया गया है. खबर तो यह भी है कि सीबीआई ने डीएसपी के घर सहित यूपी में रहने वाले रिश्तेदारों के यहां भी छापेमारी की है.

जेडीयू के पूर्व एमएलसी मनोरमा देवी के पीए रविंद्र यादव ने एनआईए छापेमारी के पीछे किसी आरजेडी के कद्दावर नेता के होने की आशंका जताई है. बताया जाता है कि दो एजेंटों की गिरफ्तारी में सीबीआई की टीम में 6 एसपी और 4 डीएसपी रैंक के अधिकारी शामिल थे. इस पूरे मामले में एनआईए की ओर से आज शुक्रवार सुबह एक्स पर बयान जारी कर पुष्टि की गई है.

दीवार बनवाने को लिए थे 40 हजार, सीपी ने लिया एक्शन; जंसा थानाध्यक्ष लाइन हाजिर

वाराणसी, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। पैसे के लेनदेन का वीडियो वायरल होने के बाद वाराणसी के पुलिस आयुक्त ने जंसा थानाध्यक्ष बैद्यनाथ सिंह को लाइन हाजिर कर दिया है। पुलिस आयुक्त ने जंसा थाने का नया थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर दुर्गा सिंह को बनाया है। सब इंस्पेक्टर बैद्यनाथ सिंह के खिलाफ विभागीय जांच भी चल रही है। सोशल मीडिया के अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर गत दिनों एक वीडियो वायरल हुआ था। वीडियो के अनुसार, जंसा थानाध्यक्ष बैद्यनाथ सिंह और एक सिपाही दो लोगों से पैसे के लेनदेन की बात कर रहे थे। आरोप है कि एक बाउंड्री वॉल बनवाने के लिए जंसा थानाध्यक्ष बैद्यनाथ सिंह और सिपाही ने एक व्यक्ति से 40 हजार रुपये लिए थे। किन्हीं कारणों से बाउंड्री वॉल का निर्माण नहीं हो पाया तो सिपाही ने पैसा देने वाले व्यक्ति को 26 हजार रुपये वापस कर दिया और 14 हजार देने से मना कर दिया। उसी के बाद वीडियो वायरल हुआ तो उसकी जांच कमिश्नरेट के गोमती जोन के एडीसीपी आकाश पटेल ने की। उधर, इस संबंध में पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल ने बताया कि सब इंस्पेक्टर बैद्यनाथ सिंह के खिलाफ विभागीय जांच भी चल रही है।

'बेटी पसंद है' बेटे से शादी का रिश्ता तय किया, लेकिन लड़के का बदल गया इरादा; लड़की का रो-रोकर हुआ बुरा हाल

मैनपुरी, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मैनपुरी में एक युवती की शादी युवक से तय हो गई। दोनों की शादी चार साल तक नहीं हुई। शादी के नाम पर युवक, युवती से चार साल तक शारीरिक संबंध बनाता रहा। अब काफी समय बीत जाने के बाद युवती और उसके घरवालों ने शादी की तारीख तय करने को कहा तो युवक और उसके घरवालों ने शादी करने से साफ मना कर दिया, इतना ही नहीं आरोप है कि युवक के घरवालों ने उसकी नौकरी लगवाने के लिए 2 लाख रुपए भी लिए हैं। आरोप है कि शादी तय होने के बाद युवती के परिवारवालों ने उन्हें अपने परिवार की तरह माना और जब भी किसी चीज की जरूरत रही हमेशा मदद के लिए तैयार रहे, हमारी बेटी भी युवक के साथ आती-जाती थी। अब जब शादी करने की बात की गई तो युवक के घरवालों ने ऐसा करने से मना कर दिया है। अब पीड़िता ने न्याय की गुहार एसपी ऑफिस में जाकर लगाई है। पीड़िता और उसके घरवालों ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कार्रवाई करने की मांग की है।

बीडीओ मैडम की गाड़ी में आगे बिहार-पीछे यूपी का नंबर

सरकारी बोर्ड, शीशे पर बिहार सरकार भी लिखा; बोलीं-जल्दबाजी में पुराना नंबर प्लेट रह गया

सहरसा, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। सहरसा के एक महिला सरकारी अधिकारी की गाड़ी पर दो अलग-अलग राज्यों की नंबर प्लेट लगी है। गाड़ी के आगे बिहार का रजिस्ट्रेशन नंबर (बीआर 06 डीटी 8204) और पीछे उत्तर प्रदेश का रजिस्ट्रेशन नंबर (यूपी 14 सीजे 7708) है। ये सौर बाजार प्रखंड की बी।डी।ओ (ब्लॉक डेवलपमेंट ऑफिसर) नेहा कुमारी की पर्सनल गाड़ी बताई जा रही है। गाड़ी पर पीछे के शीशे पर बिहार सरकार लिखा है। आगे नंबर प्लेट के ऊपर प्रशासन प्रखंड विकास पदाधिकारी सौर बाजार सहरसा का बोर्ड भी लगा हुआ है।

2 अलग-अलग नंबर प्लेट वाली गाड़ी का वीडियो भी तेजी से वायरल हो रहा है। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद बीडीओ नेहा कुमारी ने कहा कि 'पहले गाड़ी पर यूपी का नंबर था। बिहार लाने पर इसका रजिस्ट्रेशन चेंज करवाया था। मुजफ्फरपुर जिले से रजिस्ट्रेशन के लिए अप्लाई किया। रजिस्ट्रेशन नंबर मिल भी गया। नया रजिस्ट्रेशन नंबर मिलने के बाद गाड़ी डीटीओ भेजी थी। डीटीओ ऑफिस में गाड़ी के आगे वाला नंबर प्लेट तो चेंज कर दिया गया, लेकिन गाड़ी के पीछे लगी यूपी की नंबर प्लेट खुली ही नहीं। वहां इसे बाहर से खुलवाकर लाने के लिए कहा गया था। मुझे कार्यालय आना था, इसलिए जल्दबाजी में मैंने भी ध्यान नहीं दिया। गाड़ी कार्यालय के बाहर लगी थी। इसी दौरान किसी ने मेरी गाड़ी का वीडियो बनाकर वायरल कर दिया। बीडीओ (ब्लॉक डेवलपमेंट ऑफिसर) नेहा कुमारी ने बताया कि वो अपनी पर्सनल गाड़ी से आवास से दफ्तर आती हैं। क्षेत्र में जाने के लिए सरकारी गाड़ी का ही इस्तेमाल करती हैं।

नंबर प्लेट को लेकर क्या है नियम

नियम के मुताबिक जब भी कोई गाड़ी खरीदी जाती है तो गाड़ी मालिक को परिवहन विभाग की ओर से गाड़ी का रजिस्ट्रेशन नंबर दिया जाता है। एक नंबर प्लेट गाड़ी के आगे और दूसरा गाड़ी के पीछे लगता है। आगे और पीछे के नंबर प्लेट पर एक ही रजिस्ट्रेशन नंबर होता है।

बीजेपी नेता ने योगी सरकार की मंत्री के बयान पर जताई आपत्ति, कहा- मैं भी हलाल नॉन वेज खाता हूं

लखनऊ, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश बीजेपी अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष कुंवर बासित अली ने यूपी सरकार की शिक्षा मंत्री गुलाब देवी के बैंड बाजे वाले बयान पर असहमति जताते हुए कहा की मैं उनके बयान से सहमत नहीं हूं लेकिन खाने के होटल पर नेम प्लेट का मै समर्थक हूं। मैं भी हलाल नॉन वेज होटलों पर खाता हूं और जिन होटलों पर शराब परोसी जाती हो या हलाल खाना न मिलता हो मै वहाँ खाना नहीं खाता हूं इसलिए हिन्दू भाइयों को भी खाने पीने की आज़ादी है। वह भी अपनी पसंद के होटल पर खाना खाना पसंद करते है। बीजेपी नेता ने कहा कि कई बार वह ऐसे होटल पसंद करते हैं जहाँ प्याज़ लहसुन या नॉन वेज न मिलता हो इसलिए यूपी सरकार का होटलों पर नेम प्लेट लगाने का आदेश ठीक है लेकिन गुलाब देवी जी के बयान से मै सहमत नहीं हूं

टैक्स चोरी के मामले में ईडी को हवाला कारोबारी अट्टू की तलाश

सपा नेता अबू आजमी का करीबी होने का संदेह

वाराणसी, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने करोड़ों रुपये की आयकर चोरी के मामले में हवाला कारोबारी अट्टू की तलाश शुरू की है। वाराणसी के विनायक समूह के विरुद्ध कर चोरी के मामले की छानबीन के दौरान उसकी भूमिका सामने आई है। सूत्रों का कहना है कि हवाला कारोबारी सपा के महाराष्ट्र के प्रदेश अध्यक्ष अबू आजमी का करीबी रहा है। सपा नेता आजमी के करीबी रहे व्यवसायी अनीसुर्रहमान की भूमिका की भी जांच चल रही है। हवाला कारोबारी के माध्यम से लगभग तीन करोड़ रुपये मुंबई पहुंचाए गए थे। संदेह है कि यह रकम सपा नेता को पहुंचाई गई थी। ईडी ने अगस्त माह में वाराणसी की विनायक निर्माण कंपनी के खाते में जमा 4.05 करोड़ रुपये जब्त किए थे। ईडी की प्रयागराज इकाई ने मामले में आयकर विभाग द्वारा साझा की गई जानकारी तथा वाराणसी विकास प्राधिकरण द्वारा दर्ज कराए गए मुकदमे के आधार पर मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज कर जांच शुरू की थी। ईडी की जांच के दायरे में सपा नेता अबू आजमी की भूमिका भी है। आयकर विभाग ने पूर्व में सपा नेता अबू आजमी व उनके करीबी विनायक समूह के ठिकानों पर छापेमारी की थी। विनायक समूह ने फर्जी प्रोजेक्ट कंप्लीशन सर्टिफिकेट के आधार पर बड़े पैमाने पर कर चोरी की थी। वरुणा गार्डेन परियोजना के लिए वाराणसी विकास प्राधिकरण के फर्जी प्रमाण पत्र का उपयोग किया गया था।

बिजनौर में कुट्टू का आटा खाने से 150 से ज्यादा लोग बीमार, मेरठ में 50 की तबीयत बिगड़ी

मेरठ, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बिजनौर में शारदीय नवरात्रि के पहले मिलावटी कुट्टू का आटा खाने से 150 लोगों की तबीयत बिगड़ गई तो वहीं मेरठ में भी कुट्टू का आटा खाने से 50 लोग बीमार हो गए. जिसके बाद उन्हें तत्काल स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है. जहां उनका इलाज हो रहा है. इन लोगों ने नवरात्रि के पहले दिन उपवास के बाद कुट्टू का आटा खाया था, जिसके बाद उन्हें उलटीं, चक्कर और पेट में दर्द की शिकायत होने लगी. पहला मामला बिजनौर के चांदपुर इलाक़े का है जहां 150 से ज्यादा लोगों को कुट्टू का आटा खाने के बाद फ़ूड प्वाइजनिंग हो गई जिसके बाद उनकी तबीयत बिगड़ने लगी. गुरुवार को उपवास के बाद इन लोगों ने कुट्टू के आटे से बना खाना खाया था, जिसके बाद उन्हें पेट में दर्द होने लगा. इस बीच कई लोगों के चक्कर आने और उल्टी की भी शिकायत की. लोगों की तबीयत बिगड़ने के बाद परिजन परेशान हो गए और आनन फानन में उन्हें बिजनौर सीएचसी और जिला अस्पताल की ओर लेकर भागे. इसके बाद तो अस्तपालों में भी मरीजों की लाइन गई, एक के बाद एक फूड प्वाइजनिंग के मरीज आने लगे. एक साथ इतनी बड़ी संख्या में मरीज़ों के आने से स्वास्थ्य विभाग के हाथ-पांव भी फूल गए.

तहसीलदार की विदाई पर फूहड़ डांस, बार डांसरों के साथ ठुमके लगाने वाले 3 राजस्व कर्मी सस्पेंड

प्रतापगढ़, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। यूपी के प्रतापगढ़ जिले की लालगंज तहसील के तहसीलदार के रिटायर्ड होने के बाद विदाई समारोह में बार डांसरों के साथ नाचने के आरोप में तीन राजस्व कर्मियों को निलंबित कर दिया गया। लालगंज तहसील उपजिलाधिकारी नैंसी सिंह बताया कि लालगंज के तहसीलदार धीरेन्द्र सिंह के रिटायर्ड होने पर बुधवार रात तहसील परिसर में आयोजित विदाई समारोह के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम के नाम पर बार डांसरों के डांस का आयोजन किया गया था, जिसमें राजस्व कर्मी डांसरों के अश्लील गाने पर डांस कर रहे थे। कार्यक्रम में राजस्व कर्मियों के साथ-साथ अन्य स्टाफ ने भी डांस किया और बार बालाओं पर रुपए लुटाए। कार्यक्रम का वीडियो वायरल होने पर जिलाधिकारी संजीव रंजन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच के बाद तहसील लालगंज लेखपाल संघ के अध्यक्ष कृष्ण कुमार सरोज, लेखपाल संजय यादव व संग्रह अमीन बृजेंद्र बहादुर सिंह को निलंबित कर दिया है। निलंबन आदेश में कहा गया है कि सेवानिवृत्त तहसीलदार धीरेंद्र कुमार सिंह के विदाई समारोह के बाद आर्केस्ट्रा कार्यक्रम में इन कर्मचारियों द्वारा अश्लील गानों पर हुए नृत्य में खुद नाचने के चलते कर्मचारी सेवा नियमावली का उल्लंघन हुआ है। लालगंज तहसील परिसर में सेवानिवृत्त तहसीलदार का विदाई समारोह समाप्त होने के बाद पार्क में आर्केस्ट्रा पर देर रात तक नाच गाने का लोग लुत्फ उठाते रहे। सूत्रों की मानें तो तीन राजस्वकर्मियों के निलंबन के अलावा अभी कुछ और कर्मचारियों पर कार्रवाई की तलवार लटक रही है।

सपा नेता आजम खान की करीबी एकता कौशिक की अग्रिम जमानत मंजूर

रामपुर, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजकीय ओरियंटल कॉलेज (मदरसा आलिया) से किताबें चोरी के मामले में सपा नेता आजम खान की करीबी गाजियाबाद निवासी एकता कौशिक को पुलिस ने आरोपी बनाया था। जिसके बाद उन्होने पिछली तारीख पर अधिवक्ता के माध्यम से अग्रिम जमानत के लिए प्रार्थना पत्र लगाया था। जिसके बाद कोर्ट ने अग्रिम जमानत याचिका मंजूर कर ली थी। उन्होंने अधिवक्ता के माध्यम से एमपी-एमएलए मजिस्ट्रेट कोर्ट में जमानती दाखिल किए। जिसके बाद उनको जमानत मिल अग्रिम जमानत मिल गई है। राजकीय ओरियंटल कॉलेज (मदरसा आलिया) के प्रधानाचार्य जुबैद खां ने गंज थाने में 16 जून 2019 को एक मामला दर्ज कराया था, जिसमें कहा कि कॉलेज के पुस्तकालय से 9 हजार दुर्लभ पांडुलिपियां, 50 अलमारी और अभिलेख 10 सितंबर 2016 को अज्ञात लोगों द्वारा चुरा लिए गए थे। पुलिस ने मामला दर्ज होने के बाद विवेचना शुरू कर दी थी। फिर इस मामले में सपा के पूर्व विधायक अब्दुल्ला आजम के दोस्त अनवार व सालिम की निशानदेही पर पुलिस ने जौहर यूनिवर्सिटी कैंपस से बड़ी संख्या में किताबें, अलमारियां और अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद किए थे। पुलिस ने इस मामले में सपा नेता आजम खान,अब्दुल्ला आजम के साथ कई लोगों को आरोपी बनाते हुए उनके खिलाफ चार्जशीट कोर्ट में दाखिल की थी। चार्जशीट में सपा नेता आजम खान की करीबी गाजियाबाद के कवि नगर निवासी एकता कौशिक का नाम भी था।

मिर्जापुर में दर्दनाक सड़क हादसा, ऐसी खौफनाक थी टक्कर उछलकर नाले में गिरा ट्रक का टायर, 10 लोगों की मौत

मिर्जापुर, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर जिले में गुरुवार देर रात एक ट्रक और ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर से दर्दनाक हादसा हो गया। इस हादसे में 10 लोगों की मौत हो गई और तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मिर्जापुर के एसपी अभिनंदन ने बताया कि यह दुर्घटना देर रात करीब एक बजे मिर्जापुर-वाराणसी सीमा पर कछवां और मिर्जामुराद के बीच जीटी रोड पर हुई। एसपी ने बताया, ''ट्रैक्टर-ट्रॉली में 13 मजदूर थे जो भदोही जिले में निर्माण कार्य करके लौट रहे थे, तभी उनके वाहन को एक ट्रक ने पीछे से टक्कर मार दी, जिससे चालक ने नियंत्रण खो दिया।'' सूचना मिलते ही एसपी अभिनंदन और अन्य अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया।

अपनों से मिलने घर लौट रहे थे मजदूर

दुर्घटना कछवा थाना क्षेत्र के कछवा मिर्जामुराद जीटी रोड पर रात करीब 1 बजे के आस पास की है। बताया जा रहा है कि एक ट्रैक्टर पर 13 लोग सवार होकर जनपद भदोही से वाराणसी की तरफ जा रहे थे। थाना कछवा क्षेत्र के कछवा मिर्जामुराद जीटी रोड पर पीछे से एक तेज रफ्तार अनियंत्रित ट्रक ने ट्रैक्टर ट्रॉली में टक्कर मार दी। ट्रैक्टर सवार 13 लोगों में से 10 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और 3 लोग घायल हो गए। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ट्रक का टायर निकलकर दूर नाले में जा गिरा। सूचना मिलते ही मौके पर स्थानीय थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और राहत बचाव कार्य करते हुए घायलों को इजाल के लिए ट्रामा सेंटर वाराणसी भिजवाया। ट्रैक्टर सवार सभी लोग मजदूर थे जो जनपद भदोही से छत ढलाई का काम कर के अपने घर मिर्जामुराद वाराणसी जा रहे थे।

शादी का किया वादा फिर सालों तक बनाया संबंध, कोर्ट बोला- ये रेप नहीं

प्रयागराज, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के इलाहाबाद हाई कोर्ट ने प्रेम संबंधों में आपसी सहमति से बनाए गए शारीरिक संबंधों के लेकर फैसला सुनाया है। हाई कोर्ट के जस्टिस अनीश कुमार गुप्ता की सिंगल बेंच ने श्रेय गुप्ता की याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि 12 साल तक बनाए गए दोनों पक्षों की सहमति से बनाए गए शारीरिक संबंध को इस आधार पर रेप नहीं कह सकते हैं कि युवक और युवती के बीच शादी नहीं हुई है। कोर्ट ने रेप और जबरन वसूली के आरोपी के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही रद्द करते हुए कहा कि 12 साल से ज्यादा समय तक सहमति से चलने वाले संबंध को केवल शादी करने के वादे के उल्लंघन के आधार पर रेप नहीं माना जा सकता है। कोर्ट ने सहमति की कानूनी व्याख्या, झूठे बहाने के तहत यौन शोषण के आरोपों पर लम्बे समय तक संबंधों के प्रभाव पर भारतीय कानून में सहमति से यौन संबंध और रेप के बीच अंतर को परिभाषित कर याची को राहत दी, उसके खिलाफ चल रही आपराधिक कार्रवाई को रद्द कर दिया। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद की रहने वाली एक महिला ने आरोप लगाया, जिस दौरान उसका पति गंभीर रूप से बीमार था, उस दौरान याची श्रेय गुप्ता ने उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए। उसने यह कहकर ऐसा रिश्ता लगातार बनाए रखा। उसके पति की मौत के बाद उससे शादी कर लेगा। महिला के अनुसार, उसके पति की मौत के बाद भी ये रिश्ता जारी रहा, लेकिन याची ने आखिरकार 2017 में दूसरी महिला से सगाई कर ली। याची की इसी वायदा खिलाफी को आधार बनाकर महिला ने इस शख्स पर बलात्कार समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज कराया है। पुलिस ने चार्जशीट दाखिल कर दी है। इसके बाद पुरुष ने हाईकोर्ट में अपील की है, जिसमें हाईकोर्ट ने उसे राहत दे दी है।

नेपाल जा रहे विमान की अमौसी एयरपोर्ट पर लैंडिंग

लखनऊ, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। मौसम की अनिश्चितता के चलते नेपाल के काठमांडू जा रहे श्रीलंकन एयरलाइंस के विमान को उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर आपातकालीन लैंडिंग करनी पड़ी। खराब मौसम की वजह से नेपाल एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) ने विमान को काठमांडू में लैंडिंग की अनुमति नहीं दी, जिसके बाद इसे लखनऊ के अमौसी एयरपोर्ट की ओर डायवर्ट किया गया। ढाई घंटे के इंतजार के बाद मौसम साफ होने पर विमान को फिर से काठमांडू के लिए रवाना किया गया। श्रीलंकन एयरलाइंस की फ्लाइट (यूएल-181) ने श्रीलंका की राजधानी कोलंबो से सुबह 08:19 बजे उड़ान भरी थी और इसे दोपहर में नेपाल के काठमांडू में लैंड करना था। लेकिन जब विमान काठमांडू के आसमान में पहुंचा, तो वहां का मौसम अचानक खराब हो गया, जिसके चलते विमान की लैंडिंग संभव नहीं हो पाई। कई बार हवाई क्षेत्र में चक्कर काटने के बाद, काठमांडू एयर ट्रैफिक कंट्रोल ने सुरक्षा कारणों से विमान को लैंडिंग की अनुमति नहीं दी और उसे लखनऊ के चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर भेज दिया।

अमेठी हत्याकांड पर मायावती ने दिया बयान- दोषियों के साथ ही पुलिसकर्मियों पर भी सख्त कदम उठाए सरकार

दोषियों व वहां के पुलिसकर्मियों के खिलाफ भी सख्त कदम उठाए ताकि अपराधी बेखौफ न रहें।

लखनऊ, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेठी में बृहस्पतिवार को एक शिक्षक व उसके दो बच्चों की हत्या के मामले में बसपा सुप्रीमो मायावती ने भी बयान दिया है। उन्होंने एक्स पर दिए गए अपने बयान में घटना को अति दुखद और चिंताजनक करार दिया है और मांग की है कि सरकार दोषियों के साथ ही पुलिसकर्मियों के खिलाफ भी सख्त कदम उठाए। उन्होंने कहा कि यूपी के अमेठी जिले में एक दलित परिवार के चार लोगों की एक साथ की गयी निर्मम हत्या की घटना अति-दुखद व चिन्ताजनक है। सरकार

शिक्षक के शरीर से मिलीं तीन गोलियां

अमेठी के शिवरतनगंज थाना क्षेत्र में बृहस्पतिवार की रात शिक्षक परिवार की हुई चार लोगों की सामूहिक हत्या के बाद चारों मृतकों का पोस्टमार्टम देर रात हुआ। दो चिकित्सकों के पैनल ने पोस्टमार्टम किया। दोनों बच्चों के पोस्टमार्टम पहले किए गए। उसके बाद शिक्षक और उनकी पत्नी का पोस्टमार्टम हुआ। मौके पर सीओ सिटी व दो थानों की पुलिस मौजूद रही। इसके अलावा इलाके की भारी भीड़ मौजूद रही। बाकी तीन शवों का पोस्टमार्टम हो गया है। शिक्षक का पोस्टमार्टम हो रहा है। शिक्षक को तीन गोलियां लगीं, जबकि दो गोलियां पत्नी को लगी हैं। एक-एक गोली बच्चों से निकाली गईं हैं। कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के साथ शव रायबरेली के लिये रवाना कर दिए गए हैं।

जाति के आधार पर कैदियों में काम का बंटवारा अनुचित

बसपा सुप्रीमो मायावती ने एक अन्य बयान में कहा कि देश की जेलों में भी क्रूर जातिवादी भेदभाव के तहत कैदियों से जातियों के आधार पर उनमें काम का बंटवारा कराने को अनुचित व असंवैधानिक करार देकर इस व्यवस्था में जरूरी बदलाव करने का सुप्रीम कोर्ट के फैसले का भरपूर स्वागत है। उन्होंने कहा कि परमपूज्य बाबा साहेब डा। भीमराव अम्बेडकर के जातिविहीन, मानवतावादी व धर्मपिरपेक्ष संविधान वाले देश में इस प्रकार की जातिवादी व्यवस्था का जारी रहना यह साबित करता है कि सरकारों का रवैया संवैधानिक न होकर लगातार जातिवादी है। अतः मजलूमों के लिए अब सत्ता प्राप्त करना जरूरी है।

'जहरीले बयान।।।' नागा-समांथा केस में कोंडा सुरेखा पर भड़कीं नागार्जुन की पत्नी

राहुल गांधी को लिखा पत्र

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। नागा चैतन्य और समांथा के तलाक पर सियासी टिप्पणी का मामला तूल पकड़ने लगा है। अभिनेता नागार्जुन अक्किनेनी की पत्नी अमला ने इसको लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी को पत्र लिखा है। उन्होंने राहुल गांधी से कहा है कि वह अपनी पार्टी के नेताओं को उनके परिवार पर अपमानजनक टिप्पणी करने से रोकें। इसके साथ ही उन्होंने तेलंगाना के मंत्री कोंडा सुरेखा से माफी मांगने के लिए भी कहा है। गौरतलब है कि कोंडा सुरेखा ने नागा चैतन्य और समांथा के बीच तलाक के लिए बीआरएस नेता केटी रामा राव को जिम्मेदार ठहराया था। इसके बाद उनकी काफी ज्यादा आलोचना हुई है। बता दें कि अमला नागा चैतन्य की सौतेली मां हैं। अमला अक्किनेनी ने बुधवार को अपने इंस्टाग्राम पोस्ट पर कोंडा सुरेखा की टिप्पणी को लेकर भी आपत्ति जताई थी। अमला ने कमेंट में लिखा था कि मुझे हैरानी है कि एक महिला मंत्री शैतानों की तरह से व्यवहार कर रही है। वह झूठे आरोप लगा रही है और राजनीतिक लड़ाई में सभ्य नागरिकों को निशाना बना रही है। अमला ने आगे कहा कि मंत्री महोदया, क्या आप ऐसे लोगों पर भरोसा करती हैं जिनमें जरा सी भी शालीनता नहीं है? क्या आप उनके द्वारा मेरे पति के बारे में बताई गई झूठी कहानियों पर यकीन करती हैं। यह वास्तव में शर्मनाक है। अमला ने कहाकि अपने जहरीले बयानों के लिए कोंडा सुरेखा मेरे परिवार से माफी मांगें। राहुल गांधी को संबोधित करते हुए अमला ने लिखा कि अगर नेता खुद को इतना नीचे गिरा लेंगे और क्रिमिनल्स जैसा व्यवहार करेंगे तो हमारे देश का क्या होगा? उन्होंने आगे लिखा कि राहुल जी, अगर आप इंसानी शालीनता में भरोसा करते हैं, तो कृपया अपनी पार्टी के नेताओं को रोकें। अपने मंत्री को मेरे परिवार से माफी मांगने के साथ अपने जहरीने बयानों को वापस लेने के लिए कहें। इस देश के नागरिकों की रक्षा करें। गौरतलब है समांथा पहले ही कह चुकी हैं नागा से उनका तलाक एक निजी मामला था।

अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में उन्होंने लिखा कि यह हमारी आपसी मर्जी से हुआ था। उन्होंने यह भी जोर दिया था कि इसमें किसी तरह का कोई राजनीतिक षडयंत्र नहीं है। समांथा ने यह भी कहा कि लोग उनके तलाक को लेकर अनुमान न लगाएं। नागार्जुन के बेटे नागा चैतन्य ने अभिनेत्री समांथा से शादी की थी। अक्टूबर 2021 में दोनों ने सोशल मीडिया पर बयान जारी कर तलाक ले लिया था।

एयर इंडिया एक्सप्रेस के विमान में उड़ाने भरते ही उठने लगा धुआं, 148 यात्रियों की अटकी सांसें, मचा हड़कंप

तिरुवनंतपुरम, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। तिरुवनंतपुरम से मस्कट जा रहे एयर इंडिया एक्सप्रेस के विमान को उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद ही वापस रनवे पर उतारना पड़ा। दरअसल, उड़ान भरते ही विमान से धुआं उठना लगा। विमान से उठते धुएं से हड़कंप मच गया। विमान की तुरंत वापस तिरुवनंतपुरम हवाई अड्डे पर इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। इस विमान में सवार 148 यात्रियों की सांस अटक गई। एयर इंडिया के प्रवक्ता के मुताबिक विमान के उड़ान भरते ही धुआं नजर आने लगा। इसके बाद विमान की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। विमान में सवार सभी यात्री और चालक दल के सदस्य सुरक्षित हैं। यात्रियों की आगे की यात्रा के लिए वैकल्पिक इंतजाम किए जा रहे हैं। विमान में किस वजह से धुआं उठा इसकी तकनीकी जांच की जाएगी। एयर इंडिया एक्सप्रेस ने यात्रियों को हुई असुविधा के लिए खेद जताया है।

खाद्य तेल में आत्मनिर्भर: शिवराज बोले- 600 क्लस्टर से तैयार होंगे प्रमाणित बीज,किसानों को फ्री में मिलेंगे

भोपाल, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को भोपाल में प्रेसवार्ता में कहा कि केंद्र सरकार ने दो बड़े फैसले लिए हैं। भारत की कुल खाद्य तेल की आवश्यकता 2022-23 में 29.2 मिलियन टन थी, लेकिन हमारे यहां ऑइल सीड से खाद्य तेल का उत्पादन 12.7 बिलियन ही हो पाता है। बाकी की मांग पूरा करने के लिए हमको विदेशों पर या आयात पर निर्भर रहना पड़ता है। इसको लेकर फैसला किया गया है कि आयात पर निर्भरता खत्म करके हम खाद्य तेलों में कैसे आत्मनिर्भर बने। इसलिए राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन तिहलन बनाया गया है। शिवराज ने कहा कि 10 हजार 103 करोड़ 38 लाख रुपए की लागत से हमारे यहां अभी जो ऑइल सीड्स हैं उनका उत्पादन काफी कम है और इसलिए सरकार उन्नत बीज किसानों को देगी। आईसीएमआर यह बीज बनाएगा। पहले ब्रीडर सीड्स बनाएंगे। उसे फाउंडेशन सीड फिर सरटीफाइड सीड बनाकर किसानों को फ्री में उपलब्ध कराए जाएंगे। पूरे देश में इसके लिए 600 कलस्टर बनाए जाएंगे। 347 जिले के 21 राज्यों में जहां भी ऑइल सीड्स का उत्पादन होता है उन राज्यों को विशेष रूप से लिया गया है, किसानों को इन कलस्टर में फ्री में बीज, उनको ट्रैनिंग, नई टेक्नोलॉजी कैसे खेती करे जिससे ज्यादा उत्पादन हो और वो जो उत्पादित करेंगे उसकी 100 % खरीदी की जाएगी, ऐसी सुविधाएं इस मिशन के अंतर्गत किसानों को दी जाएगी ।

मध्य प्रदेश में मालगाड़ी के टैंकर हुए डिरेल तो बाल्टी-केन लेकर डीजल भरने टूट पड़े लोग

रतलाम, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के रतलाम में भारतीय रेलवे की एक मालगाड़ी के दो डिब्बे पटरी से उतर गए। इसकी वजह डीजल बहकर नीचे गिरने लगा। इसकी जानकारी लगते ही आस-पास के लोग बड़ी संख्या में पहुंच गए। रेलवे पटरी पर डीजल की लूट मच गई। लोग केन और बाल्टियों से भर-भरकर डीजल घर ले जाने लगे। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जानकारी के अनुसार, मुंबई-दिल्ली रेल मार्ग के अप ट्रैक पर आ रही गुड्स ट्रेन बड़ौदा से भोपाल के पास मकानिया डिपो जा रही थी। इस दौरान मालगाड़ी के दो वैगन डिरेल हो गए जिसके चलते आसपास के स्टेशनों पर ट्रेन रोकी गई। देर रात हादसे की खबर लगते ही कलेक्टर समेत तमाम बड़े अधिकारी मौके पर पहुंचे। इंडियन ऑयल डिपो के अधिकारियों को भी बुलाया गया। इस दौरान डीजल टैंक खाली करने के लिए तमाम संसाधनों की व्यवस्था भी की गई। रेलवे पुलिस के जवान वैगन के पास सुरक्षा के लिए तैनात रहे।

डीजल भरने के लिए उमड़ी लोगों की भीड़

जब लोगों को सुबह पता चला कि मालगाड़ी के टैंकर पटरी से उतर गए हैं और उसमें डीजल है और वह नीचे बह रहा है। आसपास के लोग बाल्टी कनस्तर केन लेकर डीजल लूटने में लग गए। सूत्रों के मुताबिक इस दौरान सैकड़ों लीटर डीजल गांव के लोगों ने इकट्ठा कर घर ले गए। सबसे बड़ी बात यह है कि यह सब रेलवे पुलिस की मौजूदगी में हुआ। भीड़ के आगे रेलवे पुलिस बेबस नजर आई।

वीडियो में दिखा हैरान कर देने वाला नजारा

डीजल भरकर ले जाने वालों का जो वीडियो सामने आया है उसमें महिलाएं भी दिख रही हैं। वीडियो में देखा जा सकता है कि रेलवे पुलिस लोगों को मना कर रही है लेकिन लोग मान नहीं रहे हैं और डीजल को भरकर अपने घर ले जा रहे हैं। डीजल रेल पटरी के किनारे नाली में भी बहता दिख रहा है। डीजल लूटने आए लोगों के हाथ में एक नहीं कई बर्तन दिखाई दिए। बताया जा रहा है कि लोग डीजल भरकर कई बार अपने घर पर ले गए। इस संबंध में एक शख्स लोगों का वीडियो भी बनाता दिख रहा है।

मराठी को 'शास्त्रीय भाषा' का दर्जा मिलते ही नेताओं में लगी क्रेडिट लेने की होड़, बीजेपी-कांग्रेस ने क्या कहा

मुंबई, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव से पहले केंद्र सरकार ने मराठी भाषा को शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिया है। केंद्र सरकार के इस फैसले को मराठी वोट बैंक को एकजुट करने के प्रयास के तौर पर देखा जा रहा है। मराठी के साथ-साथ बंगाली, असमिया समेत कुल पांच भाषाओं को शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिया गया। इसी के साथ देश में शास्त्रीय भाषा की कुल संख्या 11 हो गई है। मराठी भाषा को शास्त्रीय भाषा का दर्जा मिलने के बाद नेताओं ने केंद्र सरकार के फैसले का स्वागत किया, लेकिन इसके साथ ही पक्ष और विपक्ष की ओर से यह दावा किया जा रहा है कि मराठी को शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिलवाने की पहल सबसे पहले उनकी ओर से की गई थी। उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने केंद्र सरकार के फैसले का स्वागत करते हुए कहा, करीब एक दशक से यह मांग की जा रही थी कि मराठी को शास्त्रीय भाषा का दर्जा दिया जाए। उन्होंने कहा, जब वो राज्य के मुख्यमंत्री थे तब उन्होंने इस बात की पहल की थी कि मराठी को शास्त्रीय भाषा का दर्जा मिले। साथ ही मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे भी इसके लिए प्रयासरत थे, इसलिए वो केंद्र सरकार के इस फैसले के लिए महाराष्ट्र की 12 करोड़ जनता की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का धन्यवाद करते हैं।

कांग्रेस ने क्या कहा?

वहीं दूसरी ओर महाराष्ट्र कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने केंद्र सरकार के फैसले पर खुशी जताते हुए कहा, कांग्रेस के पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय विलासराव देशमुख ने सबसे पहले केंद्र के सामने यह बात रखी थी कि मराठी भाषा को शास्त्रीय भाषा का दर्जा मिले। उसके बाद पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण ने वरिष्ठ साहित्यकार प्रोफेसर रंगनाथ पठारे के अध्यक्षता में समिति गठित कर इस काम को आगे बढ़ाया। आज कई सालों के बाद हमारा प्रयास सफल हुआ। केंद्र सरकार के फैसले के बाद पक्ष और विपक्ष के नेताओं की ओर से इस प्रकार के ट्वीट से यह साफ जाहिर होता है कि नेता क्रेडिट लेने की होड़ में हैं। बता दें राज्य में साल के आखिर में विधानसभा चुनाव होने की संभावना है। इससे पहले राज्य सरकार और केंद्र सरकार जनता को अपने पक्ष में के लिए हर संभव प्रयास कर रही है।

राशिद बना शंकर तो अनिला बनी दीपाली, बेंगलुरु से 3 और पाकिस्तानी नागरिक गिरफ्तार, कुल संख्या 11 पहुंची

बेंगलुरू, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। बेंगलुरू में तीन और पाकिस्तानी मूल के नागरिक पकड़े गए हैं। ये तीनों अपनी असली पहचान छिपाकर रह रहे थे। इन तीनों की गिरफ्तारी के साथ ही चेन्नई और बेंगलुरु में गिरफ्तार हुए पाकिस्तानी नागरिकों की कुल संख्या 11 हो गई है। हाल ही में बेंगलुरु ग्रामीण पुलिस ने जिगनी इलाके में शंकर शर्मा के नाम से रह रहे पाकिस्तानी नागरिक राशिद अली सिद्दीक सहित 4 लोगों को गिरफ्तार किया था। इनसे की गई पूछताछ के आधार पर पुलिस ने पीणिया इलाके से तीन संदिग्ध पाकिस्तानी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। ये लोग 8 साल पहले अवैध तरीके से भारत में घुसपैठ करके आए थे।

जिगनी पुलिस ने गुरुवार दोपहर को पीणिया इलाके में उनके घर की तलाशी ली। जहां से तारिक सईद, उसकी पत्नी अनिला सईद और 17 साल की बेटी को अरेस्ट किया गया। इन तीनों की मेडिकल जांच करवाई गई, कोर्ट में पेश किया गया और कोर्ट ने पुलिस को जांच के लिए इनकी 10 दिन की कस्टडी दे दी। राज्य पुलिस और केंद्रीय एजेंसियां इस बात की जांच कर रही है कि और कितने लोग अपनी पहचान बदलकर यहां रह रहे हैं। पहले गिरफ्तार हुए राशिद अली सिद्दीक की तरह तारिक सईद के बारे में भी ये बताया गया है कि वो 8 साल पहले परिवार के साथ अवैध तरीके से भारत में दाखिल हुआ। पहले कोच्चि में और बाद में बेंगलुरु में रहकर वो मेहदी फाउंडेशन के यू ट्यूब चैनल के जरिये कल्ट सुफिज्म का प्रचार कर रहा था।

असली पहचान छिपाई, बन गए हिंदू

पुलिस सूत्रों के मुताबिक बेंगलुरु में तारिक सईद हिन्दू बनकर सनी चौहान के नाम से रह रहा था जबकि उसकी पत्नी अनिला सईद दीपाली चौहान के नाम पर रह रही थी, उनकी 17 साल की बेटी भी हिन्दू बनकर बेंगलुरु में पढ़ाई कर रही है। पुलिस और केंद्रीय खुफिया एजेंसियों की अब तक की पूछताछ में ये बात पुख्ता हुई है कि मेहदी फाउंडेशन जिसके लिए आरोपी धार्मिक प्रचार का काम कर रहे थे, उन्हीं के लोगों ने भारत में आरोपियों को घर दिलाया और आर्थिक तौर पर हर तरीके से मदद की। अब एजेंसियां इस बात की जांच कर रही है कि पाकिस्तानी नागरिकों को अवैध तरीके से भारत लाने में मेहदी फाउंडेशन की कोई भूमिका तो नहीं है?

सोमनाथ मंदिर के पास चला बुलडोजर

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- हमारे आदेश की अवमानना हुई होगी तो अधिकारी को जेल भेज देंगे

अहमदाबाद, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने बुलडोजर एक्शन के खिलाफ दायर एक याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि अगर अदालत के आदेश की अवमानना हुई तो संबंधित अधिकारी को जेल भेज दिया जाएगा। सुनवाई के दौरान यह भी कहा गया कि अगर बुलडोजर एक्शन गलत पाया जाता है तो सरकार को ही उसे दोबारा बनवाना होगा। मामला गुजरात के सोमनाथ मंदिर से जुड़ा है। यहां मंदिर के आसपास कथित अवैध निर्माण पर हाल ही में बुलडोजर एक्शन हुआ था। कथित अवैध निर्माण को गिराए जाने के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अवमानना याचिका दाखिल की गई है। यह याचिका पाटनी मुस्लिम जमात ने दाखिल की है। इसी याचिका पर पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। इस मामले पर अगली सुनवाई 16 अक्टूबर को होगी।

कोर्ट ने क्या कहा?

याचिका पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर हमारे आदेश की अवमानना हुई होगी तो हम उसे पुनर्स्थापित करने का आदेश देंगे और जिम्मेदार अधिकारी को जेल भी भेजेंगे। सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि ये सरकार की जमीन है। इस पर कार्रवाई का काम 2023 से चल रहा था। बुलडोजर एक्शन को लेकर सुप्रीम कोर्ट साफ कर चुका है कि सिर्फ आरोपी होने पर किसी का घर गिरा देना उचित नहीं है। कोर्ट ने यह भी कहा था कि दोषी होने पर भी घर नहीं गिराया जा सकता है। हालांकि, घर गिराने की अधिकतर कार्रवाई नगर निगम करता है। नगर निगम अपने दायरे में रहकर उन्हीं आरोपियों के घर गिराता है, जिन्होंने घर बनाते समय नियमों का पालन नहीं किया होता है। ऐसे में सॉलीसिटर जनरल ने पहले भी सरकार के बचाव में कहा था कि नियमों के तहत ही सरकारें कार्रवाई कर रही हैं।

रेलवे स्टेशन के बाहर से किडनैप कर महिला का किया गैंगरेप, आरोपी फरार

मुंबई, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में महिलाओं के खिलाफ अपराध लगातार बढ़ रहे हैं। ताजा मामला मुंबई का है। मुंबई में छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनल रेलवे स्टेशन के परिसर के पास 29 साल की महिला के साथ गैंगरेप का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार, 22 सितंबर की रात पीड़िता को दो अज्ञात लोगों ने जबरजस्ती टैक्सी स्टैंड के पास ले गए और महिला को धमका कर रेप किया। पीड़िता ने मामले की शिकायत रेलवे पुलिस को दी है। जानकारी के अनुसार, 22 सितंबर की रात पीड़ित महिला सीएसएमटी स्टेशन के बाहर अकेली थी। दो अज्ञात व्यक्ति वहां आये। उनमें से एक ने महिला का मुंह पकड़ लिया। महिला ने शिकायत में कहा है कि सीएसएमटी स्टेशन के बाहर टैक्सी स्टैंड के पीछे दोनों ने धमकाया और उसके साथ बारी-बारी से गैंगरेप किया।

गोपाल राय ने की बायो डीकंपोजर के छिड़काव की शुरुआत

वायु प्रदूषण रोकने के लिए केंद्र से की ये अपील

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली सरकार ने वायु प्रदूषण नियंत्रित करने के मकसद से राष्ट्रीय राजधानी में आज से पराली को निशुल्क गलाने का काम शुरू कर दिया। आतिशी कैबिनेट में पर्यावरण मंत्री गोपाल राय इस अभियान की शुरुआत करते हुए कहा कि पराली गलाने के लिए दिल्ली के किसानों को निःशुल्क बायो-डिकंपोजर मुहैया कराए जाएंगे। ताकि प्रदूषण पर काबू पाना संभव हो सके। मंत्री गोपाल राय ने केंद्र सरकार से अनुरोध किया है कि वो जल्द ही प्रदूषण को लेकर दिल्ली पड़ोसी राज्यों के मंत्रियों की बैठक बुलाए। बैठक में पराली जलाने के वैकल्पिक उपायों पर विचार करने और प्रदूषण नियंत्रण पर चर्चा कर गाइडलाइंस जारी करें। इस बैठक में पड़ोसी राज्यों के पर्यावरण और कृषि मंत्री को भी बुलाया जाए। साथ ही केंद्र सरकार पड़ोसी राज्यों में पराली गलाने की व्यवस्था करे। दिल्ली आम आदमी पार्टी के प्रभारी और पर्यावरण मंत्री गोपाल राय के मुताबिक, आज नरेला के पल्ला गांव से पराली को सड़ाने (गलाने) की प्रक्रिया शुरू की गई है। सरकार ने पूरी दिल्ली में 5000 एकड़ जमीन पर बायो-डीकंपोजर के छिड़काव की मुफ्त व्यवस्था की है। उन्होंने दिल्ली के किसानों से इसका लाभ उठाने की भी अपील की।

अफगान हैंडलर्स से जुड़े दो नशा तस्कर गिरफ्तार

चंडीगढ़, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। एसएएस नगर पुलिस ने एक अंतरराष्ट्रीय ड्रग सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया है और दो लोगों सुखदीप सिंह और कृष्ण को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने डेढ़ किलो हेरोइन जब्त की गई और दिल्ली में स्थित अफगान हैंडलर्स का पर्दाफाश किया गया, जो अंतरराष्ट्रीय ड्रग कार्टेल से जुड़े थे। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि गिरफ्तार सुखदीप सिंह पहले 2020 में अपहरण के एक मामले में शामिल था और मई 2024 से जमानत पर बाहर था। दोनों आधी आस्तीन वाली जैकेट में हेरोइन छिपाकर वाहनों में तस्करी करते थे।

पुणे में निर्भया कांड जैसी घटना

दोस्तों को कपड़े से बांधा फिर लड़की के साथ किया गैंगरेप

पुणे, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पुणे में दिल्ली के निर्भया कांड जैसा मामला सामने आया है। यहां दोस्तों के साथ घूम रही एक लड़की के साथ तीन युवकों ने गैंगरेप किया। आरोपियों ने पहले लड़की के दोस्तों को पीटा और कपड़े से बांध दिया फिर 21 साल की लड़की के साथ दुष्कर्म किया। घटना रात 11 बजे की है। सुनसान जगह और अंधेरे का फायदा उठाकर आरोपियों ने वारदात को अंजाम दिया। घटना के बाद पीड़ित सुबह पांच बजे पुलिस के पास पहुंचे और कोडंवा पुलिस स्टेशन में अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। आरोपियों को पकड़ने के लिए कुल 10 टीम बनाई गई हैं।

पुणे सिटी पुलिस के संयुक्त सीपी रंजन कुमार शर्मा ने कहा, कल रात 21 वर्षीय महिला अपने दोस्तों के साथ बोपदेव घाट गई थी। जब वह दोस्तों के साथ थी, तब तीन अज्ञात लोग उनके पास आए और उन्हें पीटा। बाद में उन्होंने महिला के साथ सामूहिक बलात्कार किया। हमें आज सुबह करीब 5 बजे यह सूचना मिली। आरोपियों की तलाश के लिए विशेष टीमें तैनात की गई हैं। आरोपियों ने लड़की के साथ बलात्कार करते समय उसके दोस्तों को कपड़े से बांध दिया था। लड़की अस्पताल में है, उसका इलाज चल रहा है। वह होश में है। हम लड़की का बयान लेने की प्रक्रिया में हैं। आरोपियों की तलाश के लिए 10 से अधिक टीमें तैनात की गई हैं।

गरबे में वीडियो बना रहे थे दो युवकों को बजरंगियों ने पकड़ा

इंदौर, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। इंदौर के रावजी बाजार क्षेत्र के गरबा पांडाल से बजरंग दल की एक टोली ने दो युवकों को गरबा कर रही युवतियों के वीडियो शूट करते हुए पकड़ा। दोनो पांडाल में खड़े होकर देर तक वीडियो बना रहे थे। वहां खड़े बजरंग दल कार्यकर्ता सर्तक हुए और उन्हें वीडियो बनाने से रोका। दोनों के नाम पूछे तो एक युवक ने अपना नाम नाम वैभव और दूसरे ने अनुज बताया। जब उनसे आधार कार्ड मांगा गया तो पता चला कि उनके नाम तामीर और रिहान है। इसके बाद दोनो को पुलिस के हवाले कर दिया गया। दोनो के खिलाफ प्रतिबंधात्मक धाराएं लगाई गई। बजरंग दल की अलग-अलग टोलियां बनी है जो शहर में हो रहे गरबा स्थलों पर तैनात है और गरबा करने वालों व देखने वालो पर निगरानी रख रही है, ताकि लव जेहाद के मामलों को रोका जा सके। इसी कड़ी में रावजी बाजार क्षेत्र के गाड़ी अड्डा में चल रहे गरबों के पांडाल में दो युवक टोली को दिखे, जो वीडियो बना रहे थे। पहले बजरंग दल पदाधिकारियों ने उनके वीडियो डिलीट कराए। फिर उनकी जानकारी निकाली।

'हरियाणा में बीजेपी लगाएगी हैट्रिक', अशोक तंवर और राहुल गांधी पर क्या बोले शाहनवाज हुसैन?

इंदौर, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। पहुंचे बीजेपी नेता शाहनवाज हुसैन ने दावा किया कि हरियाणा में बीजेपी जीत की हैट्रिक लगायेगी। उन्होंने कांग्रेस के दिग्गज नेता राहुल और प्रियंका गांधी पर भी निशाना साधा। बीजेपी नेता कहा कि हरियाणा चुनाव में दोनों नेता फेल हो गये। शाहनवाज हुसैन ने आरोप लगाया कि विदेश की धरती पर राहुल गांधी राजनीति की सारी मर्यादा तोड़ देते हैं। उन्होंने राहुल गांधी के जलेबी वाले बयान पर भी तंज कसा। चुनाव प्रचार के आखिरी दिन अशोक तंवर ने घर वापसी की। उन्होंने बीजेपी को झटका देते हुए कांग्रेस में शामिल होने का ऐलान किया। शाहनवाज हुसैन ने कहा कि अशोक तंवर बीजेपी की जीती हुई सीट हार गये थे। बीजेपी ने सुनीता दुग्गल का टिकट काटकर अशोक तंवर को दिया था। सुनीता दुग्गल के मैदान में उतरने से बीजेपी को जीत मिलती। उन्होंने कहा कि अशोक तंवर का मन भटकता है। कल तक बीजेपी का प्रचार कर रहे थे। शाम को कांग्रेस की गोद में बैठ गए। हरियाणा में किसान और जाट की नाराजगी के सवाल पर बीजेपी नेता ने कांग्रेस को आड़े हाथ लिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने हरियाणा को बांटने की कोशिश की।

गरबा पंडाल में आधार कार्ड से एंट्री पर क्या बोले शाहनवाज हुसैन?

सारी बिरादरियां बीजेपी के साथ हैं। महाराष्ट्र में गौ माता को राज्य माता का दर्जा दिये जाने पर बीजेपी नेता ने बधाई दी। लेकिन बिहार के सवाल पर बचते नजर आए। कर्नाटक सरकार में शामिल स्वास्थ्य मंत्री के बयान पर शाहनवाज हुसैन ने तीखी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि सावरकर को बदनाम करने की कांग्रेसी कोशिश ना करें। वीर सावरकर को अपमानित करने का अधिकार कांग्रेसियों को नहीं है। गरबा पंडाल में आधार कार्ड से एंट्री के फैसले को उन्होंने सराहा। बीजेपी नेता ने कहा कि आयोजकों के फैसले पर किसी को आपत्ति नहीं होनी चाहिए। अरविंद केजरीवाल ने कल मुख्यमंत्री आवास छोड़ने का ऐलान किया। बीजेपी नेता ने चुटकी लेते हुए कहा कि जेल से बेल पर बाहर आये अरविंद केजरीवाल को शीश महल छोड़ने का दुख होगा। शीश महल के बिना नींद कैसे आयेगी।

रतलाम में काजी ने निकाला तुर्की फरमान, 'नवरात्रि के गरबे में न जाएं मुस्लिम युवक-युवतियां'

रतलाम, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। नवरात्रि पर्व के साथ ही प्रदेश भर में गरबों के आयोजनों का सिलसिला भी शुरू हो गया है। गरबा आयोजन को लेकर बीते एक महीने से चर्चाओं का दौर जारी है। कहीं गौ-मूत्र छिडक़ाव की बात कही गई तो कहीं तिलक लगाकर पंडाल में प्रवेश की बात कही जा रही है। इन सभी के बीच मध्य प्रदेश के रतलाम शहर काजी ने मुस्लिम समाज के युवक-युवतियों के लिए एक फरमान जारी किया है जो चर्चा का विषय बन गई है। शहर काजी ने मुस्लिम युवक-युवतियों से कहा कि वह गरबा में न जाएं। दरअसल, रतलाम शहर काजी मौलवी सैय्यद अली साहब ने एहम गुजारिश पत्र में लिखा है कि मुस्लिम युवक और युवतियां गरबे में न जाएं। पत्र में स्पष्ट रूप से कहा गया, तमाम रतलाम की मुस्लिम आवाम से पुरखुलूस गुजारिश है कि मुस्लिम नौजवान, मुस्लिम मा, और इस उम्मत की बाहया बेटिया नवरात्री पर्व पर न ही मेले में जाए और न ही गरबा देखने जाएं।

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 5 अक्टूबर- 2024

कोकेन का इंटरनेशनल रैकेट

दिल्ली पुलिस के स्पेशल सेल ने 562 किलो कोकेन की जो खेप पकड़ी है वह अब तक की सबसे बड़ी कामयाबी मानी जा रही है। पकडी गई कोकेन की कीमत 6.5 हजार करोड़ रुपये बताई जा रही है। पकडी गई कोकेन से साबित हो गया है कि देश में इंटरनेशनल कार्टेल ने अपने तंत्र को कितनी मजबूती से जमा रखा है। बताया जा रहा है कि इनके निशाने पर दिल्ली, मुंबई और गोवा के म्यूजिक कंसर्ट थे। पकडी गई कोकेन की खेप एक बडी कामयाबी तो है लेकिन यह एक बडी चिंता का सबब भी माना जाने लगा है। इससे पता चलता है कि इंटरनैशनल नेटवर्किंग के जरिए यह जहर न केवल भारत में लाया जा रहा है बल्कि इसे समाज के अलग-अलग हिस्सों में काफी लोगों तक पहुंचाया भी जा रहा है। इतनी बडी जब्ती ने देश का ध्यान अपनी ओर खींचा है। 6.5 हजार करोड़ रुपये मूल्य की यह खेप दिल्ली में अब तक पकड़ी गई कोकेन की सबसे बड़ी है। देखा जाए तो यह हाल के दिनों की इकलौती जब्ती नहीं है। कुछ समय पहले ही दिल्ली एयरपोर्ट पर 6 किलो ग्रेड ए कोकेन बरामद की गई थी। 2022 में मुंद्रा पोर्ट पर 500 करोड़ रुपये की 56 किलो कोकेन बरामद हुई थी। 2021 में तमिलनाडु के तूतीकोरिन पोर्ट पर 300 किलो कोकेन पकड़ी गई थी, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 2000 करोड़ रुपये आंकी गई थी। ऐसे में सवाल है कि इतनी बडी कोकेन की खेप आखिर देश में कैसे और कहां से आती है। जाहिर है देश में कोकेन पहुंचाने का काम बहुत ही आसानी से चल रहा है। बुधवार को दिल्ली पुलिस की कार्रवाई से सामने आए तथ्य भी बताते हैं कि कोकेन का इंटरनेशनल कार्टेल सुनियोजित ढंग से भारत में कोकेन पहुंचा रहा है। इसका पूरा तंत्र बहुत ही सुगठित और मजबूत बना हुआ है, जो बेरोक-टोक अपना काम आसानी से कर रहा है। प्लानिंग, कम्युनिकेशन, डिलिवरी और पेमेंट- सबका पूरा सिस्टम बने इतना बडा काम होना संभव नहीं है। आशंका व्यक्त की जा रही है कि ये कोकेन दिल्ली, मुंबई और गोवा में अगले कुछ महीनों में होने वाले म्यूजिक कंसर्ट को ध्यान में रखते हुए लाई गई थी। नशे के इन सौदागरों की नजर में ये कंसर्ट ड्रग्स की खपत बढ़ाने का जरिया हैं। बहरहाल, दिल्ली पुलिस इस मामले के अंतरराष्ट्रीय पहलुओं को ध्यान में रखते हुए आगे कदम बढ़ा रही है। जगजाहिर है कि कोकेन कारोबार ग्लोबल नेटवर्किंग के जरिए ही फलता-फूलता है। इसे तैयार करने वाले कोका प्लांट मुख्यतया तीन लैटिन अमेरिकी देशों- पेरू, बोलीविया और कोलंबिया में हैं। वहां से शिपमेंट के जरिए लंबे-चौड़े समुद्री मार्ग से इसे दुनिया भर में भेजा जाता है। दिल्ली में पकड़ी गई ताजा खेप भी पनामा रूट से इथियोपिया और दुबई होते हुए दिल्ली भेजी गई थी। इसमें कोई दो राय नहीं कि इस मामले में पुलिस की तत्परता और कार्यशैली की जितनी भी तारीफ की जाए वह कम है, लेकिन ड्रग्स की गंभीर चुनौती से निपटने के लिए यह काफी नहीं माना जाना चाहिए। इसके प्रॉडक्शन और डिमांड को खत्म किए बगैर सप्लाई के फ्लो को पूरी तरह रोकना संभव नहीं है। इसको नेस्तनाबूत करने के लिए सरकार के साथ ही समाज को भी मिल-जुलकर एक लंबी लड़ाई के लिए तैयार होना पडेगा, तभी इस पर काबू पाया जा सकता है।

गड्ढों से विकास की ओर

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

हमारे सड़क मंत्री साहब कहते हैं कि भारतीय सड़कें तेजी से प्रगति कर रही हैं। बात बिल्कुल सही है। सड़कों की प्रगति तो मानो रुकती ही नहीं। ये सड़कें मुम्बई से दिल्ली तक प्रगति करती हुई जाती हैं और फिर दिल्ली से मुम्बई तक लौट आती हैं। अब बीच में कहीं गड्ढे आ जाएं, ट्रैफिक जाम लग जाए, या सड़क खुदाई हो जाए – यह तो छोटी-मोटी बातें हैं। आखिर, प्रगति की राह में थोड़ी रुकावटें तो आनी ही हैं। अरे, जब देश की प्रगति में रोड़े अटकते हैं, तो यह तो बस बेचारी सड़कें हैं। देखिए, हम भारतीयों में एक आदत है—हर सफर से पहले बोलते हैं, ईश्वर आपकी यात्रा सफल करें। अब भला यह रोजमर्रा की बात में भगवान को क्यों घसीटते हैं? कारण साफ है: सड़क के बिना आपका है ही कौन? वही तो एकमात्र है, जिसके नाम पर आप जगह भी पा जाते हैं और सफर भी कर लेते हैं। जब सड़कों का आविष्कार नहीं हुआ था, तब यात्राएं कष्टदायक थीं। और आज, जब सड़कें बन चुकी हैं, तो यात्राएं **अब भी** कष्टदायक हैं। क्या कमाल है! हमने प्रगति की है, पर अपना इतिहास नहीं छोड़ा। उस समय भी दुर्दशा थी, आज भी है। ये सड़कें विदेशी तकनीक से बनी हैं, लेकिन इन्हें न हमारे नसीब बदलने की फुर्सत है, न हमारे चरित्र। भारतीय सड़कें हमें यह सिखाती हैं कि बड़े आराम की मंजिलें, छोटे-छोटे कष्टों से पार होती हैं। मान लीजिए आप शादी के लिए ससुराल जा रहे हैं। महीने भर पहले बुकिंग कराई है, और घंटों पहले आप बस स्टैंड पर पहुंच गए। आपको लगा, आज तो सफर सुकून भरा होगा। लेकिन जैसे ही बस चलने लगती है, आपको पता चलता है कि सड़क पर जाम है। अब बस रेंग रही है, और आपका ससुराल दूर-दूर तक नजर नहीं आ रहा। लेकिन याद रखिए, ससुराल का बड़ा आराम, छोटे-छोटे कष्टों से ही पार होता है। यही तो प्रगति है! इसी तरह, बड़ी पीड़ा के सामने छोटी पीड़ाएँ नगण्य होती हैं। मान लीजिए, आपके पिता जी का निधन हो गया। (मुझे माफ करें, मैं बस एक उदाहरण दे रहा हूँ। भगवान उनकी लंबी उम्र करें, अगर वो पहले ही न चले गए हों)। आपको खबर मिलती है, और आप तुरंत अपने गांव जाने के लिए सड़क पर उतर जाते हैं। सड़क के गड्ढे, धक्के, धूल—सबकुछ सह लेते हैं, क्योंकि बड़े दुख के आगे यह छोटी तकलीफें कौन देखता है? अब एक और उदाहरण लें—एक कुंवारे लड़के को उसके दोस्त से खबर मिलती है कि वो लड़की, जिससे उसकी शादी तय हो रही है, होशंगाबाद में अपने मामा के घर आई है। बिना सोचे-समझे, वो बिना बुकिंग के ही बस में चढ़ जाता है। वही भीड़, धक्का-मुक्की, पसीना और गालियां—सबकुछ सहता है। क्यों? क्योंकि शादी करनी है! बड़ी मुसीबत के सामने छोटी परेशानियां तो यूँ ही गायब हो जाती हैं। भारतीय सड़कें हमें बहुत कुछ सिखाती हैं। हमारे प्राचीन ऋषि-मुनियों ने कहा था, "आखिरी यात्रा में आदमी खाली हाथ जाता है।" लेकिन भारतीय सड़कें चाहती हैं कि हम जीते-जी इस स्थिति को पा लें। जितना कम सामान, उतना ज्यादा आराम। और अगर सामान ज्यादा ले लिया, तो सड़क पर इसे रखने की जगह कहां मिलेगी? अब टिकट की बात करते हैं। टिकट सिर्फ एक छोटा सा टुकड़ा होता है, पर ये उस बोझ की याद दिलाता है, जिसे हमें ढोना है। जैसे लोकल बसों में सफर करने वाले लोग सोचते हैं—"काश! हम सिर्फ आत्मा होते, तो कितनी आसानी से सफर करते।
" भारतीय सड़कें हमें मृत्यु का दर्शन समझाती हैं।

दिल्ली की दुर्दशा पर केजरीवाल की राजनीति

राजेश कुमार पासी

केजरीवाल आजकल दिल्ली में घूम-घूम कर सड़को का जायजा ले रहे हैं और उनको ठीक कराने की बात बोल रहे हैं। अजीब बात यह है कि उन्होंने 26 सिंतबर को आतिशी मार्लेना को दिल्ली की मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलवाई और दूसरे दिन ही उन्हें लेकर सड़को का निरीक्षण करने चल पड़े । इसके लिए उन्होंने दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी मार्लेना को पत्र भी लिखा है । मुख्यमंत्री आतिशी ने उस पत्र को मीडिया में दिखाते हुए कहा है कि दीवाली से पहले दिल्ली की सड़कों को ठीक कर दिया जाएगा । केजरीवाल का कहना है कि उनके जेल जाने से पहले दिल्ली की सड़कें बिल्कुल ठीक थी लेकिन उनके जेल जाने के बाद सड़कें जर्जर हालत में पहुंच गई हैं । वो इसके लिए भाजपा को जिम्मेदार मानते हैं क्योंकि उसने ही उन्हें जेल में डाल दिया था ताकि दिल्ली के काम रुक जाए । ये एक अलग तरह की राजनीति चल रही है क्योंकि जिस पार्टी की सरकार पिछले दस सालों से दिल्ली में शासन कर रही है, उसी पार्टी का मुखिया और 6 महीने पहले तक नौ साल तक मुख्यमंत्री रहा नेता दिल्ली की दुर्दशा का रोना रो रहा है। सवाल उठता है कि जो व्यक्ति पिछले नौ सालों से लगातार सत्ता में रहा है, उसे अचानक अपने घोटालों की वजह से जेल जाना पड़ा तो उसके राज्य की ऐसी हालत कैसे हो गयी । सवाल यह भी उठता है कि यही व्यक्ति जेल से सरकार चलाने की जिद्द पकड़ कर बैठा हुआ था और मुख्यमंत्री के पद से इस्तीफा नहीं दे रहा था तो क्या वो मानता है कि वो जेल से सरकार नहीं चला सका। दूसरी बात यह है कि केजरीवाल ही जेल में गए थे लेकिन उनके सभी मंत्री जेल से बाहर थे और वो सरकार भी चला रहे थे तो क्या उनकी अनुपस्थिति में इन मंत्रियों ने बिल्कुल काम नहीं किया। केजरीवाल ने जिस आतिशी मार्लेना को मुख्यमंत्री बनाया है, वो लगातार दावा कर रही थी कि उनके नेता केजरीवाल जेल से लगातार निर्देश दे रहे हैं और उनके निर्देशों के अनुसार दिल्ली की जनता के सारे काम किये जा रहे हैं। जेल में रहने के बावजूद आम आदमी पार्टी के नेता दावा कर रहे थे कि दिल्ली के बेटे केजरीवाल को दिल्ली की बहुत चिंता है और दिल्ली सरकार उनके आदेशों का पालन कर रही है। जब तक केजरीवाल जेल में थे उन्होंने इस्तीफा नहीं दिया लेकिन जेल से बाहर आते ही इस्तीफे की घोषणा कर दी । जब केजरीवाल जेल से सरकार चला सकते थे तो उन्हें जेल से बाहर आकर सरकार चलाने में क्या परेशानी थी । वास्तव में केजरीवाल के बिना दिल्ली सरकार के सारे कामकाज रुके हुए थे लेकिन आम आदमी पार्टी द्वारा दावा किया जा रहा था कि सरकार पूरा काम कर रही है। केजरीवाल इसलिये इस्तीफा नहीं दे रहे थे क्योंकि वो किसी को मुख्यमंत्री पद पर बिठाना नहीं चाहते थे। उन्हें डर था कि उनके जेल में रहने के कारण जो भी नेता मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठेगा, वो सरकार और पार्टी पर कब्जा कर सकता है। केजरीवाल को पता नहीं था कि वो कब जेल से बाहर निकलेंगे इसलिए उन्होंने किसी को भी मुख्यमंत्री नहीं बनाया । उनकी अनुपस्थिति में उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल पार्टी और सरकार दोनों को चला रही थी लेकिन केजरीवाल ने उन्हें भी मुख्यमंत्री नहीं बनाया क्योंकि वो वंशवाद का आरोप नहीं लगवाना चाहते थे । जब वो जेल से बाहर आये तो सुप्रीम कोर्ट की शर्तों के अनुसार वो मंत्रिमंडल की बैठक नहीं बुला सकते थे और इसके कारण कोई बड़ा फैसला नहीं हो सकता था। चुनाव को देखते हुए केजरीवाल कुछ फैसले लेना चाहते हैं इसलिये उन्होंने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देकर आतिशी को मुख्यमंत्री बना दिया है। बेशक आतिशी मुख्यमंत्री बन गई हैं लेकिन सरकार केजरीवाल ही चला रहे हैं और पार्टी तो उनके कब्जे में ही है। कल्पना करिए कि अगर केजरीवाल जेल में होते तो क्या तब आतिशी पार्टी और सरकार पर हावी नहीं हो सकती थी। केजरीवाल ने त्याग भी कर दिया और त्याग से सब कुछ हासिल भी कर लिया। आतिशी मुख्यमंत्री की कुर्सी पर नहीं बैठ रही हैं क्योंकि वो उस कुर्सी को केजरीवाल की कुर्सी मानती हैं और कहती हैं कि वो सिर्फ केजरीवाल के आने तक काम कर रही हैं । आतिशी कठपुतली से भी बदतर हालत में है. 2025 के चुनाव के बाद केजरीवाल का मुख्यमंत्री बनना तय है. अगर सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के कारण यह संभव नहीं हो सका तो उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल ही मुख्यमंत्री बनेंगी। आतिशी जानती हैं कि वो सिर्फ कुछ महीनों के लिए कुर्सी पर हैं । उन्होंने खुद ही घोषणा कर दी है कि वो ऐसे शासन करेंगी जैसे भरत ने खड़ाऊ रखकर शासन किया था । अब सवाल उठता है कि जो विपक्ष दिन-रात सविंधान का रोना रोता है और सविंधान को सिर पर उठाकर घूमता है, उसे बताना चाहिए कि बाबा साहब अम्बेडकर के सविंधान में कहां लिखा है कि मुख्यमंत्री पद किसी की निजी जागीर बन जायेगा। उस पर खड़ाऊ रखकर शासन किया जाएगा। न तो सविंधान में ऐसा कहीं लिखा है और न ही लोकतंत्र में ऐसा होता है, ये सिर्फ राजतंत्र में संभव है। मनमोहन सिंह भी एक डमी प्रधानमंत्री थे लेकिन उन्होंने सार्वजनिक रूप से कभी खुद को डमी प्रधानमंत्री नहीं माना और न ही सोनिया गांधी ने कभी सार्वजनिक रूप से उनका ऐसा अपमान किया जिससे लगे कि वो डमी प्रधानमंत्री हैं । जब केजरीवाल आतिशी को साथ लेकर सड़को का निरीक्षण कर रहे थे तो वो उनके पीछे-पीछे ऐसे चल रही थी जैसे उनकी कोई मातहत कर्मचारी हों । केजरीवाल मीडिया से बात कर रहे थे और वो चुपचाप पीछे खड़ी थी। जिन सड़को का निरीक्षण किया गया है और उनकी बुरी हालत है उनका ठेका दिया जा चुका है और उनको ठीक करने का काम शुरू होने वाला है। देखा जाए तो केजरीवाल यह दिखाना चाहते हैं कि असली मुख्यमंत्री वो ही हैं और उनके कहने से ही सब कुछ हो रहा है। केजरीवाल ही सभी अधिकारियों को निर्देश दे रहे थे और आतिशी चुपचाप पीछे खड़ी सब देख रही थीं। अधिकारियों की टीम भी केजरीवाल से ही सारे निर्देश ले रही थी। देखा जाए तो ये पूरी तरह से सविंधान और मुख्यमंत्री के सवैंधानिक पद का अपमान है। केजरीवाल सविंधान और कानून का सरेआम मजाक बना रहे हैं। केजरीवाल एक राष्ट्रीय पार्टी के अध्यक्ष होने के आधार पर सरकारी बंगला मांग रहे हैं जबकि ऐसा कोई कानून नहीं है कि किसी को सिर्फ पार्टी अध्यक्ष होने के आधार पर सरकारी बंगला दे दिया जाए। उन्होंने इसके लिए बाकायदा धरना प्रदर्शन किया है । सिर्फ परंपरा के आधार पर उन्हें बंगला दिया जा सकता है लेकिन वो सत्ताधारी पार्टी की दया पर निर्भर करता है। वो अब अपने सांसदो से बंगला खाली करवा कर उसमें जाना चाहते हैं जो कि कानून के अनुसार गलत होगा । बहाना यह बनाया जा रहा है कि बंगले में कोई नहीं रहता है इसलिए केजरीवाल उसमे जा रहे हैं। सवाल यह है कि जब बंगले की जरूरत नहीं थी तो सांसदों ने क्यों बंगले लिए और ले लिए तो खाली रखने की जगह सरकार को वापिस करने चाहिए थे । सरकारी नियम कहते हैं कि जिसे बंगला दिया जाता है वही उसमे रह सकता है । अगर वो किसी दूसरे व्यक्ति को अपना सरकारी निवास देता है तो उनके खिलाफ कार्यवाही होती है और सरकारी निवास वापिस करना पड़ता है। केजरीवाल जानबूझ कर कानून का उल्लघंन कर रहे हैं ताकि मोदी सरकार कोई कार्यवाही करे और उन्हें विक्टिम कार्ड खेलने का मौका मिल सके । मनीष सिसोदिया को भी एक सांसद का बंगला खाली करवाकर दे दिया गया है। दिल्ली की दुर्दशा करके केजरीवाल जिम्मेदारी अपने ही मंत्रियो पर डालना चाहते हैं और दिखाना चाहते हैं कि सरकार सिर्फ वो ही चला सकते हैं। उनके जेल जाने के कारण दिल्ली की दुर्दशा हो गई है। उन्हें याद नहीं है कि वो जेल से सरकार चला रहे थे तो सारी जिम्मेदारी उनकी ही बनती है।

विश्व-युद्ध की पृष्ठभूमि में इजरायल, हमास लेबनान ईरान

संजीव ठाकुर

अंतर्राष्ट्रीय न्यूज़ एजेंसी के अनुसार वैश्विक युद्ध की भूमिका वैसे तो इसराइल और फिलिस्तीन युद्ध ने पहले से ही रख दी थी हिजबुल्ला लड़ाको ने इजराइल फिलिस्तीन हमास युद्ध के बीच कूद कर युद्ध में आग में घी का काम किया है। इसके अलावा लेबनान ने इस युद्ध में अपने को शामिल अपनी आहुति दे दी। इसराइल ने जिस तरह लेबनान में छिपे हिजबुल्ला के आतंकवादियों को चुन चुन कर निशाना बनाया और उसमें कमांडर नसरूल्लाह की हत्या ने पूरे ईरान और शिया समुदाय को हिलाकर आक्रोशित कर दिया है। ईरान ने इसे अपना प्रतिष्ठा का प्रश्न बनकर लगभग 300 टारगेटेड मिसाइल इसराइल पर दाग कर विश्व युद्ध की भूमिका तैयार कर दी है। यह अलग बात है कि इजरायल अब अमेरिका के नियंत्रण से बाहर हो गया अमेरिका और यूरोपीय देश अपनी प्रतिबद्धता के कारण इसराइल को समर्थन दे रहे हैं। अब इसराइल बेलगाम होकर ईरान लेबनान और हमास के आतंकवादियों पर खुलकर हमला कर उन्हें नेस्तनाबूत करने पर उतारू है । इसराइल के इस युद्ध में अरबो रुपए खर्च हो चुके हैं उधर ईरान ने भी लगभग 30 करोड़ की मिसाइल से अपना हमला कर इरादे साफ कर दिए हैं कि अब ईरान भी रुकने वाला नहीं है। इन सब युद्ध की गतिविधियों से विश्वयुद्ध की संभावनाएं बढ़ गई है और विश्व युद्ध वर्तमान की मानवीय सभ्यता के लिए एक गतिहीन अवरोध बन गया है। उधर अरबपति अमेरिकी निवेशक जॉर्ज सोरस ने दावोस में अपने वार्षिक प्रतिवेदन में कहा है कि दुनिया को इस युद्ध को जल्द से जल्द समाप्त करने का प्रयास करना चाहिए और इसमें पूरे संसाधन झोंक देने चाहिए। वैसे भी रूस यूक्रेन युद्ध को दो साल से ज्यादा हो चुके हैं और युद्ध रोकने के जितने भी प्रयास है असफल हो चुके हैं वैश्विक सभ्यता को संरक्षित, पल्लवित करने के लिए सर्वश्रेष्ठ और संभवत एकमात्र तरीका रूस-यूक्रेन और इजरायल हमास, फिलिस्तीन, लेबनान और ईरान युद्ध को हर संभव तरीके से रोकना होगा होगा। यह हमला तीसरे विश्वयुद्ध की शुरुआत कर सकता है और हमारी सभ्यता इसे झेल नहीं पाएगी और तहस-नहस हो जाएगी। दावा किया गया है कि पुतिन ने शी जिनपिंग को पहले से ही बता दिया था और दोनों नेताओं की मुलाकात भी हुई थी दोनों ने एक लंबा बयान जारी कर घोषणा की थी कि उन दोनों के बीच संबंधों की और सहयोग की कोई सीमा नहीं है। पुतिन ने सी जिनपिंग को यूक्रेन के विरुद्ध विशेष सैन्य अभियान की जानकारी भी दे दी थी। तब शी जिनपिंग ने पुतिन से ओलंपिक खेलों के होते तक सैन्य अभियान रोकने की बात कही थी। इसी बीच रूस के एक राजदूत ने इस्तीफा देकर पुतिन की इस कार्रवाई का खुलकर विरोध किया था और युद्ध में मारे गए सैनिकों के परिवार ने भी रूस में अपना विरोध दर्ज किया है। पुतिन को अपनी गलतियों का अब धीरे-धीरे एहसास हो रहा है जब यूक्रेन में रहने वाले रूसी भाषा के नागरिकों ने यूक्रेन पर हमले की घोर निंदा की है जबकि पुतिन को उनके समर्थन आशा थी जबकि ऐसा कुछ हुआ नहीं। पुतिन को अब यह एहसास हो गया है कि उन्होंने यूक्रेन पर आक्रमण करके एक बड़ी गलती की है।

अब वह संघर्ष विराम के लिए पृष्ठभूमि तैयार करने में लगे हैं जो वर्तमान संदर्भों में संभव नहीं है। क्योंकि विश्व समुदाय का रूस पर भरोसा खत्म हो चुका है। अब या तो पुतिन अपनी हार छुपाने के लिए चाइना की मदद विश्व युद्ध करेंगे या फिर अपनी हार स्वीकार कर अपने पद से इस्तीफा देकर पलायन कर जाएंगे।

रूस यूक्रेन युद्ध मैं आज तक कुल मिलाकर 30 लाख करोड़ों रुपए खर्च हो चुके हैं और युद्ध खत्म होने की कोई संभावना नजर नहीं आ रही है। अमेरिका सहित नैटो देश के सदस्य और अन्य यूरोपीय सदस्य लगातार यूक्रेन की आर्थिक तथा सामरिक मदद करते आ रहे हैं और इस स्थिति में रूस ही कमजोर नजर आ रहा है क्योंकि रूस के तमाम कमांडर और सैनिकों का मनोबल अब लगातार गिरते जा रहा है, इसके पश्चात रूस के नागरिक भी इस युद्ध के अंदरूनी खिलाफ है जबकि यूक्रेन के नागरिक उसी हौसले और उत्साह के साथ अपने नेता जेलेंस्की के साथ खड़े हुए हैं।

अब स्थिति यह है कि यूक्रेन के पास ना तो पैसे की कमी है ना ही हथियारों की,वह लगातार रूसी सैनिकों तथा कमांडरों का जमकर विरोध कर रहा है। ये अलग बात है कि मारियोपोल मैं इमारतों के मलबे के निकालने के पश्चात अलग-अलग जगह से चार पांच सौ दबे हुए शव को निकाला गया है। जिससे वहां जनता के बीच हाहाकार मच गया है। इस युद्ध की विभीषिका से यूक्रेन के लगभग एक करोड़ नागरिक यूक्रेन छोड़कर पोलैंड एवं अन्य देशों में शरण लेकर शरणार्थियों की तरह जीवन यापन कर रहे हैं। यूरोपीय देश इन शरणार्थियों को अच्छी सुविधाएं देने के लिए कृत संकल्प हैं और उन्हें किसी भी तरह की कठिनाइयों का सामना नहीं करना पड़ रहा है।वैश्विक राजनीति में चीन और रूस सर्वथा अलग-थलग पड़ गए हैं। ताजा स्थिति के अनुसार अमेरिका ऑस्ट्रेलिया जापान और भारत में टोक्यो सम्मेलन में चीन के बढ़ते औपनिवेशिक वाद के खतरे को भांपते हुए प्रशांत महासागर एवं तीन पेसिफिक क्षेत्र में सैन्य अभ्यास के लिए गठजोड़ कर लिया है। इसी तरह चीन के व्यापारिक फायदों को नुकसान पहुंचाने हेतु अमेरिका ने 13 देशों का एक आर्थिक समूह तैयार कर चीन को वैश्विक राजनीति और आर्थिक योजनाओं से अलग अलग कर दिया है। चीन अब क्वाड सम्मेलन को अपना विरोधी बताकर लद्दाख में अपनी सैन्य तैयारियां भारत के विरुद्ध बढ़ाने में लग गया है। 13 देशों के आर्थिक समुदाय ने भी चीन को एक खुला संदेश देकर चुनौती दे दी है।

उल्लेखनीय है कि अमेरिका तथा चीन के विरुद्ध आर्थिक क्षेत्र तथा सामरिक क्षेत्र में खुली प्रतिस्पर्धा मैदान में आ गई है।अमेरिका वैसे भी पूर्व से ही रूस का विरोधी रहा है अब अमेरिका चीन तथा रूसी गठबंधन को आने वाले समय के लिए एक बड़ा खतरा मानते पूरे विश्व को इन दोनों के खिलाफ खड़ा करने का प्रयास कर रहा है।

वैश्विक शांति और सभ्यता को नष्ट होने से बचाने के लिए इन दोनों देशों पर नियंत्रण अत्यंत आवश्यक भी है।

दवा कंपनियों पर कार्रवाई से गुरेज क्यों !

कुमार कृष्णन

दवा के नाम पर इंसानी जिन्दगी के साथ लगातार खिलबाड़ किया जा रहा है। हालिया उदाहरण है कि बुखार, दर्द, उच्च रक्तचाप, मधुमेह आदि से मुक्ति दिलाने का दावा करने वाली 53 दवाइयां जांच में गुणवत्ता के मानकों पर खरी नहीं उतरी हैं। परीक्षण में असफल होने वाली दवाओं में रक्तचाप यानी ब्लड प्रेशर,शर्करा यानी डायबिटीज, एसिड रिफलक्स और विटामिन की दवाइयां भी शामिल हैं। इसके अलावा केंद्रीय औषधि नियामक ने जिन दवाओं को गुणवत्ता के मानकों के अनुकुल नहीं बताया हैं उसमें बुखार उतारने वाली पैरासिटामोल/,दर्द निवारक डिक्लोफेनेक,एंटीफंगल मेडिसिन फ्लुकोनाजोल जैसी देश की कई बड़ी दवा कंपनियों की दवाएं भी शामिल हैं। इन 53 दवाओं में से परीक्षण में नाकाम की सूची में अभी केवल 48 दवाओं का ही नाम सामने आया है क्योंकि इसमें से पांच दवाइयां जो मानक फेल हुई हैं, उनकी निर्माता कंपनी का कहना है कि ये दवाएं उनकी नहीं है बल्कि उनके नाम से नकली दवा को बाजार में बेचा जा रहा है। जो दवाएं फेल की गई हैं उनमें सनफार्मा द्वारा निर्मित पैन्टोसिड टैबलेट भी है जिसका इस्तेमाल प्रायः एसिडिटी रोकथाम के लिए किया जाता है। टेस्ट में फेल हो गई ये सभी दवाओं को सेवन को सेहत के लिए नुकसानदायक भी बताया गया है। अजीवोगरीब विडंबना है कि काफी समय से सरकारों की नाक के नीचे ये दवाइयां धड़ल्ले से बिकती रही हैं। केंद्रीय औषधि नियामक के इस परीक्षण ने लोगों के स्वास्थ्य की चिंता को और बढ़ा दिया है क्योंकि एक तरफ दवाएं मानकों पर खरी नहीं उतरी हैं और दूसरी तरफ नकली दवाओं के बाजार में आने की भी खबर है। जांच तो केवल पांच दवाओं का नाम सामने आया है, हो सकता है नकली दवाओं के इस खतरनाक कारोबार में और दवाओं को भी बेचा जा रहा हो। स्वास्थ्य मंत्रालय नकली और परीक्षण में फेल होने वाली दवाओं की बिक्री और इन दवाओं को बनाने वालों पर कितनी सख्त कार्रवाई करेगा, इस बारे में अभी कुछ कहा नहीं जा सकता. यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा। फिलहाल स्वास्थ्य मंत्री जे पी नड्डा दोहरी जवाबदेही निभा रहे हैं। वे भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का दायित्व भी निभा रहे हैं, उन पर भाजपा के सदस्यता अभियान को सफल बनाने का जिम्मा है। हालांकि तीन दिन पहले आयुष्मान भारत 'प्रधानमंत्री जन-आरोग्य योजना के छह बरस पूरे होने पर नड्डा ने नरेन्द्र मोदी की इस पहल की तारीफ करते हुए कहा था कि यह योजना दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य सेवा पहलों में से एक बन गई है। यह सभी नागरिकों, विशेष रूप से सबसे कमजोर लोगों के लिए समान स्वास्थ्य सेवा पहुंच प्रदान करने के लिए इस सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। केंद्रीय औषधि नियामक के दवाओं के परीक्षण और उसके नतीजे से यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है वर्ना सेहत सुधारने के नाम पर नकली और असफल दवाओं का सेवन लोगों को और बीमार बना ही रहा था। चिंता की बात यह है कि असफल दवाओं में कई ऐसी दवाएं हैं, जिनका इस्तेमाल सबसे अधिक होता है। आम लोगों के मन में सवाल बाकी है कि यदि ये दवाएं मानकों पर खरी नहीं उतरती तो इनके नकारात्मक प्रभाव किस हद तक हमारी सेहत के साथ खिलबाड़ करते हैं। जो लोग घटिया दवाइयां बेच रहे थे क्या उनके खिलाफ कोई कार्रवाई की पहल भी हुई है? फिलहाल इस बाबत कोई जानकारी आधिकारिक रूप से सामने नहीं आई है। निस्संदेह, यह शर्मनाक है और तंत्र की विफलता को उजागर करता है कि शारीरिक कष्टों से मुक्त होने के लिये लोग जो दवाएं खरीदते हैं, वे घटिया हैं? बहुत संभव है ऐसी घटिया दवाओं के नकारात्मक प्रभाव भी सामने आते हों। महत्वपूर्ण पहलू यह है कि देश में करीब 220 मिलियन लोग हाई ब्लड प्रेशर से पीड़ित हैं, इसी तरह 2021 में डायबिटीज मरीजों की संख्या 529 मिलियन थी। करोड़ों लोग एसीडिटी रोकने की और विटामिन्स की दवाएं लेते हैं।

इन सबके स्वास्थ्य पर इन दवाओं का कितना विपरीत असर हुआ होगा, यह सहज ही अनुमान लगाया जा सकता है। इस पर गंभीर शोध-अनुसंधान की जरूरत है। विडंबना तो यह है कि ताकतवर और धनाढ्य वर्ग द्वारा संचालित इन दवा कंपनियों पर राज्य सरकारें भी जल्दी हाथ डालने से गुरेज करती हैं लेकिन कीमत आम लोगों को ही चुकानी पड़ती है।दुर्भाग्यपूर्ण है कि मानवीय मूल्यों के स्तर में इतनी गिरावट आई है कि लोग अपने मुनाफे के लिये दुखी मरीजों के जीवन से खिलवाड़ करने से भी नहीं चूक रहे हैं। इससे उन तमाम मरीजों की सुरक्षा संबंधी चिंताएं बढ़ गयी हैं जो इन दवाओं का इस्तेमाल कर रहे थे। केंद्रीय औषधि नियामक ने 53 दवाओं के मरीजों के लिये नुकसानदायक होने की आशंका में इन दवाइयों के उत्पादन,वितरण व उपयोग पर रोक लगा दी गई थी। सरकार ने यह फैसला दवा टेक्निकल एडवाइजरी बोर्ड की सिफारिश पर लिया था जिसका मानना था कि इन दवाओं में शामिल अवयवों की चिकित्सकीय गुणवत्ता संदिग्ध है। दरअसल, एक ही गोली को कई दवाओं से मिलाकर बनाने को फिक्स्ड डोज कॉम्बिनेशन ड्रग्स यानी एफडीसी कहा जाता है।

कबीर से मीटिंग

विवेक रंजन श्रीवास्तव

कबीर पीएचडी करने की वस्तु है, कबीर सम्मान देने के काम आता है, कबीर गर्व करने का विषय है। वह भाषण देने और निबंध लिखने के काम का भी है। हमने कबीर को प्रश्न पूछने, उत्तर देने और नम्बर बटोरने का टापिक मात्र बना छोड़ा है। नये अन्वेषण हो रहे हैं। अब कबीर वोट का एटीएम भी बन चुका है। कबीरा खड़ा बाजार में माँगे, सबकी खैर पर खैर मांगने से निर्भया को, आसिफा को,दामिनी को खैर मिल जाती तो क्या बात थी। कोलकाता हो, दिल्ली हो, बंगलौर हो, मुम्बई हो, ट्रेन हो, उबर हो, ओला हो, हवाई जहाज हो, शापिंग माल हो, हर कहीं जंगली कुत्ते तितलियों के पर नोंचने पर आमादा दिखते हैं। हर दुर्घटना के बाद कैंडल मार्च निकाल कर हम अपना दायित्व पूरा कर लेते हैं जिसे जिस तरह मौका मिलता है वह अपनी सुविधा से अपनी पब्लिसिटी की रोटी सेंक लेता है। जिससे और कुछ नहीं बनता, वह ट्वीट करके, संवेदना दिखाकर फिर से खुद में मशगूल हो जाता है। जिसके ट्वीटर पर एकाउंट नहीं हैं वे भी व्हाट्सअप पर इसकी उसकी किसी न किसी की कविता को हरिवंशराय बच्चन की, जयशंकर प्रसाद या अमृता प्रीतम की रचना बताकर कम से कम पोस्ट फारवर्ड करने का सामाजिक दायित्व तो निभा ही लेता है पर स्त्री के प्रति समाज के मन में सम्मान का भाव कौन बोयेगा, यह यक्ष प्रश्न अनुत्तरित ही रह जाता है।

खैर मांगने से किसना के इंजीनियर बेटे को नौकरी मिल जाती तो क्या बात थी। खैर मांगने से मेरे रामभरोसे को जीवन यापन की न्यूनतम सुविधायें मिल जातीं तो क्या बात थी. और तो और, खैर मांगने से उनको वोट ही मिल जाते तो क्या बात होती। वोट के लिये भी किसी को गरीबी हटाओ के नारे देने पड़े, किसी को फुल पेज विज्ञापन देना पड़ा कि हम सुनहरे कल की ओर बढ़ रहे हैं, किसी को फील गुड का अहसास टी वी के जरिये करवाना पड़ा तो किसी को पंद्रह लाख का प्रलोभन देना पड़ा। अच्छे दिन आने वाले हैं, यह सपना दिखाना पड़ा। सलमान की तरह शर्ट भले ही न उतारनी पड़ी हो पर सीने का नाप तो बताना ही पड़ा, चाय पर चर्चा करनी पड़ी तो खटिये पर चौपाल लगानी पड़ी। वोट तक इतनी मशक्कत के बाद मिलते हैं, खैर मांगने से नहीं। दरअसल अबकी बार जब कबीर से मेरी मीटिंग होगी तो मुझे उन्हें बतलाना है कि बिन मांगे मोती मिले, मांगे मिले न भीख। जब बताने वालों ने प्रधानमंत्री जी तक को भी यह बतला दिया कि मगहर में कबीर, गुरु नानक देव और बाबा गोरखनाथ की मीटिंग होती थी तो यदि मैं कबीर से मीटिंग करूं तो भला किसी को क्या आपत्ति होनी चाहिये ? वैसे सच तो यह है कि हम कबीर से एकांत में मीटिंग ही तो नहीं करते। जिस दिन कबीर से हम अलग अलग अकेले में गुफ्तगूं करने लगेंगे, सबको हर व्यंग्यकार में कबीर नजर आने लगेगा। जिस दिन हर बंदा कबीर के एक दोहे को भी चरित्र में उतार लेगा, उस दिन कबीर अप्रासंगिक हो जायेंगे पर हम फकीर कबीर पर डाक्टरेट करके अमीर तो बनना चाहते हैं किन्तु कबीर से मीटिंग नहीं करना चाहते क्योंकि मीटिंग में तो कबीर अपने विचारों के साथ हमें जिंदा मिलेगा,वह हमें टांट मारेगा।

बेहद-चमत्कारी है माँ मुंडेश्वरी का मंदिर

मरने के बाद फिर जिंदा हो जाते हैं जीव

भारत एक आस्था प्रधान देश है, जहाँ धार्मिक विश्वास और परंपराएँ गहरे रचनात्मक इतिहास में जड़ी हुई हैं। यहां ईश्वर, देवी-देवताओं, और उनके चमत्कारों में विश्वास रखने वालों की संख्या करोड़ों में है। भारतीय संस्कृति में आस्था केवल एक व्यक्तिगत विश्वास नहीं है, बल्कि यह समाज के विभिन्न पहलुओं से जुड़ी हुई है। विशेष रूप से, भक्तों के पास अपनी आस्था के समर्थन में अनेक तर्क और अनुभव होते हैं, जिन्हें विज्ञान भी चुनौती नहीं दे पाता। इन चमत्कारी स्थलों में से एक है बिहार के कैमूर में स्थित माता मुंडेश्वरी देवी का मंदिर।

चमत्कारी मंदिर का परिचय

माता मुंडेश्वरी देवी का मंदिर बिहार के कैमूर जिले में स्थित है, जो कैमूर की पहाड़ियों पर लगभग 600 फीट की ऊँचाई पर स्थित है। यह मंदिर भारतीय उपमहाद्वीप के प्राचीन मंदिरों में से एक है, जो न केवल अपनी धार्मिक महत्ता के लिए बल्कि अपनी अद्भुत परंपराओं के लिए भी प्रसिद्ध है। पूरे भारत में इस मंदिर की मान्यता है, और यहाँ आने वाले भक्तों का विश्वास है कि यहां जो भी मन्नत मांगी जाती है, वह अवश्य पूरी होती है।

बलि की अनोखी प्रथा

इस मंदिर में बलि देने की एक अनोखी परंपरा है, जो इसे अन्य मंदिरों से अलग बनाती है। भक्त जब यहां बलि के लिए कोई जीव लाते हैं, तो पुजारी उसे देवी के समक्ष ले जाकर कुछ अक्षत (चावल के दाने) उस जीव पर फेंकते हैं। जैसे ही ये अक्षत जीव पर गिरते हैं, वह तुरंत मूर्छित हो जाता है और गिर जाता है। ऐसा प्रतीत होता है जैसे उसकी जान चली गई हो। परंतु, यह केवल एक धार्मिक रिवाज है। पूजा समाप्त होने के बाद, वह जीव अचानक उठ खड़ा होता है और आराम से अपने पैरों पर चलकर मंदिर से बाहर चला जाता है। यह दृश्य भक्तों में एक विशेष श्रद्धा और विश्वास को जागृत करता है, और यही इस मंदिर की विशेषता है।

मंदिर की पौराणिक कथा

मंदिर की पौराणिक कथा भी इसकी महत्ता को बढ़ाती है। कहा जाता है कि इस स्थान पर माता ने चण्ड-मुण्ड नामक असुरों का वध किया था। इस महाकाव्य की कहानी इस मंदिर को न केवल धार्मिक बल्कि ऐतिहासिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण बनाती है। देवी के प्रति श्रद्धा और विश्वास के कारण, भक्त यहां अपने दुखों का समाधान और सुख-समृद्धि की कामना करते हैं।

भगवान शिव का पंचमुखी शिवलिंग

मंदिर की एक और चमत्कारी विशेषता यहां स्थित भगवान शिव का पंचमुखी शिवलिंग है। यह शिवलिंग दिन में तीन बार रंग बदलता है, जो भक्तों के लिए एक अद्भुत अनुभव है। इस घटना को देखने के लिए दूर-दूर से लोग यहां आते हैं, और यह भक्तों के लिए एक आस्था का प्रतीक बन गया है। भक्त मानते हैं कि शिवलिंग का रंग बदलना किसी विशेष संकेत या आशीर्वाद का प्रतीक होता है।

भक्तों की अनोखी मान्यता

मंदिर में आने वाले भक्त अपनी मन्नतों के लिए जानवरों की बलि देने के अलावा, कई अन्य तरीकों से अपनी श्रद्धा व्यक्त करते हैं। वे अपने प्रियजनों के लिए कल्याण और स्वास्थ्य की कामना करते हैं, और मंदिर परिसर में विभिन्न प्रकार के भेंट चढ़ाते हैं, जैसे कि फूल, फल, और अन्य खाद्य पदार्थ। इस प्रकार, यह मंदिर न केवल आस्था का केंद्र है, बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक आदान-प्रदान का भी स्थल है। माता मुंडेश्वरी देवी का मंदिर बिहार के कैमूर में एक अद्भुत धार्मिक स्थल है, जहाँ श्रद्धा, विश्वास, और चमत्कारों का मिलन होता है। यह न केवल भारतीय संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है, बल्कि यह उन अनगिनत कहानियों और मान्यताओं का भी प्रतीक है, जो भारत की विविधता और आस्था को दर्शाती हैं। यहां आने वाले भक्त न केवल अपनी मन्नतें पूरी करने आते हैं, बल्कि एक अद्भुत अनुभव और चमत्कारों की अनुभूति के लिए भी आते हैं। इस प्रकार, यह मंदिर भारत की धार्मिकता और आस्था का अद्वितीय प्रतीक बना हुआ है।

माता जी का ऐसा मंदिर जहां मां खुद देती हैं भक्तों को प्रसाद

मध्य प्रदेश के निवाड़ी जिले में स्थित अछरू माता मंदिर भक्तों के लिए एक प्रमुख आस्था का केंद्र है, जहां हजारों श्रद्धालु प्रतिदिन अपनी मनोकामनाएं पूरी करने की प्रार्थना लेकर आते हैं। यह मंदिर निवाड़ी जिले के पृथ्वीपुर तहसील क्षेत्र के ग्राम पंचायत मडिया में स्थित है और यहां मां अछरू माता को विशेष रूप से चमत्कारी देवी माना जाता है। मान्यता है कि यहां माता कुंड के माध्यम से भक्तों को आशीर्वाद देती हैं और उनकी इच्छाओं को पूर्ण करती हैं।

माता रानी का चमत्कारी दरबार

यह मंदिर अपनी चमत्कारी शक्तियों के लिए प्रसिद्ध है। लोगों का विश्वास है कि अछरू माता हर भक्त की प्रार्थना सुनती हैं और उन्हें मनोकामनाएं पूर्ण होने का आशीर्वाद देती हैं। यहां आने वाले भक्तों की मान्यता है कि मां न केवल उनके प्रश्नों का उत्तर देती हैं, बल्कि यह भी बता देती हैं कि उनका कार्य सफल होगा या नहीं। यह मंदिर विशेष रूप से इसलिए अनोखा है क्योंकि मां यहां भक्तों से संवाद करती हैं। भक्त मां से अपनी फरियाद करते हैं, और माता उनके सवालों का उत्तर देकर उन्हें मार्गदर्शन प्रदान करती हैं।

मनोकामना पूर्ण होने से पहले मिलता है प्रसाद

अछरू माता मंदिर की एक और विशेषता यह है कि यहां भक्तों को उनकी मनोकामना पूर्ण होने से पहले ही प्रसाद मिल जाता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जो भी भक्त माता से अपनी इच्छा की पूर्ति की प्रार्थना करता है, उसे नींबू, दाख, गरी, फूल, जलेबी, दही और चिरौंजी जैसे प्रसाद प्राप्त होते हैं। यह प्रसाद मां द्वारा भक्तों की मनोकामना के आधार पर दिया जाता है। कहा जाता है कि जिनकी इच्छाएं पूरी होने वाली होती हैं, उन्हें विशेष प्रकार का प्रसाद मिलता है, जो इस बात का संकेत होता है कि उनकी प्रार्थना स्वीकार हो चुकी है।

अछरू माता के प्राकट्य की अद्भुत कथा

अछरू माता के मंदिर की स्थापना और उनकी कहानी अत्यंत रहस्यमयी और रोमांचक है। लगभग 500 साल पहले, यादव जाति के एक चरवाहे, जिसका नाम अछरू था, की भैंसें जंगल में गुम हो गई थीं। वह कई दिनों तक अपनी भैंसों की तलाश करता रहा, लेकिन उन्हें खोज नहीं पाया। प्यास से व्याकुल होकर वह एक वृक्ष की छाया में बैठ गया। तभी माता रानी ने कुंड से प्रकट होकर उसे दर्शन दिए और उसे कुंड से जल पीने को कहा। माता ने उसे उसकी खोई हुई भैंसों की जानकारी दी और मार्गदर्शन दिया कि वह कहां उन्हें पाएगा। चरवाहे ने जब कुंड से पानी पिया और अपनी लाठी कुंड में डाली, तो वह लाठी कुंड के भीतर चली गई। बाद में जब वह माता द्वारा बताई गई जगह पहुंचा, तो उसे न केवल उसकी भैंसें मिलीं, बल्कि वह लाठी भी उसी स्थान पर मिली। इस घटना ने अछरू को स्तब्ध कर दिया और उसने माता की पूजा आरंभ कर दी। धीरे-धीरे यह बात फैल गई और लोग इस स्थान पर अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए आने लगे।

मंदिर का चमत्कारी कुंड

मंदिर की पहाड़ी पर स्थित चमत्कारी कुंड भी एक बड़ा आकर्षण है। इस कुंड की खास बात यह है कि यह सदैव पानी से भरा रहता है, भले ही बुंदेलखंड क्षेत्र में सूखा पड़ा हो। यहां तक कि जब इस क्षेत्र में पानी की कमी हो जाती है, तब भी कुंड का जल कभी कम नहीं होता। यह कुंड भक्तों के लिए अत्यंत पवित्र माना जाता है और लोग यहां से जल ग्रहण करके इसे अपनी समस्याओं के समाधान के रूप में देखते हैं। कई लोग इस कुंड के पानी का स्रोत जानने की कोशिश कर चुके हैं, लेकिन आज तक कोई इसे समझ नहीं पाया है।

सती के आंसू से जुड़ी मान्यता

इस स्थान से जुड़ी एक और मान्यता यह है कि जब दक्ष प्रजापति ने अपने यज्ञ में भगवान शिव का अपमान किया था, तो माता पार्वती का अपमान देखकर उनके आंसू गिरे थे। यह वह स्थान है जहां उनके आंसू पृथ्वी पर गिरे थे। इस कारण इस स्थान को पृथ्वी का मध्य स्थल माना जाता है और यह स्थान अत्यधिक पवित्र माना जाता है।

नवरात्रि तीसरा दिन

माता चंद्रघंटा

रंग : चमकीला पीला

मां दुर्गा के दिव्य तेज से प्रकट होने से देवी चंद्रघंटा का रूप सैकड़ों सूर्य के समान चमक रहा था। इसी कारण से चमकीले पीले रंग वाली चंद्रघंटा की पूजा की जाती है।

नवरात्रि का तीसरा दिन माता चंद्रघंटा को समर्पित है। इनके मस्तक पर घंटे के आकार का अर्धचंद्र है, इसी कारण इन्हें चंद्रघंटा देवी कहा जाता है। यह शक्ति माता का शिवदूती स्वरूप है।

स्वरूप

देवी के इस चंद्रघंटा स्वरूप का वाहन सिंह है। इनके दस हाथ माने गए हैं और यह खड्ग आदि विभिन्न अस्त्र और शस्त्र से सुसज्जित हैं।

महत्व

असुरों के साथ युद्ध में देवी चंद्रघंटा ने घंटे की टंकार से असुरों का नाश कर दिया था। नवरात्रि के तृतीय दिन इनका पूजन किया जाता है। इनके पूजन से साधक को तीसरे मणिपुर चक्र के जाग्रत होने वाली सिद्धियां स्वतः प्राप्त हो जाती हैं। सांसारिक कष्टों से मुक्ति मिलती है। इससे स्पष्टता, आत्मविश्वास और सही निर्णय लेने की योग्यता जैसे मणियों सरीखे गुण प्राप्त होते हैं।

॥स्तुति मंत्र॥

पिंडजप्रवरारूढा, चंडकोपास्त्रकैर्युता।
प्रसादं तनुते मह्यं, चंद्रघंटेति विश्रुता।।

(श्रेष्ठ सिंह पर सवार और चंडकादि अस्त्र-शस्त्र से युक्त मां चंद्रघंटा मुझ पर अपनी कृपा करें।)

भोग: दूध या दूध से बनी मिठाई अथवा खीर का भोग लगाएं। इससे दु:खों से मुक्ति और परम आनंद की प्राप्ति होती है।

नवरात्रि पर जरूर करें पान से जुड़े ये 4 टोटके

सुख-शांति और बुरी नजर से बचने के उपाय

घर में सुख-शांति बनाए रखने और नकारात्मक ऊर्जा या बुरी नजर से बचने के लिए नवरात्रि के नौ दिनों में पान के पत्ते का एक विशेष उपाय किया जा सकता है। हर दिन पान के पत्ते पर केसर रखें और मां दुर्गा स्तोत्र या मां दुर्गा की नामावली का पाठ करें। यह उपाय न केवल घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ाता है, बल्कि परिवार के बीच प्रेम, शांति और सामंजस्य भी लाता है। इसके अलावा, यह उपाय घर में चल रहे तनाव और झगड़ों को समाप्त करने में भी सहायक होता है। ऐसा माना जाता है कि इस उपाय से देवी मां की कृपा से नकारात्मक शक्तियों का नाश होता है और घर में सौहार्दपूर्ण वातावरण बनता है।

आर्थिक तंगी दूर करने के उपाय

यदि कोई व्यक्ति आर्थिक तंगी का सामना कर रहा हो, तो नवरात्रि के दौरान पान के पत्ते का एक विशेष उपाय किया जा सकता है। नौ दिनों तक रोजाना पान के पत्ते पर गुलाब का फूल रखकर मां दुर्गा को अर्पित करें। नवमी पूजन के बाद इन पत्तों को एक साफ नदी में प्रवाहित कर दें। यह माना जाता है कि इस उपाय से आर्थिक समस्याएं समाप्त होती हैं, और व्यक्ति के जीवन में सुख-समृद्धि आती है। धन से जुड़ी कठिनाइयां दूर होती हैं और जीवन में आर्थिक स्थिरता प्राप्त होती है। साथ ही, मां दुर्गा का आशीर्वाद प्राप्त होता है, जिससे व्यक्ति के जीवन में आने वाली कठिनाइयों का अंत होता है।

संतान सुख के लिए उपाय

संतान सुख की प्राप्ति के लिए नवरात्रि का समय अत्यधिक शुभ माना जाता है। विशेष रूप से, नवरात्रि के पांचवें दिन मां स्कंदमाता की पूजा की जाती है, जो संतान प्राप्ति और उनके सुखमय जीवन के लिए विशेष रूप से पूजनीय हैं। इस दिन मां स्कंदमाता को 9 पान के पत्ते अर्पित करें और साथ ही 9 सुहागिन स्त्रियों को सुहाग की सामग्री भेंट स्वरूप दें। ऐसा करने से मां का आशीर्वाद प्राप्त होता है, जिससे संतान सुख की प्राप्ति होती है। इसके अलावा, यह उपाय वैवाहिक जीवन में भी सुख-शांति लाता है और दांपत्य जीवन को मधुर बनाता है।

नवरात्रि का यह विशेष समय देवी मां की कृपा पाने के लिए अत्यंत शुभ होता है। इन नौ दिनों में किए गए धार्मिक अनुष्ठान और पान के पत्ते से जुड़े उपाय व्यक्ति के जीवन में समृद्धि, शांति और आशीर्वाद का मार्ग प्रशस्त करते हैं।

'किसी भी कलाकर का नाम राजनीतिक लाभ के लिए न लें' : रकुल प्रीत सिंह

तेलंगाना की मंत्री कोंडा सुरेखा ने हाल ही में समांथा रुथ प्रभु समेत कई अभिनेत्रियों को लेकर दिए बयान में पर सोशल मीडिया जवाब दिया है। कोंडा सुरेखा के समांथा और नागा चैतन्य के तलाक के मुद्दे पर दिए बयान पर रकुल प्रीत सिंह की प्रतिक्रिया आई है। रकुल ने अपना जवाब देने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया है। उन्होंने कहा है कि मेरा, समंथा और कुछ अन्य अभिनेत्रियों के नाम का इस्तेमाल राजनीतिक मामलों में न लें।

रकुल प्रीत सिंह ने कही ये बात

रकुल प्रीत सिंह ने सोशल मीडिया पर इस मामले का जवाब दिया। उन्होंने कहा, 'तेलुगू फिल्म इंडस्ट्री पूरी दुनिया में अपनी क्रिएटिविटी और प्रोफेशनलिज्म के लिए जानी जाती है। मेरी इस इंडस्ट्री में बहुत अच्छी यात्रा रही है। मैं अभी भी तेलुगु सिनेमा से जुड़ी हुई हूं। मेरा किसी भी व्यक्ति/राजनीतिक दल से कोई लेना-देना नहीं है। मैं निवेदन करती हूं कि राजनीतिक लाभ के लिए मेरे नाम का गलत तरीके से इस्तेमाल करना बंद करें। कलाकारों को राजनीतिक झगड़ों और विवादों से दूर रखा जाना चाहिए। उनके नाम का इस्तेमाल काल्पनिक कहानियों से जोड़कर राजनीतिक लाभ के लिए नहीं करें'।

कोंडा सुरेखा ने दिया ये बयान

दरअसल, एक बयान में कोंडा सुरेखा ने कहा बीआरएस नेता केटीआर पर ड्रग से जुड़ी पार्टियों में शामिल होने का आरोप लगाया और दावा किया कि नागा चैतन्य और समांथा रुथ प्रभु के तलाक के लिए वह जिम्मेदार है।न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक, सुरेखा ने आरोप लगाया कि केटीआर अभिनेत्रियों के फोन टैप करते थे और उन्हें ब्लैकमेल करते थे। मंत्री ने कहा, 'यह केटी रामा राव ही हैं जिनकी वजह से अभिनेत्री सामंथा का तलाक हुआ... वह उस समय मंत्री थे और अभिनेत्रियों के फोन टैप करते थे और फिर उन्हें ब्लैकमेल करने के लिए उनकी कमजोरियां ढूंढते थे... वह उन्हें ड्रग एडिक्ट बनाते थे और फिर ऐसा करते थे... यह सब जानते हैं, सामंथा, नागा चैतन्य , उनका परिवार... सब जानते हैं कि ऐसा कुछ हुआ था।'

'द केरल स्टोरी' की आलोचनाओं पर अदा ने कहा- जब हम फिल्म कर रहे थे, तब नहीं लगा हम कुछ पॉलिटिकल कर रहे हैं

अदा शर्मा को उनकी फिल्म 'द केरल स्टोरी' की वजह से काफी चर्चा मिली है। सुदीप्तो सेन द्वारा निर्देशित और विपुल अमृतलाल शाह द्वारा निर्मित ये फिल्म काफी विवादों में भी रही थी। फिल्म में योगिता बिहानी, सोनिया बलानी और सिद्धि इदनानी सहित कई बेहतरीन कलाकार भी नजर आए थे। हाल में ही अदा शर्मा कॉमेडियन भारती सिंह के पॉडकास्ट पर नजर आई हैं। इस बातचीत के दौरान उन्होंने फिल्म निर्माण के दौरान आने वाली कठिनाईयों के बारे में खुलकर बात की है।

'द केरल स्टोरी' को मिली आलोचनाओं पर बोलीं अदा

अभिनेत्री ने बातचीत के दौरान बताया कि फिल्म को किस तरह रिलीज से पहले ही आलोचनाओं का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा कि फिल्म का कोई प्रीमियर भी नहीं हुआ और इससे जुड़े कई इंटरव्यू भी अंतिम समय में रद्द कर दिए गए। अभिनेत्री ने आगे बताया कि फिल्म के प्रचार पर भी काफी प्रतिबंध लगाया गया, जिसके अंतर्गत कई क्षेत्रों में होर्डिंग और पोस्टर तक लगाने की अनुमति नहीं दी गई थी। हालांकि, तमाम प्रतिबंधों का सामना करने के बाद भी फिल्म ने शानदार सफलता हासिल करते हुए बॉक्स ऑफिस पर लगभग 300 करोड़ की कमाई की थी।

फिल्म ने तमाम आलोचनाओं के बाद भी तोड़े रिकॉर्ड

भारती के यूट्यूब चैनल भारती टीवी पर अभिनेत्री ने कहा, जब द केरल स्टोरी कर रहे थे, तो मुझे नहीं लगा कि हम कुछ पॉलिटिकल कर रहे हैं। मुझे लगा कि यह एक लड़की की कहानी है और यह आईएसएस के बारे में है। ये लोग लड़कियों को आत्मघाती हमलावर बना रहे हैं और हम सभी आतंकवादियों के खिलाफ हैं। फिल्म उसी के बारे में थी। अभिनेत्री ने फिल्म को रिलीज से पहले मिली आलोचनाओं को लेकर कहा कि इसके बावजूद, फिल्म ने सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए और सबसे अधिक कमाई करने वाली फिल्मों में से एक बन गई।

आमिर खान ने कहा मैं अमिताभ बच्चन का सबसे बड़ा प्रशंसक

सदी के महानायक और अभिनेता अमिताभ बच्चन को उनकी फिल्मों और मस्ती भरी बातों के कारण हमेशा प्रशंसकों का प्यार मिलता है। अमिताभ बच्चन इन दिनों अपने शो केबीसी में नजर आ रहे हैं। केबीसी 16 में आमिर खान और जुनैद खान आए थे। आमिर ने इस शो में खुद को अमिताभ बच्चन का सबसे बड़ा प्रशंसक बताया था और अमिताभ बच्चन की शादी का कार्ड भी पेश किया है। अब अमिताभ बच्चन और जया बच्चन की शादी के कार्ड की तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो गई है।

कार्ड में लिखी है ये बात

अमिताभ बच्चन की शादी के कार्ड की फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हुई है। इस फोटो में लिखा है, 'जब ते राम ब्याहि घर आए, नित नव मंगल मोद बधाए'। इस कार्ड में लिखा है, हमारे सुपुत्र अमिताभ और श्रीमती और श्री तरुण कुमार भादुड़ी की सुपुत्री जया का शुभ-विवाह रविवार दिनांक 3 जून 1973 को मुंबई में सम्पन्न हुआ'।

आमिर खान ने किया सबसे बड़ा प्रशंसक होने का दावा

केबीसी मेकर्स ने सोशल मीडिया पर शो का प्रोमो शेयर किया है। इस प्रोमो वीडियो में आमिर खान अमिताभ बच्चन से पूछते हैं, 'मेरे पास आपके लिए एक सवाल है। आपको आपकी शादी की तारीख याद है?' इस पर अमिताभ बच्चन ने जवाब दिया, 'तीन जून 1973'। इस पर आमिर खान ने जवाब दिया, कोई सबूत तो दीजिए'।

आमिर खान ने दिखा दिया बिग बी का वेडिंग कार्ड

इस सवाल ने अमिताभ बच्चन को कुछ समय के लिए चुप होने पर मजबूर कर दिया। इस पर आमिर खान कहते हैं, 'मेरे पास एक सबूत है। आपकी शादी का कार्ड। मैंने आपको सबूत दिया है कि मैं आपका सबसे बड़ा प्रशंसक हूं। इस जवाब पर आमिर खान, अमिताभ बच्चन और वहां मौजूद दर्शक हंसने लगते हैं।

ऋत्विक के साथ ब्रेकअप को लेकर आज भी फैंस की खरी-खोटी सुनती हैं आशा नेगी, बोलीं- दुख बहुत होता है

आशा नेगी टीवी की जानी मानी अभिनेत्री हैं। आशा अब भले ही स्क्रीन पर कम दिखती हैं, लेकिन एक समय ऐसा था, जब बड़ी तादाद में लोग अभिनेत्री की एक झलक पाने के लिए बेताब रहते थे। आशा को टीवी शो 'पवित्र रिश्ता' से लोकप्रियता हासिल हुई थी। इस शो में उनका नाम ऋत्विक धनजानी के साथ भी जुड़ा था। फैंस को दोनों की ऑनस्क्रीन केमिस्ट्री भी काफी पसंद आई थी। अब हाल ही में, आशा नेगी ने ऋत्विक के साथ अपने ब्रेकअप पर चुप्पी तोड़ी है। आइए जानते हैं कि उन्होंने क्या कहा है।

ऋत्विक के साथ अपने ब्रेकअप पर बोलीं आशा

हाल ही में, हाउटरफ्लाई से बातचीत में आशा ने कहा कि एक ही टेलीविजन पर साथ काम करने वाले कलाकार अक्सर एक-दूसरे को डेट करते हैं। अभिनेत्री ने कहा, 'लोगों को आपकी केमिस्ट्री पसंद आती है, इसलिए ऐसा होता है। इसलिए, मुझे लगता है, टेलीविजन में लोग बहुत जल्दी एक-दूसरे के साथ जुड़ जाते हैं।'

ब्रेकअप से ऐसे उबरीं आशा नेगी

इंटरव्यू में आगे जब अभिनेत्री से पूछा गया कि ऋत्विक के साथ उनके ब्रेकअप से वह कैसे उबरीं। इस का जवाब देते हुए अभिनेत्री ने कहा कि सब कुछ संभालना मुश्किल होता है क्योंकि इसमें परिवार शामिल होते हैं। इस बात में कोई शक नहीं है, ब्रेकअप के बाद दुख बहुत होता है और फिर आपको सब कुछ संभालना भी पड़ता है। फैंस की प्रतिक्रिया पर आशा नेगी ने कहा, अगर आप एक कलाकार हैं, तो बहुत प्रशंसक क्लब होते हैं... मुझे अभी भी बहुत सारी गालियां मिलती हैं और उन्हें भी मिलती हैं। बता दें कि आशा और ऋत्विक अपने रिश्ते के बारे में बहुत मुखर थे।

इसलिए जब वे अलग हुए, तो यह उनके प्रशंसकों के लिए एक झटका था। आशा ने कहा कि वह पिछले कुछ समय से सिंगल हैं, लेकिन उन्होंने कहा कि जब भी वह किसी को डेट करेंगी तो अपने फैंस को जरूर बताएंगी।

वामिका गब्बी को जानवरों से है खास लगाव, उन पर हो रहे अत्याचार को देख होती हैं दुखी

बॉलीवुड अभिनेत्री वामिका गब्बी जानवरों के साथ अनोखा बंधन साझा करती हैं। वामिका प्रमुख रूप से पंजाबी और हिंदी फिल्मों और वेब सीरीज में काम करने के लिए जानी जाती हैं। वह सोशल मीडिया पर भी काफी सक्रिय रहती हैं। हाल ही में अभिनेत्री ने कुत्तों के प्रति अपने प्यार और लगाव के बारे में साझा किया। रिपोर्ट्स के मुताबिक अभिनेत्री ने कहा, 'मैं पहले मांसाहारी हुआ करती थी, लेकिन चार साल पहले शाकाहारी बन गई। मुझे बस इस बात का अफसोस है कि मैंने इसे पहले क्यों नहीं किया। अब मैं जानवरों के साथ जो जुड़ाव महसूस करती हूं, वह कुछ साल पहले की तुलना में कहीं ज्यादा है।'

अभिनेत्री के जानवरों के प्रति प्यार का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि उनके घर में छह पालतू कुत्ते फोबे, मिल्ली, जूली, फ्लुकी, गब्बर और मोमो हैं। वमिका ने इन्हें कोविड के दौरान बचाया और गोद लिया था। अभिनेत्री कहती हैं कि वह हर दिन उनके साथ प्यारी यादें बनाती हैं। उन्होंने कहा, 'मोमो हमारे परिवार में सबसे नया सदस्य था और मैंने उसे 'फुर्सत' की शूटिंग के दौरान बचाया और गोद लिया था मैंने देखा कि वह मर जाएगी, इसलिए मैंने उसे उठाया और घर ले आई।'

अभिनेत्री कहती हैं, 'मुझे इसके बारे में नहीं पता, लेकिन मैं निश्चित रूप से उन्हें इंसानों से बेहतर मानती हूं, क्योंकि हमने कहीं न कहीं अपनी मासूमियत खो दी है। जानवरों में अभी भी वह मासूमियत है और वह इसके साथ जीते हैं और मुझे यह पसंद है। मैं उनसे यह सीखती हूं और हर दिन अपने अंदर इसे जीवित रखने की कोशिश करती हूं।'

वामिका जानवरों से माफ करना और भूलना सीखती हैं। वह कहती हैं, 'इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आपने उन पर चिल्लाया है या उन्होंने कोई गलती की है, वह आपको किसी भी तरह से चोट नहीं पहुंचाएंगे। अगली बार जब आप उन्हें बुलाएंगे, तो वह उतने ही प्यार से आपके पास वापस आएंगे। यह एक ऐसा प्रभावशाली संदेश है जो आपको जाने देना, माफ करना और भूल जाना सिखाता है। वह बस आपसे प्यार करना चाहते हैं और मैं बस यही चाहती हूं कि इंसान इसे समझ सकें।'

अभिनेत्री एक पशु प्रेमी होने के नाते, जानवरों पर हो रहे अत्याचार को देखकर दुखी होती हैं और वह सख्त कार्रवाई की मांग करती हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अभिनेत्री ने कहा, 'बचपन से ही हमें प्यार करना, दयालु और सम्मानजनक होना सिखाया जाता है। लेकिन जैसे-जैसे हम बड़े होते गए, हम उन सभी महत्वपूर्ण शिक्षाओं को भूल गए। अगर आप किसी बच्चे को पीटते हुए कोई वीडियो देखें तो आपको कैसा लगेगा? जब मैं जानवरों के प्रति इंसानों के बुरे व्यवहार के वीडियो देखती हूं, तो मुझे भी ऐसा ही लगता है।' अभिनेत्री ने जानवरों के प्रति हो रहे अत्याचार को लेकर सख्त कानूनी कार्रवाई की भी मांग की।

सेंसर बोर्ड के सुझावों पर सहमत हुए 'इमरजेंसी' के निर्माता, बदलाव करने के लिए मांगा समय

कंगना रनौत द्वारा निर्देशित और अभिनीत फिल्म 'इमरजेंसी' उस समय कानूनी संकट में फंस गई, जब 6 सितंबर को सीबीएफसी ने इसकी रिलीज रोक दी। सेंसर बोर्ड ने आरोप लगाया कि फिल्म में धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने की क्षमता है, जिसके कारण निर्माताओं ने उच्च न्यायालय में अपील की। न्यायालय ने सीबीएफसी को निर्देश जारी करने और फिल्म की रिलीज पर निर्णय लेने का निर्देश दिया। इसके बाद सेंसर बोर्ड ने फिल्म में कट सहित 13 संशोधनों का सुझाव दिया, एक अस्वीकरण और कुछ अन्य तथ्य जांच को जोड़ा। अब आज उच्च न्यायालय में सुनवाई हुई, जिसमें सीबीएफसी ने बॉम्बे उच्च न्यायालय को बताया कि इमरजेंसी के निर्माताओं ने उसके सभी सुझावों पर सहमति व्यक्त की है।

सेंसर बोर्ड के कट्स पर जताई सहमति

जी स्टूडियोज के लिए सीनियर एडवोकेट शरण जगतियानी ने बॉम्बे हाई कोर्ट के सामने एक दस्तावेज पेश किया, जिसमें कहा गया है कि सभी पक्ष एक समझौते पर पहुंच गए हैं। दस्तावेज में मूल रूप से कहा गया है कि सुझाए गए कट्स का अनुपालन किया गया है। फिल्म निर्माताओं ने याचिका का निपटान करने के लिए कदम उठाया है।

मांगा गया दो हफ्ते का समय

'इमरजेंसी' के प्रोडक्शन हाउस मणिकर्णिका प्रोडक्शंस ने अदालत को बताया है कि उन्हें सीबीएफसी द्वारा सुझाए गए सभी बदलावों का पालन करने के लिए दो सप्ताह की आवश्यकता होगी। मणिकर्णिका प्रोडक्शन हाउस सेंसर बोर्ड द्वारा सुझाए गए कट, संपादन आदि का पालन करने के लिए दो सप्ताह का समय चाहता है। उसके बाद सीबीएफसी को दो सप्ताह के भीतर प्रमाणन पर निर्णय लेना है। इस व्यवस्था के साथ रिकॉर्ड पर बेंच याचिका का निपटारा करने के लिए सहमत है।

'इमरजेंसी' पर विवाद

यह फिल्म 6 सितंबर को रिलीज होनी थी, लेकिन उससे पहले ही शिरोमणि अकाली दल सहित सिख संगठनों ने इस पर आपत्ति जताते हुए आरोप लगाया है कि इसमें समुदाय को गलत तरीके से प्रस्तुत किया गया है और ऐतिहासिक तथ्यों को गलत तरीके से पेश किया गया है। वहीं, अब इसकी नई रिलीज डेट का इंतजार है। फिल्म में कंगना पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की भूमिका निभाती नजर आएंगी।

स्वाइन फ्लू के चपेट में आईं शमा सिकंदर, 10 दिन के बेड रेस्ट के बाद साझा किया हेल्थ अपडेट

छोटे पर्दे पर अपने शानदार अभिनय से दर्शकों का दिल जीतने वालीं अभिनेत्री शमा सिकंदर किसी पहचान की मुहताज नहीं हैं। इतना ही नहीं वह बॉलीवुड और साउथ की फिल्मों में भी नजर आ चुकी हैं। अभिनेत्री को इन दिनों सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए प्रशंसकों से जुड़ते देखा जाता है। इसी कड़ी में शमा ने बड़े खुलासे से हर किसी को हैरान कर दिया है। शमा सिकंदर को स्वाइन फ्लू हुआ था। हाल ही में इंस्टाग्राम पर साझा किए गए एक वीडियो में अभिनेत्री ने याद किया कि कैसे दवा और बेडरेस्ट के बावजूद उनकी स्थिति में सुधार नहीं हो रहा था, फिर उन्हें ओजोन थेरेपी से मदद मिली।

43 वर्षीय अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा करते हुए दिखाया कि कैसे वह ओजोन थेरेपी ले रही हैं। उन्होंने लक्षणों की तुलना कोविड से करते हुए कहा कि उन्हें खांसी और तेज बुखार था, जो कई दिनों तक कम नहीं हुआ। उन्होंने फ्लू की दवा भी ली और उन्हें 10 दिनों तक आराम करने की सलाह दी गई। इन सबके बावजूद उनकी हालत में सुधार नहीं हुआ और वह कमजोर महसूस करने लगीं। इसके बाद उन्होंने ओजोन थेरेपी की वकालत करते हुए कहा कि इससे उन्हें बेहतर होने में मदद मिली।

शमा सिकंदर ने वीडियो के कैप्शन में लिखा, 'इस तरह मैंने अपनी स्वाइन फ्लू की कमजोरी और खांसी को अलविदा कहा। यह कोई विज्ञापन नहीं है। यह मेरा व्यक्तिगत अनुभव है जिसे मैं आज यहां साझा कर रही हूं, अगर आप या आपके परिवार का कोई भी सदस्य फ्लू के सामान्य लक्षणों को महसूस कर रहा है तो इस थेरेपी से मदद मिल सकती है क्योंकि इससे मुझे मदद मिली।'

शमा सिकंदर ने आगे जोड़ा, 'अपने शरीर के लिए कुछ भी करने से पहले फिर से अपना शोध करें। स्वास्थ्य आपके लिए सबसे बड़ा धन है। मैं आप सभी के सुखी और स्वस्थ जीवन की कामना करती हूं।' शमा सिकंदर को 'ये मेरी लाइफ है', 'सीआईडी', 'बाटलीवाला हाउस नंबर 43', 'बाल वीर' और 'मन में है विश्वास' जैसे लोकप्रिय टीवी शो में उनकी मुख्य भूमिकाओं के लिए जाना जाता है।

सलमान खान का एक और धमाका, 'सिकंदर' के सेट पर किया 'किक 2' का एलान

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान इन दिनों अपनी फिल्म 'सिकंदर' की शूटिंग में व्यस्त हैं। इस फिल्म का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है। वहीं, इस बीच अब सलमान खान के प्रशंसकों के लिए बड़ी खबर सामने आई है। सलमान खान की एक ओर नई फिल्म का एलान हो गया है। वह फिल्म 'किक 2' है। अब सलमान सिकंदर के बाद 'किक' के सीक्वल में नजर आएंगे। आज आधिकारिक तौर पर फिल्म का एलान किया गया।

सलमान खान की बहुप्रतीक्षित फिल्म किक के सीक्वल किक 2 की आधिकारिक घोषणा 4 अक्तूबर को की गई। निर्माता साजिद नाडियाडवाला ने इस खबर के साथ सुपरस्टार का एक कैंडिड फोटोशूट साझा किया। प्रशंसकों ने घोषणा के प्रति अपनी उत्सुकता सोशल मीडिया पर व्यक्त की। निर्माता ने सलमान खान की एक आकर्षक मोनोक्रोम तस्वीर साझा की और सोशल मीडिया पर किक 2 की घोषणा की। पोस्ट साझा करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'यह एक शानदार किक 2 फोटो शूट था सिकंदर। ग्रैंड साजिद नाडियाडवाला की ओर से।'

सलमान खान की 2014 की फिल्म 'किक' ने दर्शकों का खूब मनोरंजन किया, जो नाडियाडवाला की निर्देशन में पहली फिल्म थी। किक व्यावसायिक रूप से सफल रही। फिल्म ने दर्शकों को आकर्षित किया और सलमान की पहली फिल्म बन गई, जिसने 200 करोड़ रुपये का आंकड़ा छुआ, जिससे उस साल की सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर फिल्मों में से एक के रूप में इसकी स्थिति मजबूत हुई।

उत्साहित प्रशंसक इस घोषणा से रोमांचित हो गए और उन्होंने टिप्पणी अनुभाग में अपनी प्रतिक्रियाएं साझा कीं। 'सिकंदर' के साथ साजिद नाडियाडवाला और सलमान खान एक दशक के बाद फिर से साथ काम कर रहे हैं। वहीं, अब वे 'किक 2' पर भी साथ काम करेंगे। अभी तक इस बारे में कोई अपडेट नहीं है कि फिल्म की स्क्रिप्ट कौन लिख रहा है या जैकलीन फर्नांडिज, रणदीप हुड्डा और नवाजुद्दीन सिद्दीकी अपनी भूमिकाएं फिर से निभाएंगे या नहीं।

इस बीच सलमान एआर मुरुगादॉस की सिकंदर में व्यस्त हैं। साजिद नाडियाडवाला द्वारा निर्मित एक्शन फिल्म 'सिकंदर' में रश्मिका मंदाना और काजल अग्रवाल भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। 'सिकंदर' की शूटिंग जारी है। यह फिल्म ईद 2025 पर रिलीज के लिए तैयार है। इसके साथ ही सलमान खान 'बिग बॉस 18' होस्ट करते नजर आएंगे।

'फर्जी 2' की तैयारी में जुटे शाहिद कपूर, पत्नी मीरा को बताया अपनी रियल लाइफ 'प्रीति'

बॉलीवुड अभिनेता शाहिद कपूर अक्सर अपनी फिल्मों और निजी जीवन को लेकर चर्चा में रहते हैं। शाहिद इस साल अपनी सीरीज 'फर्जी' में नजर आए थे। इसके बाद शाहिद अब 'फर्जी 2' की तैयारी में जुट गए हैं। शाहिद कपूर ने अब हाल ही में अपनी पत्नी मीरा कपूर के साथ एक सेल्फी फोटो शेयर की है। इस फोटो में शाहिद ने मीरा को अपनी रियल लाइफ प्रीति बताया है।

शाहिद कपूर ने शेयर की तस्वीरें

अभिनेता शाहिद कपूर ने सोशल मीडिया पर पत्नी मीरा कपूर के साथ फोटो शेयर की है। इस फोटो में दोनों खूबसूरत वादियों के बीच एंजॉय करते नजर आ रहे हैं। शाहिद कपूर ने इस फोटो पर कैप्शन दिया- कबीर अपनी असली प्रीति के साथ। शाहिद की इस फोटो को प्रशंसकों ने काफी पसंद किया है।

प्रशंसकों ने दी ऐसी प्रतिक्रिया

शाहिद अपनी पत्नी के साथ खूबसूरत वादियों में घूम रहे हैं। शाहिद कपूर इस फोटो पर प्रशंसकों ने बहुत ही प्यारी प्रतिक्रिया दी है। शाहिद के प्रशंसकों ने कहा कि आप दोनों बहुत ही अच्छे हैं। एक अन्य प्रशंसक ने कहा, "नजर न लगे"। एक अन्य यूजर ने कहा, "आप दोनों बहुत ही प्यारे लग रहे हैं"। इसके साथ ही प्रशंसकों ने हार्ट और लव इमोजी भी कमेंट में लिखा है।

फर्जी 2 की हुई थी मांग

'फर्जी 2' वेब सीरीज को लेकर फिल्म में शाहिद कपूर के सह-कलाकार भुवन ने कहा कि 'फर्जी' सीरीज का दूसरा पार्ट जरूर आएगा। 10 फरवरी 2023 को रिलीज हुई वेब सीरीज 'फर्जी' को प्रशंसकों से भरपूर प्यार दिया था। इसके बाद से ही इस सीरीज का दूसरा पार्ट 'फर्जी 2' बनाने की मांग सामने आई थी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, 'फर्जी 2' की कहानी वहीं से शुरू होगी जहां से इसका पहला भाग खत्म हुआ था।

धोनी की नकल नहीं कर पाए अक्षर तो हिटमैन ने लगाई क्लास, फिर सूर्य कुमार यादव ने दिखाया जलवा

'द ग्रेट इंडियन कपिल शो सीजन 2' में भारतीय क्रिकेट टीम के कई स्टार खिलाड़ी पहुंचे। इनमें रोहित शर्मा, अक्षर पटेल, सूर्यकुमार यादव और शिवम दुबे शामिल हैं। इन खिलाड़ियों की मस्ती सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। मजेदार घटना तब हुई जब टीम इंडिया के ये खिलाड़ी 'डंब शेराज' खेल रहे थे। रोहित के हाथों में एक छोटा सा प्लेकार्ड था, जिस पर एमएस धोनी का नाम लिखा था। अक्षर पटेल ने रोहित को एक्शन के सहारे धोनी का नाम बताने की कोशिश की। हालांकि, अक्षर धोनी के शॉट की ठीक से नकल करने में कामयाब नहीं हो पाए। इसके बाद यह सूर्यकुमार यादव ने अक्षर की जगह धोनी का नाम बुझाने के लिए 'हेलीकॉप्टर शॉट' की नकल की। रोहित ने इस बार इसे काफी आराम से समझ लिया और फिर अक्षर की जमकर क्लास ली।

जैसे ही अक्षर ने छक्के लगाने की नकल की तो रोहित ने कहा, 'हर कोई इस तरह एक छक्का मारता है। कुछ अलग दिखाओ।' इस पर सोफे पर बैठे सूर्यकुमार कहते हैं, 'मुझे करने दो। वह इसे पहली ही बार में समझ जाएंगे।' सूर्यकुमार अपने दावों पर खरे उतरे और रोहित पहली ही बार में समझ गए। सूर्यकुमार के हेलीकॉप्टर शॉट की नकल पर रोहित जोर से चिल्लाए- एमएसडी। इसके बाद अक्षर कहते हैं, 'मैंने दाएं हाथ से (विश्व कप) फाइनल में धोनी के छक्के का पोज किया था।' इस पर रोहित ने मजाकिया अंदाज में जवाब दिया, 'हेलीकॉप्टर घुमा न हेलीकॉप्टर!'

रोहित समेत ये सभी खिलाड़ी इस साल टी20 विश्व कप 2024 जीतने वाली टीम इंडिया का हिस्सा रहे थे। फिलहाल रोहित न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले ब्रेक पर हैं। वहीं, सूर्यकुमार, अक्षर और शिवम बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सीरीज में एक्शन में दिखेंगे। सूर्यकुमार कप्तानी करते दिखेंगे। आईपीएल 2025 के लिए होने वाले मेगा ऑक्शन से पहले रिटेन और रिलीज किए गए खिलाड़ियों की लिस्ट भी आनी है और रोहित पर सभी की नजरें टिकी हैं।

पिछले साल रोहित मुंबई फ्रेंचाइजी द्वारा हार्दिक पांड्या को कप्तान बनाए जाने पर नाखुश थे। उन्हें अभिषेक नायर के साथ वायरल हुए वीडियो में यह कहते हुए सुना गया था कि ये मेरा आखिरी है। अब यह देखने वाली बात होगी कि मुंबई फ्रेंचाइजी उन्हें रिटेन करती है या नहीं। आईपीएल मेगा ऑक्शन इस साल नवंबर में होने वाला है। सभी 10 फ्रेंचाइजी को रिटेन किए गए खिलाड़ियों की सूची को अंतिम रूप देने के लिए 31 अक्तूबर तक की समय सीमा दी गई है। एक फ्रेंचाइजी को छह खिलाड़ियों को रिटेन करने की इजाजत होगी, जिसमें राइट टू मैच विकल्प शामिल है।

'उन्होंने कभी मेरे पिता को धन्यवाद नहीं दिया' बहन विनेश पर भड़कीं बबीता, लगाया बड़ा आरोप

अंतरराष्ट्रीय पहलवान और भाजपा नेता बबीता फोगाट ने अपनी चचेरी बहन विनेश फोगाट पर बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने बताया कि उनके पिता महावीर फोगाट ने विनेश को बतौर कोच ट्रेनिंग दी, लेकिन उन्होंने कभी अपने चाचा का धन्यवाद नहीं दिया। बता दें कि, पेरिस ओलंपिक में महिलाओं की 50 किग्रा कुश्ती स्पर्धा के फाइनल से बढ़े वजन के कारण बाहर होना पड़ा था। इसके बाद उन्होंने संन्यास ले लिया और कांग्रेस में शामिल हो गईं।

पिता के निधन के बाद चाचा बने कोच

2014 में कॉमनवेल्थ गेम्स में स्वर्ण पदक जीतने वाली बबीता ने सुशांत सिन्हा के पॉडकास्ट पर बात करते हुए विनेश द्वारा महावीर फोगाट की सराहना न करने पर अपनी निराशा व्यक्त की। विनेश के पिता के निधन के बाद महावीर ने उनके कोच की भूमिका निभाई थी। बबीता ने कहा- आपने देखा होगा कि जब मनु भाकर ओलंपिक पदक लेकर घर लौटीं तो उनके कोच उनके साथ थे। इसी तरह अमन सेहरावत पदक लेकर लौटे और उनके साथ उनके कोच भी थे। लेकिन जब विनेश लौटीं तो दीपेंद्र हुड्डा उनके साथ थे। लोगों के लिए बेहतर होगा कि उन्हें (दीपेंद्र को) द्रोणाचार्य पुरस्कार दिया जाए। मेरा मानना है कि अगर मेरे पिता एयरपोर्ट पर उनके साथ खड़े होते तो इस स्थिति को लेकर इतनी राजनीति नहीं होती।

विनेश के फाइनल से बाहर होने पर भावुक हो गए थे महावीर

इस दौरान बबीता ने बताया कि जब विनेश को फाइनल से पहले अयोग्य करार दिया गया था, तब उनके पिता महावीर भावुक हो गए थे। उन्होंने कहा- मैंने अपने पिता को सिर्फ तीन बार रोते देखा है। पहली बार तब जब मेरी और मेरी बहनों की शादी हुई थी। दूसरी बार जब मेरे चाचा का निधन हुआ था और तीसरी बार वह विनेश के ओलंपिक फाइनल से बाहर होने पर रोए थे।

बबीता ने कहा- इन बातों को समझने की जरूरत है। मैंने देखा है कि कैसे मेरे पिता ने कभी विनेश को उसके पिता की कमी महसूस नहीं होने दी। जब मेरे चाचा का निधन हुआ, तो विनेश ने अपने भाई और बहन के साथ कुश्ती छोड़ दी। मेरे पिता उनके घर गए, उनकी मां से बात की और उन्हें खेल में वापस ले आए। यहां तक कि जब वे सुबह 4 बजे प्रशिक्षण मैदान पर नहीं पहुंचते थे तो वह उनके घर जाते और उन्हें ले आते। जब कोई प्रशिक्षण में इतनी मेहनत करता है और उसे कभी धन्यवाद नहीं मिलता है, तो यह किसी भी कोच के लिए भावनात्मक रूप से समझ में आने वाली बात है।

विवाद के बीच पीटी उषा ने बुलाई विशेष आम सभा, 25 अक्तूबर को होगी बैठक

उषा बोलीं- संघ के सुचारू संचालन के लिए सीईओ महत्वपूर्ण

भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) की नियुक्ति को लेकर संगठन में मचे घमासान के बीच 25 अक्तूबर को विशेष आम सभा (एसजीएम) बुलाई है। बैठक में सीईओ रघुराम अय्यर की नियुक्ति, कोषाध्यक्ष सहदेव यादव पर भ्रष्टाचार के आरोपों की शिकायत और कई परिषद सदस्यों की पद संभालने की कथित अपात्रता के मुद्दों पर चर्चा होगी।

इन विषयों को लेकर आईओए अध्यक्ष उषा और परिषद के कई सदस्यों के बीच तनातनी चल रही है। खासतौर पर सीईओ की नियुक्ति को लेकर कार्यकारी परिषद के सदस्य विरोध कर रहे हैं। सीईओ की मोटी पगार और पद के लिए उनकी उपयुक्तता को लेकर विरोध किया जा रहा है। पूर्व स्टार एथलीट पीटी उषा ने अधिकारियों को भेजे ई-मेल में कहा कि ये सभी मुद्दे असाधारण और आकस्मिक हैं और ऐसे में प्रभावी निर्णय लेने की जरूरत है और मैं विशेष आम सभा 25 अक्तूबर को आईओए भवन में सुबह 11 बजे बुला रही हूं। जो लोग एसजीएम में खुद उपस्थित नहीं हो सकते वे वेबेक्स के जरिए इसमें शामिल हो सकते हैं, इसके लिए आईओए की वेबसाइट पर लिंक उपलब्ध होगा।

इस बैठक का आह्वान तब किया गया है जब 26 सितंबर को उषा का कार्यकारी परिषद के साथ एक बार फिर सीईओ को लेकर टकराव हुआ था। कार्यकारी परिषद के अधिकांश सदस्यों ने सीईओ के रूप में अय्यर की नियुक्ति पर अपना विरोध दोहराया था। सीईओ की नियुक्ति को अभी कार्यकारी परिषद की मंजूरी नहीं मिली है। उषा ने चेतावनी दी है कि संघ के सुचारू संचालन के लिए सीईओ महत्वपूर्ण हैं।

उन्होंने कहा, कार्यकारी परिषद के कुछ सदस्यों द्वारा इस नियुक्ति को स्वीकार करने में देरी और इनकार से हमारे शासन और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर असर पड़ रहा है। इससे भारत में ओलंपिक खेलों 2036 की मेजबानी के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के दृष्टिकोण में बड़ी बाधा पैदा होने की संभावना है।

हार्दिक पांड्या से नाखुश हैं कोच मोर्कल

भारत और बांग्लादेश के बीच तीन मैचों की टी20 सीरीज की शुरुआत छह अक्तूबर से हो रही है। पहला मैच ग्वालियर में खेला जाएगा। इस मैच को लेकर टीम इंडिया जमकर मेहनत कर रही है। बीसीसीआई ने एक वीडियो पोस्ट किया है। इस वीडियो में भारत की पेस बैटरी प्रैक्टिस सेशन के दौरान नेट्स में अपनी पूरी क्षमता से गेंदबाजी करती दिख रही है। वहीं, नए बॉलिंग कोच मोर्ने मोर्कल गेंदबाजों से बात करते दिख रहे हैं। मोर्कल के सामने बांग्लादेश सीरीज से पहले काफी चुनौतियां हैं।

प्रैक्टिस सेशन में ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने भी गेंदबाजी का अभ्यास किया। हालांकि, मोर्कल हार्दिक के गेंदबाजी के प्रति रवैये से नाखुश दिखे और दोनों ने इसमें सुधार को लेकर लंबी चर्चा की। एक रिपोर्ट के मुताबिक, हार्दिक स्टंप्स के काफी करीब से गेंदबाजी कर रहे इस दौरान मोर्कल पांड्या की

थे और मोर्कल इससे खुश नहीं थे। एक रिपोर्ट के मुताबिक, ग्वालियर में नेट्स सेशन के दौरान मोर्कल पांड्या के रन-अप पर काम कर रहे थे। स्टंप के काफी करीब से गेंदबाजी करने से नाखुश लग रहे थे और उन्होंने पांड्या को इस बारे में जानकारी भी दी।

ज्यादा नहीं बोलने के लिए मशहूर मोर्कल को हार्दिक को उनकी बॉलिंग मार्क पर लौटते वक्त हर बार कान में कुछ बोलते हुए देखा गया। मोर्कल ने कथित तौर पर हार्दिक की रिलीज प्वाइंट पर भी काम किया है। हार्दिक की बॉलिंग को देखने के बाद मोर्कल ने अपना ध्यान बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और युवा हर्षित राणा और मयंक यादव पर केंद्रित कर दिया। मयंक का पहली बार भारतीय टीम में चयन हुआ है। इस पेसर के पास लगातार 150+ की स्पीड से गेंद फेंकने की क्षमता है। वहीं, हर्षित पिछले कुछ समय से भारतीय टी20 टीम का हिस्सा हैं।

भारत ने टेस्ट सीरीज में बांग्लादेश को 2-0 से क्लीनस्वीप किया था और अब उनका पूरा ध्यान रविवार से शुरू होने वाली तीन मैचों की टी20 सीरीज पर है। हर्षित राणा और मयंक यादव जैसे युवा सितारे इस सीरीज में आईपीएल के अपने प्रदर्शन को दोहराना चाहेंगे क्योंकि बीसीसीआई चयन समिति का उन पर भरोसा है। अभिषेक शर्मा, रिंकू सिंह, रियान पराग और नीतीश कुमार रेड्डी भी मौके को भुनाना चाहेंगे, जबकि यह सीरीज मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती के लिए दूसरे मौके के रूप में भी काम करेगी जो लंबे समय से भारत के टी20 सेटअप से गायब रहे हैं। बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीमः सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, हार्दिक पांड्या, रियान पराग, नीतीश कुमार रेड्डी, शिवम दुबे, वाशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, वरुण चक्रवर्ती, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा और मयंक यादव।

वूमेन्स टी20 वर्ल्ड कप में साउथ अफ्रीका ने वेस्टइंडीज को 10 विकेट से हराया

वूमेन्स टी20 वर्ल्ड कप 2024 के तीसरे लीग मैच में साउथ अफ्रीका महिला क्रिकेट टीम ने वेस्टइंडीज महिला क्रिकेट टीम को 10 विकेट से हरा दिया और इस टूर्नामेंट में अपनी शुरुआत धमाकेदार अंदाज में की। इस मैच में साउथ अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोल्वार्ड्ट और तजमीन ने नाबाद अर्धशतकीय पारी खेलते हुए अपनी टीम को बड़ी जीत दिला दी।

इस मुकाबले में साउथ अफ्रीका ने टॉस जीता था और फिर गेंदबाजी करने का फैसला किया था। इसके बाद वेस्टइंडीज की टीम ने पहले बल्लेबाजी की, लेकिन साउथ अफ्रीका की सधी गेंदबाजी के सामने ये टीम 20 ओवर में 6 विकेट पर 118 रन ही बना पाई। साउथ अफ्रीका को जीत के लिए 119 रन का टारगेट मिला था और इस टीम ने 17.5 ओवर में बिना कोई विकेट गंवाए 119 रन बना लिए और मैच में जीत दर्ज की। इस जीत के साथ साउथ अफ्रीका महिला क्रिकेट टीम ने 2 अंक भी हासिल किए।

साउथ अफ्रीका को जीत के लिए 118 रन का टारगेट मिला था और प्रोटियाज ने इस टारगेंट को आसानी से हासिल कर लिया। कप्तान लॉरा के साथ तजमीन ओपनिंग करने आई थीं और दोनों नाबाद पवेलियन लौटीं। लॉरा ने इस मैच में 55 गेंदों पर 7 चौकों की मदद से नाबाद 59 रन की पारी खेली जबकि तजमीन ने 52 गेंदों पर 6 चौकों की मदद से नाबाद 57 रन बनाए। दोनों ने पहले विकेट के लिए 119 रन की साझेदारी करते हुए पहले मैच में जीत दर्ज की।

पहली पारी में वेस्टइंडीज की टीम का प्रदर्शन काफी अच्छा नहीं रहा था। इस टीम की तरफ से बेस्ट स्कोरर स्टैफनी टेलर रहीं जिन्होंने 41 गेंदों पर एक छक्का और 2 चौकों की मदद से नाबाद 42 रन की पारी खेली। कप्तान हेली मैथ्यूज ने 10 रन की पारी खेली जबकि डेंड्रा डाटिन ने 13 रन जबकि शमीन कैम्पबेले ने टीम के लिए 17 रन का योगदान दिया। पहली पारी में साउथ अफ्रीका की तरफ से नॉनकुलुलेको म्लाबा ने 4 ओवर में 29 रन देते हुए सर्वाधिक 4 विकेट झटके और प्लेयर ऑफ द मैच भी बनीं।

बाबर आजम की जगह लेने के लिए यह 3 नाम आए सामने, रिजवान और शाहीन अफरीदी हुए इग्नोर!

बाबर आजम के इस्तीफे के बाद पीसीबी पाकिस्तान वनडे और टी20 टीम के लिए नए कप्तान की तलाश में है। इस दौर में जो तीन नए नाम सामने आ रहे हैं उसमें मोहम्मद रिजवान और शाहीन शाह अफरीदी नहीं हैं जो चौंकाने वाला है। पाकिस्तान के नए वनडे और टी20 कप्तान के रूप में जिन तीन खिलाड़ियों के नाम सामने आ रहे हैं उसमें टेस्ट टीम के उप-कप्तान साऊद शकील, टीम के तूफानी बल्लेबाज फखर जमां और ऑलराउंडर सलमान अली आगा हैं। कथित तौर पर ये तीनों बाबर आजम की जगह लेने की दौड़ में आगे हैं और इनमें भी शकील की टेस्ट क्रिकेट में अच्छे प्रदर्शन ने उन्हें कप्तानी की रेस में शामिल करवा दिया है।

बाबर की जगह लेने के लिए यह 3 खिलाड़ी सबसे आगे

पाकिस्तान ने हाल ही में बांग्लादेश के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज में हिस्सा लिया था जिसमें मोहम्मद रिजवान की जगह साऊद शकील को टेस्ट टीम का उप-कप्तान बनाया गया था। इस टेस्ट सीरीज के दौरान शकील ने जिस तरह के अप्रोच का परिचय दिया था उससे वो कप्तानी की रेस में आ गए हैं। इसके अलावा फखर जमां के पास भी नेतृत्व का अनुभव है और उन्होंने पाकिस्तान सुपर लीग में लाहौर कलंदर्स की कप्तानी की है। उनका अनुभव और आक्रामक रवैया उन्हें व्हाइट-बॉल कप्तान के रूप में मैन इन ग्रीन में नई ऊर्जा ला सकता है। दिलचस्प बात यह है कि सलमान पाकिस्तान की सीमित ओवरों की टीम की कप्तानी के लिए एक डार्क हॉर्स के रूप में उभरे हैं, जबकि उन्हें घरेलू स्तर पर कप्तानी का कोई अनुभव नहीं है।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) अपने विकल्पों पर विचार कर रहा है, लेकिन दो प्रमुख नाम सीमित ओवरों की टीम के कप्तान के रूप में बाबर की जगह लेने की दौड़ से बाहर हो गए हैं। स्टार विकेटकीपर-बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान और स्टार तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी अन्य प्रारूपों में नेतृत्व करने के बावजूद इस दौड़ से बाहर होते हुए नजर आ रहे हैं और उनके नाम पर पीसीबी विचार करे इसकी संभावना कम है। रिजवान को टेस्ट टीम के उप-कप्तान के पद से हटा दिया गया था तो वहीं शाहीन अफरीदी से भी टी20 टीम की कप्तानी छीन ली गई थी। अब पाकिस्तान वनडे और टी20 टीम का कप्तान कौन बनता है ये देखना दिलचस्प होने वाला है।

हसीन जहां का आरोप- मोहम्मद शमी ने नहीं किये बेटी बेबो के पासपोर्ट पर दस्तखत, गिटार और कैमरा भी नहीं दिलाया

भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने अपनी बेटी आयरा से कुछ दिन पहले मुलाकात की थी और इसका वीडियो भी शेयर किया था। इस मुलाकात के दौरान शमी अपनी बेटी बेबो के साथ शॉपिंग करते हुए देखे गए थे। मोहम्मद शमी ने इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर कर पोस्ट करते हुए लिखा था, जब मैंने उसे लंबे समय के बाद फिर से देखा तो समय थम गया। बेबो, मैं तुम्हें इतना प्यार करता हूं कि शब्दों में बयां नहीं कर सकता।

बेटी को नहीं दिलाए गिटार और कैमरा

मोहम्मद शमी ने अपनी बेटी के प्रति जहां प्यार जाहिर किया था तो वहीं उनसे अलग रह रही उनकी पत्नी हसीन जहां ने इस मुलाकात को लेकर कुछ गंभीर आरोप लगाए। एक डॉट कॉम ने हसीन जहां के हवाले से लिखा, यह (शमी का बेटी बेबो से मिलना) सिर्फ दिखावे के लिए है। मेरी बेटी का पासपोर्ट एक्सपायर (कालातीत) हो चुका है। नए पासपोर्ट के लिए शमी के साइन (हस्ताक्षर) जरूरी हैं इसलिए वह अपने पिता से मिलने गई थी, लेकिन शमी ने साइन (दस्तखत) नहीं किए।

हसीन जहां ने कहा, वह अपनी बेटी को लेकर शॉपिंग मॉल गए। जिस कंपनी के लिए शमी विज्ञापन करते हैं, वह उसे वहां ले गए। मेरी बेटी ने उस दुकान से जूते और कपड़े खरीदे। शमी को वहां से कुछ भी खरीदने पर पैसे नहीं देने पड़ते। इसलिए उसे वहां ले जाया गया। मेरी बेटी को गिटार और कैमरा चाहिए था, लेकिन उन्होंने उसे वह सामान नहीं दिलाया।

एक महीने पहले भी अपनी बेटी से मिले थे शमी, तब क्यों नहीं किया पोस्टः हसीन जहां

रिपोर्ट के मुताबिक हसीन जहां ने कहा कि शमी कभी मेरी बेटी के बारे में नहीं पूछते। शमी केवल अपने में ही व्यस्त रहते हैं। वह उससे एक महीने पहले ही मिले थे, लेकिन तब उन्होंने कुछ भी पोस्ट नहीं किया। मुझे लगता है कि अब पोस्ट करने के लिए कुछ नहीं है, इसलिए उन्होंने यह वीडियो अपलोड कर दिया। यह शमी का सिर्फ दिखाया है और इसके अलावा कुछ नहीं है। आपको बता दें कि शमी और हसीन जहां से बीच अभी तलाक नहीं हुआ है और मामला कोर्ट में है। हालांकि वो दोनों एक-दूसरे से अलग रहते हैं और शमी की बेटी अपनी मां हसीन जहां के साथ ही रहती हैं।

यशस्वी ने टेस्ट में लगाए हैं सबसे ज्यादा 134 बाउंड्रीज

भारत ने बांग्लादेश को 2 मैचों की टेस्ट सीरीज में 2-0 से हरा दिया था और अब टीम इंडिया को न्यूजीलैंड के खिलाफ 3 मैचों की टेस्ट सीरीज में हिस्सा लेना है जो भारत में ही खेला जाएगा। बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज के दौरान भारतीय ओपनर बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा था और उन्होंने खासतौर पर दूसरे टेस्ट मैच में जमकर रन बनाए। यशस्वी ने अपनी दोनों पारियों के दौरान खूब बाउंड्रीज भी लगाए और वो साल 2024 में अब तक टेस्ट में सबसे ज्यादा बाउंड्रीज लगाने वाले खिलाड़ी भी हैं तो वहीं रोहित शर्मा ने भी टेस्ट की अपनी 58 पारियों के बाद बतौर ओपनर एक खास रिकॉर्ड अपने नाम दर्ज कर लिया।

यशस्वी ने 2024 में लगाए हैं सबसे ज्यादा बाउंड्रीज

यशस्वी जायसवाल ने टेस्ट में साल 2024 में अब तक सबसे ज्यादा बाउंड्रीज लगाने का कमाल किया है जिसकी संख्या 134 रन है। उन्होंने अब तक खेले 8 टेस्ट की 15 पारियों में 105 चौके और 29 छक्के लगाए हैं। यशस्वी ने इन मैचों में 2 शतक और 6 अर्धशतक के साथ 929 रन भी बनाए हैं। इस साल अब तक टेस्ट में सबसे ज्यादा बाउंड्रीज लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर कामिंदु मेंडिस हैं जिन्होंने कुल 116 बाउंड्रीज लगाए हैं तो वहीं 106 बाउंड्रीज के साथ बेन डकेट तीसरे नंबर पर हैं जबकि इस लिस्ट में 83 बाउंड्रीज के साथ शुभमन गिल छठे स्थान पर हैं।

इस साल टेस्ट में सबसे ज्यादा बाउंड्री लगाने वाले प्लेयर्स

134 – यशस्वी जयसवाल
116 – कामिंदु मेंडिस
106 – बेन डकेट
97 – जो रूट
96 – ओली पोप
83 – शुबमन गिल

आने वाले दशकों में भारत में लोगों का जीवन स्तर बड़े पैमाने पर बदलेगा : वित्त मंत्री

नई दिल्ली,4 अक्टूबर (एजेंसियां)। सरकार की ओर से पिछले 10 वर्षों में चलाई गई जनकल्याणकारी योजनाओं के कारण भारत अगले पांच वर्षों में अपनी प्रति व्यक्ति आय को करीब दोगुना कर लेगा। यह दावा किया है वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने। उन्होंने कौटिल्य आर्थिक सम्मेलन के तीसरे संस्करण को संबोधित करते हुए ये बातें कही। उन्होंने कहा कि पिछले 10 साल में सरकार द्वारा किए गए संरचनात्मक सुधारों से आने वाले दशकों में आम आदमी के जीवन स्तर में सबसे तेज वृद्धि होगी। वित्त मंत्री ने कहा कि हाल के दशक में भारत का महत्वपूर्ण आर्थिक प्रदर्शन पांच वर्षों में उसके 10वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था से पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था तक पहुंचने में साफ नजर आता है। उन्होंने कहा, ''जबकि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के अनुमानों के अनुसार हमें 2,730 अमेरिकी डॉलर की प्रति व्यक्ति आय तक पहुंचने में 75 साल लगे, लेकिन इसमें 2,000 अमेरिकी डॉलर और जोड़ने में केवल पांच साल लगेंगे।

आने वाले दशकों में आम आदमी के जीवन स्तर में सबसे तेज वृद्धि देखी जाएगी, जो वास्तव में भारतीयों का एक युग होगा....।''उन्होंने कहा कि भारत एक खंडित दुनिया में जहां लगातार कई संघर्ष बदतर हो सकते हैं जिससे वैश्विक शांति के लिए खतरा उत्पन्न हो सकता है जो समृद्धि का आधार है... ऐसे माहौल में अपनी 1.4 अरब की आबादी (जो वैश्विक कुल का 18 प्रतिशत है) के लिए कुछ वर्षों में अपनी प्रति व्यक्ति आय को दोगुना करना चाहता है। उन्होंने कहा कि यह असमानता में कमी के साथ हासिल किया जा रहा है, क्योंकि ग्रामीण भारत के लिए गिनी गुणांक (आय असमानता बेंचमार्क) 0.283 से घटकर 0.266 हो गया है, जबकि शहरी क्षेत्रों के लिए यह 0.363 से घटकर 0.314 हो गया है।

सीतारमण ने कहा, ''मुझे उम्मीद है कि ये सुधार जारी रहेंगे क्योंकि पिछले 10 वर्षों के आर्थिक तथा संरचनात्मक सुधारों के प्रभाव आने वाले वर्षों में आंकड़ों में अधिक स्पष्ट रूप से प्रकट होंगे क्योंकि अर्थव्यवस्था से कोविड-19 वैश्विक महामारी का झटका कम हो जाएगा।''उन्होंने कहा कि 2047 तक जब भारत अपनी स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे कर लेगा, तब नए भारतीय युग की मूल विशेषताएं विकसित देशों के समान होंगी। मंत्री ने कहा कि विकसित भारत विचारों, प्रौद्योगिकी तथा संस्कृति के जीवंत आदान-प्रदान का केन्द्र बनकर न केवल भारतीयों के लिए बल्कि शेष विश्व के लिए भी समृद्धि लाएगा। देश की वित्तीय प्रणाली पर उन्होंने कहा, ''भारत के बैंकिंग क्षेत्र की सुदृढ़ता और मजबूती...परिसंपत्ति गुणवत्ता सुधार, खराब ऋणों के लिए प्रावधान में वृद्धि, निरंतर पूंजी पर्याप्तता तथा लाभप्रदता में वृद्धि पर लगातार नीतिगत ध्यान द्वारा समर्थित है।''एनपीए (गैर-निष्पादित परिसंपत्ति) अनुपात कई वर्षों के निचले स्तर पर है और बैंकों के पास अब ऋण वसूली का कुशल तंत्र हैं।मंत्री ने कहा, ''यह सुनिश्चित करना हमारी मुख्य नीति प्राथमिकताओं में से एक है कि वित्तीय प्रणाली बेहतर बनी रहे..।''

महंगाई भत्ते में 4% की बढ़ोतरी का काउंटडाउन शुरू

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्र सरकार के कर्मियों और पेंशनरों को 4 फीसदी महंगाई भत्ता/महंगाई राहत मिलने का काउंट डाउन शुरू हो गया है। सूत्रों की मानें तो डीए/डीआर की दरें बढ़ने का प्रपोजल तैयार हो चुका है। अब इसे केंद्रीय कैबिनेट की मंजूरी के लिए भेजा जाएगा। सरकारी कर्मियों और पेंशनरों को नवंबर की सेलरी में डीए/डीआर की दरों में बढ़ोतरी की सौगात नजर आएगी। दीवाली से पहले महंगाई भत्ते/महंगाई राहत में वृद्धि की घोषणा हो सकती है। गत वर्ष केंद्रीय कैबिनेट ने 18 अक्तूबर को महंगाई भत्ते और महंगाई राहत की अतिरिक्त किस्त जारी करने को मंजूरी दी थी। डीए/डीआर की दरें, एक जुलाई 2023 से लागू हुई थी। केन्द्र सरकार के 48.67 लाख कर्मचारियों और 67.95 लाख पेंशनभोगियों को लाभ हुआ था। मौजूदा समय में 50 प्रतिशत की दर से डीए/डीआर मिल रहा है। अगर चार फीसदी की बढ़ोतरी होती है तो डीए की दर 54 प्रतिशत हो जाएगी। बता दें कि केंद्र सरकार ने 2022 में 28 सितंबर को डीए की दरों में चार फीसदी बढ़ोतरी की घोषणा की थी। उस वर्ष 24 अक्तूबर को दीवाली थी, इसलिए सरकार ने सितंबर के आखिरी सप्ताह में डीए/डीआर की घोषणा थी। गत वर्ष दीवाली 12 नवंबर की थी तो सरकार ने 18 अक्तूबर को महंगाई भत्ते और महंगाई राहत की अतिरिक्त किस्त जारी करने का एलान किया था।इस बार दीवाली, अक्तूबर के अंत में या एक नवंबर को मनाई जा सकती है। ऐसे में दशहरे के आसपास केंद्रीय कैबिनेट डीए/डीआर की दरों में वृद्धि के प्रस्ताव पर मुहर लगने की सम्भावना है। जनवरी 2024 में जब डीए की दरों में चार फीसदी की बढ़ोतरी (संभावित) हुई तो महंगाई भत्ता 50 प्रतिशत पर पहुंच गया था।कॉन्फेडरेशन ऑफ सेंट्रल गवर्नमेंट एम्प्लाइज एंड वर्कर्स के महासचिव एसबी यादव ने बताया, पहले सितंबर में ही डीए की दरों में बढ़ोतरी की घोषणा कर दी जाती थी। इसके बाद अक्टूबर के पहले सप्ताह में कर्मचारियों को तीन महीने का बकाया भुगतान किया जाता था। इन भत्तों की घोषणा में हो रही देरी को लेकर केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों में गहरा असंतोष है। यादव ने इस बाबत वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को पत्र भी लिखा है।

ईरान-इजराइल युद्ध के बीच सोने की तेजी पर लगेगी लगाम या होगा 80000 के पार?

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। युद्ध हो या मंदी का दौर, सोने को हमेशा सुरक्षित निवेश ही माना गया है। तभी तो जैसे ही दुनियाभर में कहीं भी कोई संकट आता है, तो सोने के दाम बढ़ने लगते हैं। मुश्किल वक्त के लिए आम आदमी ही नहीं सरकारें भी सोना खरीदकर रखती हैं। जबकि मुसीबत की घड़ी में सोना ही गिरवी भी रखा जाता है। ऐसे में जब ईरान-इजराइल के बीच नई जंग छिड़ी तो सोने का भाव ऊपर जाने की उम्मीद करना लाजिमी था। इस बीच शेयर बाजार भी धड़ाम से गिरने लगा, तो लगा सोना अपनी चमक बिखेर रहा। लेकिन क्या अब इसकी तेजी पर लगाम लगने जा रही है? ईरान-इजराइल युद्ध के बाद से सोने के भाव में तेजी देखी गई है, लेकिन सोने के दाम में बहुत ज्यादा तेजी देखने को नहीं मिली, क्योंकि इसके दाम तो 78,000 रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा चुके हैं। ऐसे में उम्मीद की जा रही है कि क्या सोना 80,000 रुपए भी पार कर जाएगा?सोना 80,000 रुपए के पार जाएगा या नहीं, इस बारे में मार्केट एनालिस्ट और एचडीएफसी सिक्योरिटी के कमोडिटी हेड अनुज गुप्ता का कहना है कि सोना 80,000 रुपए प्रति 10 ग्राम के भाव के पार जाएगा, लेकिन ऐसा 2025 के अंत तक ही होने की उम्मीद है। 2024 के अंत तक

सोना के भाव 78,500 रुपए प्रति 10 ग्राम के आसपास सेटल हो सकता है। अगर कमोडिटी मार्केट के एक्शन को भी देखें तो एमसीएक्स पर भी सोने का भाव हाई लेवल पर 76,560 रुपए प्रति 10 ग्राम तक गया है। जबकि गुरुवार को ये 76,244 रुपए के भाव पर क्लोज हुआ। खुले बाजार में 26 सितंबर को 78,000 रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर को भी पार कर गया था।

बढ़ रही सोने और चांदी की डिमांड

भारत सरकार ने हाल में सोने पर इंपोर्ट ड्यूटी को कम किया है। इसके बाद से सोने की घरेलू डिमांड बढ़ रही है। वहीं फेस्टिव सीजन में भी सोने की मांग बढ़े रहने की उम्मीद है। सोना अभी अपने लाइफ टाइम हाई पर है। फेस्टिव सीजन के दिसंबर के आखिर तक रहने के चलते इसकी कीमत ऊंची ही बनी रहने की उम्मीद है।दूसरी ओर चांदी की इंडस्ट्रियल डिमांड बढ़ रही है। चीन ने अपनी इकोनॉमी, सप्लाई चेन और विशेषकर इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सेमीकंडक्टर बिजनेस को बूस्ट देने के लिए कई कदम उठाए हैं।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		
सूर्य-	कन्या	मे
चंद्र-	तुला	मे
मंगल	मिथुन	मे
बुध-	कन्या	मे
गुरु-	वृष	मे
शुक्र-	तुला	मे
शनि-	कुंभ	मे
राहु-	मीन	मे
केतु-	कन्या	मे

लग्नारंभ समय		
कन्या..	04-56	बजे
तुला...	07-00	बजे
वृश्चिक	09-10	बजे
धनु-	11-24	बजे
मकर...	13-30	बजे
कुंभ--	15-20	बजे
मीन-	16-58	बजे
मेष---	18-35	बजे
वृष---	20-19	बजे
मिथुन	22-20	बजे
कर्क--	00-32	बजे
सिंह---	02-44	बजे

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -दक्षिणायन- ऋतु -शरद
महावीर निर्वाण संवत् -2550,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426875
सूर्योदय - 06-10
सूर्यास्त. -17-58
कलियुग संवत् -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125
दिशाशूल -- पूर्व - अदरक खाकर घर से निकले
तिथि- तृतीया 07-49 तक उपरान्त चतुर्थी
मास - आश्विन शुक्ल , शनिवार 05 October
नक्षत्र - स्वाति 21 -32 तक उपरान्त विशाखा
योग - विष्कुंभ 06-07 तक उप प्रीति
करण- तैतिल 18-42 तक उप गर
विशेष:-
व्रत -त्योहार - सर्वार्थ सिद्ध योग 06-36 से

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए ।

राहुकाल
09:06 से
10:35 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल.	06:10 - 07:37	अशुभ	लाभ	17:58 - 19:31	शुभ
शुभ.	07:37 - 09:06	शुभ	उत्पात	19:31 - 21:02	अशुभ
रोग	09:06 - 10:35	अशुभ	शुभ.	21:02 - 22:33	शुभ
उत्पात	10:35 - 12:04	अशुभ	अमृत.	22:33 - 00:04	शुभ
चंचल	12:04 - 13:33	शुभ	चंचल	00:04 - 01:35	शुभ
लाभ.	13:33 - 15:02	शुभ	रोग.	01:35 - 03:06	अशुभ
अमृत	15:02 - 16:31	शुभ	काल	03:06 - 04:37	अशुभ
काल	16:31 - 17:58	अशुभ	लाभ.	04:37 - 06:10	शुभ

टमाटर, प्याज और आलू की महंगाई पर रिसर्च पेपर से निकली वो सच्चाई, किसान 33 फीसद पर संतुष्ट

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। देश में आप प्याज, टमाटर और आलू की महंगाई से परेशान हैं तो रिजर्व बैंक ने इस पर हैरान करने वाला खुलासा कर दिया है। आप तो प्याज-टमाटर और आलू के लिए भरपूर पैसा खर्च कर रहे हैं लेकिन ग्राहक चाहे जितना खर्च करे, किसानों को उसका बहुत थोड़ा ही फायदा मिल पा रहा है। आरबीआई के ताजा शोध पत्र यानी रिसर्च पेपर में इस बात का खुलासा हुआ है। प्याज के लिए अगर 100 रुपये किलो दिए तो किसानों को मिला केवल 33 फीसदी पैसा भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के एक रिसर्च पेपर में कहा गया है कि प्याज किसानों को ग्राहकों के खर्च का केवल 36 फीसदी मिलता है। वहीं टमाटर के लिए यह 33 फीसदी और आलू के मामले में 37 फीसदी है। रिसर्च पेपर में स्थिति को बेहतर बनाने के लिए कृषि डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर में सुधार का सुझाव दिया गया है। इसमें किसानों को उनकी उपज का बेहतर मूल्य प्राप्त करने में मदद के लिए निजी मंडियों की संख्या बढ़ाने की बात शामिल है। टमाटर, प्याज और आलू की कीमतों को लेकर सब्जियों की महंगाई पर अध्ययन पत्र में कहा गया है।चूकि सब्जियां जल्दी खराब होने वाली वस्तुएं हैं, ऐसे में टमाटर, प्याज और आलू के डिस्ट्रीब्यूशन में पारदर्शिता में सुधार के लिए निजी मंडियों की संख्या को बढ़ाया जा सकता है। कॉम्पटीशन से स्थानीय स्तर की कृषि उपज बाजार समिति के बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने में भी मदद मिल सकती है।''ग्रॉस इंफ्लेशन पर हाल के दबाव के पीछे खाद्य मुद्रास्फीति को जिम्मेदार ठहराया गया है। इसमें टमाटर, प्याज और आलू के दाम में भारी उतार-चढ़ाव सबसे चुनौतीपूर्ण रही हैं।रिसर्च पेपर को आर्थिक अनुसंधान विभाग (डीईपीआर) के कर्मचारियों और बाहर के लेखकों ने मिलकर तैयार किया है। रिसर्चर्स ने पाया कि बाजारों में मौजूदा कमियों को कम करने में मदद के लिए ई-राष्ट्रीय कृषि बाजारों (ई-एनएएम) का लाभ उठाया जाना चाहिए। इससे किसानों को प्राप्त कीमतों में वृद्धि होगी जबकि दूसरी तरफ उपभोक्ताओं द्वारा भुगतान की जाने वाली कीमतें कम होंगी। रिसर्च पेपर में टमाटर, प्याज और आलू के मामले में किसान उपज संगठनों को बढ़ावा देने की बात कही गयी है।

रातोंरात पलट गई अमीरों की दुनिया

मुकेश अंबानी और गौतम अडानी को भारी नुकसान

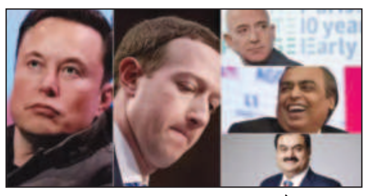

नई दिल्ली,4 अक्टूबर (एजेंसियां)। ईरान और इजरायल के बीच तनाव बढ़ने से गुरुवार को दुनियाभर के शेयर बाजारों में गिरावट आई। इससे अमीरों की लिस्ट में भारी फेरबदल हुआ है। टॉप 20 में केवल तीन रईसों की नेटवर्थ में तेजी आई। इसमें फेसबुक की पेरेंट कंपनी मेटा प्लेटफॉर्म के सीईओ मार्क जकरबर्ग, एनवीडिया के सीईओ जेंसन हुआंग और डेल कॉरपोरेशन के माइकल डेल शामिल हैं। इस तेजी के साथ जकरबर्ग दुनिया के अमीरों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। एशिया के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी और गौतम अडानी को भारी नुकसान हुआ है। जकरबर्ग की नेटवर्थ में गुरुवार को 3.43 अरब डॉलर की तेजी आई और वह 206 अरब डॉलर के साथ दुनिया के अमीरों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। इस साल उनकी नेटवर्थ में सबसे ज्यादा 78.1 अरब डॉलर की तेजी आई। एलन मस्क 256 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ पहले नंबर पर हैं। जेफ बेजोस 205 अरब डॉलर की नेटवर्थ के साथ तीसरे नंबर पर खिसक गए हैं जबकि फ्रांसीसी कारोबारी बर्नार्ड अरनॉल्ट 193 अरब डॉलर के साथ चौथे नंबर पर हैं।

अंबानी-अडानी का हाल

इस बीच रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी 14वें नंबर पर खिसक गए हैं। गुरुवार को रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में गिरावट आई। इससे अंबानी की नेटवर्थ में 4.29 अरब डॉलर की गिरावट आई। अब उनकी नेटवर्थ 107 अरब डॉलर रह गई है। इस साल उनकी नेटवर्थ में 10.5 अरब डॉलर की गिरावट आई है। अडानी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी की नेटवर्थ में 2.93 अरब डॉलर की गिरावट आई और वह 100 अरब डॉलर के साथ 17वें नंबर पर खिसक गए हैं। इस साल उनकी नेटवर्थ में 16.1 अरब डॉलर की तेजी आई है।

सुप्रीम कोर्टः एक अप्रैल 2021 के बाद जारी 90,000 आईटी पुनर्मूल्यांकन नोटिसों की वैधता बरकरार

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने राजस्व विभाग की ओर से एक अप्रैल 2021 के बाद पुराने प्रावधानों के तहत जारी करीब 90,000 पुनर्मूल्यांकन नोटिस की वैधता बरकरार रखी है। अदालत का यह फैसला आयकर विभाग के लिए राहत की तरह है। शीर्ष अदालत ने गुरुवार को कई उच्च न्यायालयों के फैसलों को खारिज कर दिया, जिनमें कहा गया था कि कराधान व अन्य कानून (कुछ प्रावधानों में छूट और संशोधन) अधिनियम (टीओएलए) 2021 आयकर अधिनियम के तहत पुनर्मूल्यांकन नोटिस जारी करने की समय सीमा नहीं बढ़ाएगा। टीओएलए को कोरोना महामारी के दौरान आयकर अनुपालन की समय सीमा बढ़ाने के लिए लाया गया था। प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने तीन संसदीय कानूनों आयकर अधिनियम, टीओएलए और वित्त अधिनियम के परस्पर प्रभाव से संबंधित दो कानूनी प्रश्नों पर विचार किया। शीर्ष अदालत ने इस सवालों पर गौर किया, ''क्या टीओएलए तथा इसके तहत जारी अधिसूचनाएं एक अप्रैल 2021 के बाद जारी किए गए पुनर्मूल्यांकन नोटिस पर भी लागू होंगी और क्या जुलाई और सितंबर 2022 के बीच नई व्यवस्था की धारा 148 के तहत जारी किए गए पुनर्मूल्यांकन नोटिस वैध हैं।''प्रधान न्यायाधीश ने 112 पृष्ठों का फैसला लिखते हुए कहा, ''हम इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि एक अप्रैल 2021 के बाद आयकर अधिनियम को प्रतिस्थापित प्रावधानों के साथ पढ़ा जाना चाहिए और यदि आयकर अधिनियम के प्रतिस्थापित प्रावधानों के तहत निर्दिष्ट कोई

कार्रवाई या कार्यवाही 20 मार्च 2020 तथा 31 मार्च 2021 के बीच पूरी होनी है... तो टीओएलए एक अप्रैल 2021 के बाद भी आयकर अधिनियम पर लागू होता रहेगा।'' पीठ ने कहा कि टीओएलए का प्रावधान ''आयकर अधिनियम की धारा 149 को केवल आयकर अधिनियम की धारा 148 के तहत पुनर्मूल्यांकन नोटिस जारी करने की समय सीमा में छूट देने तक ही सीमित है।'' पुनर्मूल्यांकन नोटिस को चुनौती देते हुए विभिन्न उच्च न्यायालयों में 9,000 से अधिक याचिकाएं दायर की गईं और करदाताओं के पक्ष में कई फैसले पारित किए गए। इसके बाद ही राजस्व विभाग को सर्वोच्च न्यायालय का रुख करना पड़ा था। केंद्र ने मार्च 2020 में कोविड-19 वैश्विक महामारी के प्रसार को रोकने के लिए पूरे देश में लॉकडाउन लगाने की घोषणा की थी और टीओएलए लेकर आया था। 2021 के इस अधिनियम ने पूर्वव्यापी प्रभाव से ''निर्दिष्ट अधिनियमों के तहत कार्यों को पूरा करने या अनुपालन करने'' की समय सीमा 20 जून 2020 तक बढ़ा दी गई थी।

इसके बाद 24 जून 2020 को केंद्र ने टीओएलए के तहत एक अधिसूचना जारी की जिसमें निर्दिष्ट अधिनियमों के तहत कार्रवाई को पूरा करने या अनुपालन करने की समय सीमा 31 मार्च 2021 तक बढ़ा दी गई।

सेंसेक्स-निफ्टी लगातार पांचवें दिन भारी गिरावट के साथ हुआ बंद

निवेशकों के 17 लाख करोड़ रुपये बर्बाद!

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। हफ्ते के आखिरी ट्रेडिंग सेशन और लगातार पांचवें दिन भारतीय शेयर बाजार औंधे मुंह गिरकर भारी गिरावट के साथ बंद हुआ है। पूरे दिन बाजार में भारी उठापटक देखने को मिली है। सुबह बाजार गिरावट के साथ खुला लेकिन दिन में सेंसेक्स 870 और निफ्टी में 235 अंकों की तेजी आ गई। लेकिन कारोबार खत्म होने से पहले बाजार में फिर से तेज मुनाफावसूली लौटी और सेंसेक्स दिन के हाई से 1835 और निफ्टी 520 अंक तक नीचे जा लुढ़का। एफएमसीजी, बैंकिंग और एनर्जी स्टॉक्स में बिकवाली के चलते बाजार में ये गिरावट आई है। कारोबार खत्म होने पर सेंसेक्स 808 अंकों की गिरावट के साथ 81,688 और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 200 अंकों की गिरावट के साथ 25049 अंकों पर क्लोज हुआ है। बाजार में बिकवाली के चलते आज भी निवेशकों को भारी नुकसान का सामना करना पड़ा है। बीएसई पर लिस्टेड स्टॉक्स का मार्केट कैप 461.05 लाख करोड़ रुपये पर गिरकर क्लोज हुआ है जो पिछले सत्र में 465.05 लाख करोड़ रुपये पर क्लोज हुआ था। यानि आज के सेशन में निवेशकों को 3.70 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। इस हफ्ते भारतीय शेयर बाजार के मार्केट कैप में 17 लाख करोड़ रुपये की गिरावट आई है।बीएसई पर कुल ट्रेड हुए 4054 शेयरों में 1532 शेयर तेजी के साथ और 2386 शेयर गिरकर बंद हुए। सेंसेक्स के 30 शेयरों में 8 तेजी के साथ जबकि 22 गिरकर बंद हुए। निफ्टी के 50 शेयरों में 13 तेजी के साथ और 37 गिरावट के साथ बंद हुए। तेजी वाले शेयरों में इंफोसिस 1.33 फीसदी, टेक महिंद्रा 0.83 फीसदी, टाटा मोटर्स 0.51 फीसदी, एक्सिस बैंक 0.50 फीसदी, टीसीएस 0.42 फीसदी, एसबीआई 0.28 फीसदी, एचसीएल टेक 0.27 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ है। गिरने वाले शेयरों में महिंद्रा एंड महिंद्रा 3.58 फीसदी, बजाज फाइनेंस 3.01 फीसदी, नेस्ले 2.85 फीसदी, एशियन पेंट्स 2.49 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है। आज के कारोबार में आईटी स्टॉक्स को छोड़कर दूसरे सभी सेक्टर्स के शेयर में गिरावट देखने को मिली है। बैंकिंग, ऑटो, एफएमसीजी, फार्मा, मेटल्स, एनर्जी, हेल्थकेयर, मीडिया, रियल एस्टेट, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सेक्टर के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए।

सेवा क्षेत्र का विस्तार नवंबर के बाद सबसे धीमा

पीएमआई के आंकड़े जारी

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत में सेवा क्षेत्र का विस्तार सितंबर में नवंबर 2023 के बाद सबसे धीमी गति से हुआ। एचएसबीसी इंडिया सर्विसेज पीएमआई सर्वे ने इसकी पुष्टि की है।

ये आंकड़े नए कारोबार और वैश्विक स्तर पर बिक्री व आउटपुट पर आधारित हैं। सितंबर में पीएमआई इंडेक्स का आंकड़ा अगस्त के 60.9 की तुलना में कम होकर 57.7 रहा। हालांकि, यह इंडेक्स के न्यूट्रल मार्क 50.0 के ऊपर सफल रहा। एचएसबीसी इंडिया सर्विसेज पीएमआई ने शुक्रवार को दिखाया कि नए व्यवसाय, अंतर्राष्ट्रीय बिक्री और उत्पादन के मामले में भारत में सेवा क्षेत्र की वृद्धि नवंबर 2023 के बाद सबसे धीमी दरों पर बढ़ी। एसएंडपी ग्लोबल की ओर से संकलित एचएसबीसी इंडिया सर्विसेज पीएमआई सर्वेक्षण के अनुसार सितंबर में सूचकांक मूल्य 50.0 के तटस्थ निशान से ऊपर रहा। अगस्त के 60.9 से गिरकर 57.7 पर

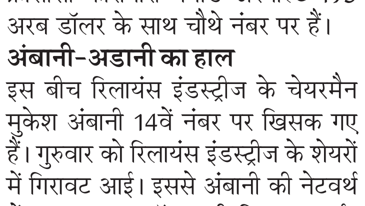

आने वाले हेडलाइन आंकड़े ने विस्तार की एक नरम, हालांकि अब भी ऐतिहासिक रूप से मजबूत दर का संकेत दिया। पीएमआई सूचकांक को 0 और 100 के बीच मापा जाता है। जिसमें 50 से ऊपर का आंकड़ा विस्तार जबकि 50 से नीचे का आंकड़ा क्षेत्र में संकुचन को दर्शाता है। सितंबर महीने में सेवा क्षेत्र की वृद्धि में नरमी आने का एक कारण निर्यात के नए ऑर्डरों में कमी आना रहा। 2024 में विस्तार की दर अब तक सबसे कमजोर रही है। कुछ फर्मों ने एशिया, यूरोप, उत्तरी अमेरिका, मध्य पूर्व और अमेरिका से लाभ हासिल किया। सेवा कंपनियों के मार्जिन में और कमी आने की संभावना है, क्योंकि महंगाई बढ़ने से कीमतें भी धीमी गति से बढ़ी हैं।

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आप पिछले कुछ दिनों से काफी व्यस्त दिनचर्या बिता रहे हैं । अब सारी चीजों को व्यवस्थित करने का समय है । आज आपको तुलनात्मक रूप से थोड़ी राहत मिलेगी,लेकिन आपको इस समय का उपयोग अपनी सब चीजों को व्यवस्थित करने में लगाना चाहिए । नही तो सब कुछ और अधिक उलझता जाएगा और आप स्थिति के नियंत्रण से बाहर होने के कारण और भी अधिक परेशान रहेंगे ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आपकी अपने पिछले समय में से किसी पुराने व्यक्ति से मिलने की सम्भावना है और यह व्यक्ति आपके भविष्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा | सहायता करने और लेने में अपने पूर्वाग्रहों को आड़े ना आने दें ,इससे आपकी प्रगति के नए रास्ते खुल सकते हैं । अब कोई भी बदलाव नयी सफलता ही लाएगा ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
छोटी छोटी परेशानियां और असहमतियां दिन भर सामने आती रहेंगी । आपको इन छोटी छोटी बातों की उपेक्षा कर देनी है,नही तो आप अपनी मानसिक शांति को नष्ट कर लेंगे । अपनी समस्याएँ किसी के साथ बांटने की कोशिश करें,आपको अच्छा अनुभव होगा । एकांत की गतिविधियाँ आज बहुत अच्छी रहेंगी ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आज आप साझेदारी के अंतर्गत घर और ऑफिस दोनों ही में बहुत अच्छा काम करेंगे ।यदि अकेले काम करेंगे तो अस्पष्ट और असंभव सी लगने वाली मुसीबतों में फंस सकते हैं । टीम के रूप में काम करने पर ये बाधाएं परेशान नही करेंगी । आपसी सहयोग से आज आप किसी भी प्रयास में सफलता हासिल कर पायेंगे ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आज आपके भावनाओं में बहने की उम्मीद थोड़ी ज्यादा है । किसी छोटी सी बात पर भी आप उदास हो जायेंगे या पुराने बेह्तर समय को याद करने लगेंगे । किसी पुराने दोस्त से संपर्क साधने की कोशिश कर सकते हैं । आज आप अपनी वर्त्तमान समस्या को सुलझाने के लिए कोई संतोषजनक समाधान खोजने या किसी की तरफ दोस्ती का हाथ बढाने के मूड में हैं ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
आज अपने सिद्धांतों की व्याख्या और पुनर्मुल्यांकन का दिन है । आप पिछले फैसलों के लिए खुद से और अपने साथी से भी सवाल कर सकते हैं ।फिर भी आप उसके प्रति बहुत अच्छे बने रहेंगे और उससे भी बदले में यही उम्मीद रखेंगे । जब पुराने विचारों से कोई काम बनता दिखाई न दे रहा हो तो नए विचारों को अपना लेने में कोई बुराई नही है ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आज आप एडजस्ट करने के मूड में रहेंगे ।आपकी लोगों से मिलकर और बातचीत के जरिये किसी समझौते पर पहुचने की कोशिश से आप सबको बहुत अच्छे लगेंगे । आप तुरंत किसी भी समस्या का समाधान निकाल लेंगे । आप इस बात का भी ध्यान रखते हैं कि किस तरह आपके आसपास और खुद को भी खूबसूरत बनाकर रखा जाए और सारे कार्यक्रम तय योजना के अनुसार अच्छे से पूरा हो जाए ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आप बहुत अच्छे निर्णायक हैं और सब चीजों का आसानी से विश्लेष्ण कर लेते हैं । आज आपको अपनी इस विशेषता के लिए खूब तारीफ मिलेगी । लोग अच्छी तरह काम करने के लिए आपकी और देखेंगे और आपसे सीखेंगे । आपको किसी खतरनाक जगह पर यात्रा करने की जरूरत सम्बन्धी सूचना मिलेगी । घबराएं नही,यह यात्रा छोटी सी होगी ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
आज आप किसी भी ,अच्छे-बुरे तरीके से अपना लक्ष्य पा लेने के मूड में हैं । काफी समय तक हाशिये पर रहने के बाद आपको आज अपने ग्रहों की बदौलत काफी आत्मविश्वास का अनुभव होगा । आप अपनी मानसिक प्रवृति के आधार पर फैसले ले सकते हैं,यकीन मानिए वे सही ही साबित होंगें ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आज का दिन परिवार के साथ बिताने के लिए विशेष रूप से अच्छा है ।अपने माता –पिता,बहन- भाइयो या फिर जीवनसाथी के साथ शांति से कुछ वक़्त बिताएं । अपने बच्चों के साथ किसी मनोरंजक क्रियाकलाप में भाग लें । अगर काम का दबाव अधिक भी है तो भी आज उसे एक तरफ रख दें और एक साथ होने का आनंद लें।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आप उन बदलावों के बारे में सोच रहे हैं जो शायद आपके काम और आपकी सेहत के बीच संतुलन ला सकते हैं ।आप अपने किसी करीबी दोस्त से इस सम्बन्ध में मेल करके समाधान पूछ सकते हैं । इन बदलावों से आपको आराम मिलेगा । आप अपने आप को फ़िलहाल सही आदमियों के साथ पायेंगे जो आपको आपके विभिन्न लक्ष्यों का उद्देश्य निर्धारित करने में मदद करेंगे ।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
आज के दिन आपका भाग्य आपके साथ है । आज आप ऐसा भी कुछ कर सकते हैं जिसके बारे में आपने कभी सोचा भी ना हो । आपके सभी प्रयासों में भाग्य आपका साथ देगा । आपको पता है कि मेहनत से ही सफलता मिलती है । अभी तक आपका भाग्य आपके साथ नही था ,लेकिन आज आप अपने समर्पण की बदौलत कुछ भी हासिल कर पायेंगे ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

पहली बार रायपुर में भीष्म टैंक की एंट्री

इसकी दहाड़ से थर्राता है चीन-पाकिस्तान

रायपुर, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय सेना का मुख्य टैंक भीष्म पहली बार रायपुर पहुंचा है। इस टैंक को टी-90 के नाम से भी जानते हैं। इन टैंकों की तैनाती पाकिस्तान और चीन के बॉर्डर पर होती है। इसकी दहाड़ से दोनों देश थर्राते हैं। रायपुर की धरती पर जब पहली बार इस टैंक का आगमन हुआ तो प्रशासन ने ग्रैंड वेलकम किया है। 5-6 अक्टूबर को रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में सशस्त्र सैन्य समारोह का आयोजन किया जा रहा है। इसमें जाकर लोग टैंक को देख सकते हैं।

टी-90 टैंक, जिसे भारतीय सेना ने 'भीष्म' नाम दिया है, रूस में निर्मित तीसरी पीढ़ी का मुख्य युद्धक टैंक है। यह टैंक 2001 से भारतीय सेना का हिस्सा है और इसे राजस्थान, पंजाब में पाकिस्तान सीमा और लेह में चीन सीमा पर तैनात किया गया है। 2005 में इनकी बड़ी खेप भारत आई। हालांकि शुरुआत में यह पूरी तरह रूसी तकनीक से बना था, लेकिन अब इसके कई पुर्जे भारत में ही बनाए जाते हैं। तमिलनाडु के अवाडी में इन टैंकों को तैयार किया जाता है।

वहीं, सामान्य रास्ते पर यह 65 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ़्तार से दौड़ सकता है, जबकि ऊबड़-खाबड़ रास्तों पर इसकी रफ़्तार 50 किलोमीटर प्रति घंटा तक रहती है। इसकी खासियत यह है कि इसमें टैंक टू टैंक फायर करने वाले गोले होते हैं। साथ ही हाईटेक रडार से दुश्मनों के बारे में जानकारी मिल जाती है।

इस टैंक की सबसे बड़ी खासियत है कि यह एंडी लैंड माइन क्षमता से लैस है। आगे की ओर लगे कांटे जमीन में हल की तरह धंस जाते हैं। यह माइंस को बाहर निकाल देते हैं। भीष्म टैंक एयर अटैक को भी जवाब देने में माहिर है। साथ ही इससे मिसाइल भी दाग सकते हैं।

टी-90 में जायरोस्कोप सिस्टम लगा है, जिसकी वजह से यह तेज गति से चलते हुए भी सटीक फायरिंग कर सकता है। इसकी मारक क्षमता का अंदाज़ा इस बात से लगाया जा सकता है कि यह 4 से 5 किलोमीटर दूर खड़े दुश्मन को भी नेस्तनाबूद कर सकता है।

टैंक में 1200 लीटर का फ्यूल टैंक होता है और इसकी माइलेज 4 किलोमीटर प्रति लीटर है। इसमें लगा थर्मल विजन कैमरा रात में भी हर हलचल पर नज़र रखने में मदद करता है। इस कैमरे से कमांडर 4 से 5 किमी की दूरी तक आसानी से देख सकता है।

टैंक में एक बार में 44 गोले आते हैं, जो तीन तरह के होते हैं। इसमें टैंक-रोधी, बंकर-भेद, और बड़े इलाकों को तबाह करने वाले।

वही रायपुर में आर्मी ट्रक पर लोडकर भीष्म टैंक को लाया गया था। प्रशासन की टीम एस्कॉर्ट करते हुए साइंस कॉलेज मैदान तक भीष्म टैंक को ले गई है। भीष्म टैंक को देखने के लिए सड़कों पर भी लोगों की भीड़ जमा हो गई थी।

पुलिस-कोयला माफिया की सांठगांठ की होगी सीबीआई जांच

भाजपा ने की हाईकोर्ट के फैसले की सराहना

रांची, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। झारखंड हाईकोर्ट ने बृहस्पतिवार को सीबीआई को धनबाद में पुलिस अधिकारियों की भूमिका की जांच करने का निर्देश दिया। इन पर जिले में कोयले के अवैध खनन और बिक्री में कथित रूप से शामिल होने का आरोप है। जस्टिस संजय कुमार द्विवेदी ने एक पत्रकार की ओर से दायर मामले में अपना फैसला सुनाते हुए कहा कि याचिका में लगाए गए आरोप केंद्रीय जांच एजेंसी द्वारा जांच के लिए उपयुक्त हैं। जस्टिस द्विवेदी ने कहा कि आदेश सुरक्षित रखे जाने के बाद याचिका दायर करने की राज्य सरकार की कार्रवाई भी अनुचित है। पत्रकार ने अपने समाचार चैनल के माध्यम से उजागर किया था कि कैसे कोयले का अवैध खनन और बिक्री की जा रही है। याचिका में उन्होंने धनबाद के एक पुलिस अधिकारी का भी नाम लिया था।

बीजेपी नेता हत्या केस, नारायणपुर में एनआईए ने मारा छापा

विधानसभा चुनाव से पहले रतन दुबे को नक्सलियों ने मारा था, हिरासत में लिए गए ग्रामीण

नारायणपुर, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में भाजपा नेता रतन दुबे हत्या मामले में शुक्रवार सुबह एनआईए की टीम ने नारायणपुर जिले के कौशलनार गांव में छापा मारा। टीम ने कुछ लोगों को हिरासत में लिया है। हालांकि आधिकारिक तौर पर छापा पड़ने की पुष्टि नहीं हुई है। इससे पहले एनआईए ने 4 लोगों को गिरफ्तार किया था। विधानसभा चुनाव से ठीक 3 दिन पहले बीजेपी के नारायणपुर जिला उपाध्यक्ष और जनपद पंचायत सदस्य रतन दुबे चुनाव प्रभार के लिए गांव गए थे। बाजार में वे नुक्कड़ सभा को संबोधित कर रहे थे। इसी बीच नक्सलियों ने पीछे से आकर उन पर हमला कर दिया था, जिससे बीजेपी नेता की मौत हो गई थी। झार थाना क्षेत्र में रतन दुबे नुक्कड़ सभा में जनता से वोट मांग रहे थे। इसी दौरान पीछे से ग्रामीण वेशभूषा में पहुंचे नक्सलियों ने उन पर कुल्हाड़ी से वार कर हमला कर दिया। इसके बाद शव के पास भारी संख्या में पर्चे छोड़कर जंगल की ओर भाग निकले थे। नक्सलियों के हमला करने के बाद वहां मौजूद ग्रामीण भी बाजार स्थल छोड़कर भागने लगे। रतन दुबे पर किए गए हमले का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। नक्सलियों की पूर्व बस्तर डिवीजन कमेटी ने हत्या की जिम्मेदारी ली। पर्चा जारी कर बताया कि, रतन दुबे धर्मांतरण के मुद्दे पर आदिवासियों को आपस में लड़वा रहा था। आमदाई खदान का समर्थन और सुरक्षाबलों का कैंप बिठाने में सहयोग कर रहा था। इसलिए पीएलजीए ने उसे मौत की सजा दी है। यह भी लिखा था कि, केदार कश्यप के साथ मिलकर रतन दुबे भाजपा और आरएसएस से आदिवासियों को जोड़ रहा था। पुलिस के लिए सामान सप्लाई, जनता के पैसों का गबन, धर्मांतरण के नाम पर आदिवासियों पर हमले करवाना और पुलिस के लिए मुखबिरी करने का काम करता था।

भाजपा के हुए एनसीपी वाले कमलेश सिंह, बोले

सत्तारुढ़ दल के संरक्षण में हो रहा राज्य में घुसपैठ

रांची, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। एनसीपी से पलामू के हुसैनाबाद सीट से विधायक कमलेश सिंह ने भाजपा का दामन थाम लिया है। रांची के पार्टी कार्यालय में उन्होंने बीजेपी के चुनाव सह प्रभारी हेमंत बिस्वा सरमा की मौजूदगी में पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इस दौरान उनके बेटे और एनसीपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सूर्य सोनम ने भी सदस्यता ग्रहण की। सदस्यता ग्रहण कार्यक्रम में उनके कई समर्थक मौजूद थे।

सत्तारुढ़ दल करा रहा घुसपैठ

बीजेपी में शामिल होते ही कमलेश सिंह ने घुसपैठ को लेकर अपना बयान दिया। कहा कि राज्य में बड़ी संख्या में बांग्लादेशी घुसपैठ हो रहा है। यह घुसपैठ सत्तारुढ़ दल के संरक्षण में हो रहा है। उन्होंने पार्टी के प्रति वफादारी दिखाते हुए खुल कर कहा कि जनता वर्तमान सरकार से ऊब चुकी है। अब राज्य की जनता भी बदलाव चाहती है। उन्होंने वर्तमान सरकार को घेरे में लेते हुए कहा कि राज्य में 5 वर्षों से सरकार चल रही है। इस दौरान भ्रष्टाचार चरम पर रहा है। उन्होंने यहां तक कहा कि आने वाले समय में योजनाओं का कोई असर नहीं पड़ने वाला।

कमलेश सिंह के भाजपा में शामिल होने के बाद अपने संबोधन में चुनाव सह प्रभारी हेमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि उन्हें पार्टी में ज्वाइनिंग कराने से पहले एनसीपी की सहमति ले ली गई थी। एनसीपी एनडीए का सहयोगी दल है, ऐसे में सहमति जरूरी थी। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि बीते एक महीने से एनसीपी से हमारी बातचीत हो रही थी।

अब किसी तरह की अड़चनें नहीं हैं। कमलेश सिंह के पार्टी में आने को लेकर हो रहे विरोध के सवाल पर कहा कि कमलेश सिंह के आने से किसी को नाराजगी नहीं होनी चाहिए, बल्कि पार्टी में सदस्यों की संख्या बढ़ने से खुशी होनी चाहिए। कमलेश सिंह पर भी जिम्मेदारी होगी कि पुराने और नए कार्यकर्ताओं को साथ लेकर पार्टी को मजबूत करने का काम करेंगे।

कमलेश सिंह के पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने के बाद प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने अपने संबोधन के दौरान कमलेश सिंह की काफी तारीफ की। कहा कि उन्होंने पार्टी के साथ लंबे समय से सहयोग दिया है। उन्होंने साल 2005 का उदाहरण देते हुए कहा कि 2005 में कमलेश सिंह के द्वारा दिए गए समर्थन के बल पर ही भाजपा की सरकार बची थी। ऐसे में उम्मीद है कि अब कमलेश सिंह भाजपा का सदस्य होने के नाते न केवल हुसैनाबाद बल्कि पूरे झारखंड में काम करेंगे और पार्टी को मजबूत करेंगे।

झारखंड सरकार की पहल से लग रही बाल-विवाह पर लगाम

रांची, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। समाज के कमजोर वर्गों से आने वाली लड़कियां शैक्षिक सपनों को पूरा करने के लिए झारखंड सरकार की वित्तीय सहायता योजना से सहायता प्राप्त कर रही है। एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। उनके अनुसार, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की झारखंड सरकार द्वारा शुरू की गई सावित्रीबाई फुले किशोरी समृद्धि योजना (एसपीकेएसवाई) बाल विवाह को रोकने में सफल रही है। इस योजना से स्कूल छोड़ने वाले छात्रों की संख्या कम हुई और लड़कियां अब उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया है। एसपीकेएसवाई योजना पर बात करते हुए एक छात्र के पिता लक्ष्मण हजाम ने कहा, इस योजना ने यह सुनिश्चित कर दिया है कि अब वित्तीय बाधाएं उनकी बेटी के डॉक्टर बनने के सपने को नहीं रोक सकती। अब वह अपनी पढ़ाई पूरी कर सकती है।

छत्तीसगढ़ का 'जुगाड़' वायरल, अब मिलने लगे ऑर्डर

बेटे की परेशानी देख पिता ने साइकिल को बनाया ई-बाइक, 6 घंटे चार्ज 80किमी की रेंज

बालोद, 4 अक्टूबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। छत्तीसगढ़ का एक वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया में जमकर वायरल हो रहा है। एक वेल्डर पिता ने बेटे के स्कूल आने जाने में हो रही परेशानी को देखकर जुगाड़ से साइकिल को ई-बाइक बना दिया। इस इनोवेटिव आइडिया के चलते अब उसे ऑर्डर भी मिलने लगे हैं। जानकारी के मुताबिक बालोद जिले के ग्राम दुचेरा के रहने वाले संतोष साहू वेल्डर हैं। उनका बेटा किशन साहू कक्षा 8वीं में है और 6वीं से ही आत्मानंद स्कूल में पढ़ना शुरू किया है। यह स्कूल 20 किलोमीटर दूर अर्जुंदा गांव में है। संतोष कुमार ने बताया कि बेटे को स्कूल जाने में काफी दिक्कत होती थी, कभी बस छूट जाती थी तो कभी वापस आने के लिए बस नहीं मिलती थी। उन्होंने इंटरनेट का सहारा लिया और बच्चे के लिए ई-बाइक बनाई। बेटा अब मजे से स्कूल जाता है और अपने समय पर लौट आता है। बेटे किशन साहू ने बताया कि साइकिल को एक बार चार्ज करता हूं तो दो दिन आराम से स्कूल जाता हूं। पिछले 3 साल से इसी से स्कूल आना-जाना कर रहा हूं। पापा ने मेरी तकलीफ को देखा और एक साइकिल कबाड़ से खरीद कर लाए। उसमें बैटरी लगाई, एक्सीलेटर लगाया और अब समय से स्कूल जाता-आता हूं। मुझे अपने पिता पर गर्व है।

संतोष कुमार ने बताया कि जब से बच्चे का वीडियो सोशल मीडिया से लोगों तक पहुंचा, तब से 3 और साइकिल बनाने का ऑर्डर मिला है। इसे तो अपने बेटे के लिए बनाया था और यह मेरी मजबूरी थी, लेकिन मैं चाहता हूं कि उसके पढ़ाई-लिखाई में किसी तरह की परेशानी न हो। उन्होंने ई-बाइक के बारे में बताया कि इसे 6 से 8 घंटे चार्ज करने पर 80 किलोमीटर तक चलती है।

संतोष कुमार वेल्डिंग का काम करते हैं और गांव में उनकी दुकान है। उन्होंने बताया कि अलग-अलग जगह से सामान खरीदकर उसे साइकिल में फिट किया गया। मेहनत तो लगी लेकिन दो दिन में इसे पूरा कर दिया। आज मैं काफी खुश हूं कि मेरा बेटा आराम से स्कूल आना-जाना कर सकता है।

सीआरपीएफ जवान पर चाकू से हमला

आनंदपुर बरिसा गांव का है मामला, पत्नी व बच्चों को पीट रहे पिता को रोका, आरोपी गिरफ्तार

गुमला, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। आनंदपुर बरिसा गांव में गुरुवार को देर रात करीब 9:30 बजे गोविन्द चिक बड़ाइक नामक एक पड़ोसी ने पड़ोस में ही रहने वाले सीआरपीएफ का जवान अरविंद गिद्ध पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया।

इस हमले में जवान का पैर कट गया है। आरोपी न चाकू से उसके पैर में दो बार हमला किया है। जिसके कारण जवान लहूलुहान होकर घायल हो गया। फिर परिजनों ने उसे तत्काल इलाज के लिए सदर अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टरों द्वारा उसका इलाज किया।

इलाज के बाद उसकी स्थिति खतरे से बाहर है। बताया जाता है आरोपी गोविंद बड़ाइक किसी बात को लेकर गुरुवार को देर रात करीब साढ़े 9 बजे अपनी पत्नी और बच्चों के साथ मारपीट कर रहा था। मारपीट के कारण बच्चे जान बचाकर घर से निकलकर इधर उधर भागने लगे। तभी इसी दौरान मौके पर मौजूद जवान बच्चों क इधर उधर भागता देख मामले को समझने के लिए उनके घर पर पहुंच गया। और फिर गोविंद को इस तरह पत्नी व बच्चो को नही पीटने की नसीहत दे डाली। इस नसीहत को सुनने के बाद आरोपी अंदर ही अंदर आक्रोशित हो उठा। इसके बाद जवान अरविंद उसे नसीहत देकर अपने घर वापस लौट गया।

तभी थोड़ी देर बाद आरोपी गोविंद चाकू लेकर उसके घर धमक गया। और जवान से सवाल करने लगा कि तुम कौन होते हो मेरी पत्नी व बच्चो की पिटाई करने से रोकने वाला। फिर वह जवान को गाली गलौज करने लगा। साथ ही मारपीट पर उतारु हो गया।

मारपीट के क्रम में आरोपी ने अपने पॉकेट में छुपा कर लाये चाकू से जवान के पैर में दो बार हमला कर दिया। जिससे जवान घायल हो गया। इधर पूरे घटना की जानकारी मिलने के बाद गुमला थाना की पुलिस गांव पहुंची और आरोपी को पकड़ कर गुमला थाना ले गई। जहां उससे पूछताछ जारी है। इधर इलाजरत जवान ने आरोपी के विरुद्ध थाना में लिखित शिकायत कर एफआईआर दर्ज कराने की बात कही है।

पलामू विधायक आलोक चौरसिया के गांव में फायरिंग

जमीन विवाद को लेकर आपस में उलझे लोग, तीन लोग हुए घायल, मचा हडकंप

पलामू, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। पलामू जिले के चैनपुर थाना क्षेत्र के पूर्णा मझिगांवा में जमीन विवाद को लेकर फायरिंग हो गई। इस घटना में तीन लोग जख्मी हो गए। भरठुआ बंदूक से गोली चलाई गई। सभी को इलाज के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में (एमआरएमसीएच) में भर्ती किया गया है।

घटनास्थल से 2 किलोमीटर दूर डालटनगंज के भाजपा विधायक आलोक चौरसिया का गांव है। दिनदहाड़े हुई गोली चालन की घटना से गांव में हड़कंप मच गया है। सूचना मिलने पर पुलिस छानबीन में जुट गई है। जख्मी का फर्ज बयान लिया जा रहा है। घायलों का हाल-चाल जानने के लिए बड़ी संख्या में लोग एमआरएमसीएच पहुंचे। जानकारी के अनुसाप पूर्णा मझिगांवा में शुक्रवार सुबह 7 बजे जमीन के एक मामले में गोतिया परिवार के दो पक्ष आपस में भिड़ गए। इसी क्रम में एक पक्ष के द्वारा छत से फायरिंग की गई। इस घटना में अखिलेश चौरसिया, सूर्यदेव प्रसाद और सुरेंद्र चौरसिया को गोली का छर्रा लगा। सूर्यदेव प्रसाद के गले में ज़ख्म हो गया है। एक्स-रे रिपोर्ट के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए रांची रिम्स रेफर करने का निर्णय लिया जाएगा। जख्मी अखिलेश प्रसाद चौरसिया ने बताया कि गोली आशुतोष प्रसाद, राजू, जितेंद्र राकेश एवं अन्य ने छत से चलाई। 20 से 25 राउंड गोली चलाई गई। शिवदयाल महतो एवं अन्य के साथ 35 वर्ष से जमीन विवाद चल रहा है। मामला कोर्ट में है। गुरुवार को शिवदयाल महतो एवं अन्य लोगों ने विवादित जमीन की जबरदस्ती जुताई की थी। शुक्रवार सुबह 7 बजे इस मामले में पूछताछ करने के लिए शिवदयाल महतो के घर गए थे। सड़क पर खड़े थे और बातचीत कर रहे थे। इसी क्रम में जमीन खुद की बताते हुए छत से ताबड़तोड़ फायरिंग की गई। सभी को गोली का छर्रा लगा। चैनपुर थाना प्रभारी श्रीराम शर्मा ने बताया कि घटना की जानकारी मिली है। पूरे मामले में जानकारी जुटाई जा रही है। छानबीन कर रही है। इधर घटना की जानकारी मिलने के बाद बड़ी संख्या में परिजन और शुभचिंतक अस्पताल में पहुंच गए हैं।

भाकपा माओवादी नक्सली लातेहार से गिरफ्तार

गुलशन उरांव पर है एक लाख का ईनाम, कुमंडीह रेलवे स्टेशन से धराया

लातेहार, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। भाकपा माओवादी के एक लाख के ईनामी नक्सली को गिरफ्तार कर शुक्रवार को जेल भेज दिया। गिरफ्तार नक्सली गुलशन उरांव उर्फ फुलचंद उरांव पिता नेरू उरांव (हाटा, कुमंडीह, मनिका) का रहने वाला है। इसकी जानकारी बरवाडीह एसडीपीओ भरत राम ने प्रेस वार्ता कर दी। उन्होंने बताया कि एसपी कुमार गौरव की गुप्त सूचना मिली थी कि भाकपा माओवादी के उग्रवादी को कुमंडीह रेलवे स्टेशन के आसपास घूम रहा है। सूचना के सत्यापन के बाद बरवाडीह एसडीपीओ के नेतृत्व में छापेमारी दल का गठन किया गया। गठित टीम जैसे ही कुमंडीह रेलवे स्टेशन के पास पहुंची। पुलिस को देखते ही नक्सली गुलशन उरांव भागने लगा। पुलिस ने घेराबंदी कर गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार नक्सली गुलशन उरांव गोली चलाने में माहिर है। पुलिस के लिए बड़ी उपलब्धि है। गिरफ्तार नक्सली के ऊपर बारेसाढ़ थाना में एक 18 सीएलए के तहत मामला दर्ज हैं। छापेमारी अभियान में मनिका थाना प्रभारी शशि कुमार, आरक्षी उमेश कुमार सिंह, उदित कुमार व तकनीकी शाखा के कर्मी के शामिल थे।

झारखंड से बिहार तक एटीएम लूटने वाला गैंग शिकंजे में

रामगढ़, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। झारखंड पुलिस ने 14 एटीएम से करीब 50 लाख रुपये लूटने के आरोप में एक अंतरराज्यीय गिरोह के पांच सदस्यों को हरियाणा और बिहार से गिरफ्तार किया। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। रामगढ़ के पुलिस अधीक्षक अजय कुमार ने बताया कि गिरोह ने 23 अगस्त को रामगढ़ थाना क्षेत्र के गोला रोड स्थित एटीएम से 1.30 लाख रुपये लूटने की वारदात को अंजाम दिया था, जिसके बाद विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया गया। उन्होंने बताया कि उसी दिन गिरोह ने चतरा जिले में एटीएम से 17.95 लाख रुपये लूटे और अगले दिन बिहार के नवादा जिले में 29.50 लाख रुपये की लूट को अंजाम दिया। अधिकारी ने बताया कि एसआईटी ने गिरोह के सरगना आसिफ उर्फ गंजा (25) को 30 सितंबर को हरियाणा के नूंह जिले से गिरफ्तार किया। इसके बाद पुलिस ने उससे कड़ाई से पूछताछ की। पुलिस की पूछताछ के आगे आसिफ उर्फ गंजा टिक नहीं पाया। इसके बाद उसने तोते की तरह अपने गैंग के बारे में सब कुछ बताना शुरू कर दिया। फिर किंगपिन आसिफ से मिली जानकारी के आधार पर बुधवार को बिहार के विभिन्न स्थानों से चार और सदस्यों को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान असलम मियां (53), अविनाश गिरी (35), सुनील गिरी (30) और गुड्डू सिंह (25) के रूप में हुई है।

बीजेपी एमएलए इंद्रजीत महतो 4 साल से आईसीयू में

अब पत्नी तारा देवी संभालेंगी विरासत! लाल झंडा की होगी वापसी

धनबाद, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। धनबाद जिले के छह विधानसभा क्षेत्र में सिंदरी विधानसभा में इस बार का चुनाव दिलचस्प होने वाला है। कभी सिंदरी विधानसभा में कम्युनिस्ट पार्टी का राज हुआ करता था। पर पिछले डेढ़ दशक से इस सीट पर भाजपा का कब्जा है। अब 2024 के विधानसभा चुनाव में यहां त्रिकोणीय मुकाबला होने के आसार हैं।

अब 2024 के चुनाव में सिंदरी विधानसभा में त्रिकोणीय मुकाबला होने की संभावना है। 2019 के चुनाव में भाजपा प्रत्याशी इंद्रजीत महतो को 80967 वोट मिले थे। जबकि मासस की सीट से चुनाव लड़ रहे आनंद महतो को 72714 मत प्राप्त हुए। विधायक बनने के कुछ महीने बाद ही इंद्रजीत महतो गंभीर रूप से बीमार हो गए । जो आज भी इलाजरत हैं। अब 2024 के चुनाव में उनकी पत्नी तारा देवी को भाजपा अपना प्रत्याशी बनाने जा रही है। तारा देवी पहले से ही समाजसेवा के क्षेत्र में रह चुकी हैं और जिला परिषद की सदस्य भी रहीं हैं। ऐसे में वो अपने पति के राजनीतिक विरासत को संभालने के लिए तैयार है।

मासस की टिकट पर आनंद महतो के पुत्र बबलू महतो को मैदान में उतारने की तैयारी है। इससे पहले आनंद महतो पिछले कई चुनाव में मैदान में उतर रहे थे और वर्ष 2000 से लेकर 2019 के चुनाव में वो दूसरे स्थान पर रहे। लेकिन जीत हासिल नहीं कर सके। इस बार आनंद महतो की जगह बबलू महतो के चुनाव मैदान में उतरने की चर्चा है।

इधर जयराम महतो अभी अपने प्रत्याशी को भी चुनाव में उतारने की तैयारी में है। जिससे मुकाबला त्रिकोणीय होने की संभावना है। जयराम महतो की ओर से उम्मीदवारों की पहली सूची 3 अक्टूबर को जारी कर दी गई, लेकिन पहली लिस्ट में सिंदरी से उम्मीदवार का ऐलान नहीं किया गया है।

वर्ष 2021 के अप्रैल महीने में इंद्रजीत महतो कोरोना संक्रमित हो गए थे। उनका इलाज हैदराबाद के एक अस्पताल में चल रहा है। वे विधानसभा की बैठकों में लगातार अनुपस्थित चल रहे थे। संवैधानिक प्रावधानों के मुताबिक लगातार 60 बैठकों तक अनुपस्थित होने पर सदस्यता रद्द करने का प्रावधान है, इस कारण वर्ष 2023 के मॉनसून सत्र में ही उनकी सदस्यता समाप्त हो जाती, लेकिन स्पीकर ने मानवीय आधार पर अपने स्तर से पहल की। इसके साथ ही विधानसभा में उनकी अनुस्थिति को क्षम्य करने का प्रस्ताव लाया गया, जिसका सभी सदस्यों ने समर्थन किया।

6 अक्टूबर से झारखंड के 9 जिलों में होगी बारिश

आकाशीय बिजली गिरने की भी आशंका
दुर्गा पूजा के बाद गुलाबी ठंड देगी दस्तक

रांची, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद के अनुसार, दक्षिणी हिस्से में 6 अक्टूबर से तीन दिन तक आकाशीय बिजली के साथ-साथ रुक-रुक कर छिटपुट बारिश हो सकती है। जबकि संताल परगना के इलाके में हल्की और मध्यम दर्जे की बारिश हो सकती है। जिन जिलों में बारिश होगी उसमें पूर्वी-पश्चिमी सिंहभूम, सिमडेगा, सरायकेला-खरसावां, देवघर, दुमका, गोड्डा, पाकुड़, साहिबगंज शामिल है। इसे लेकर यलो अलर्ट जारी किया गया है।

झारखंड से मानसून की विदाई 15 अक्टूबर से हो जाएगी। इससे पहले राज्य के कई हिस्सों में बारिश की संभावना है। मौसम विभाग की रिपोर्ट में बताया गया है कि बंगाल की खाड़ी में निम्न दबाव की हलचल शुरू हो गई है।

दुर्गा पूजा के बाद पड़ने लगेगी हल्की ठंड

मौसम विभाग के मुताबिक दुर्गापूजा के बाद राज्य में गुलाबी ठंड पड़ने लगेगी। राज्य के मौसम की बात करें तो बीते 24 घंटे में सबसे अधिक आठ मिमी बारिश लातेहार में हुई। वहीं, शाम में बोकारो, हजारीबाग, रामगढ़, जामताड़ा, लातेहार, दुमका में वज्रपात के साथ हल्की व मध्यम दर्जे की बारिश हुई। राजधानी रांची में 4 और 5 अक्टूबर को आंशिक बादल छाए रहेंगे। अधिकतम तापमान 31 रह सकता है। 5 अक्टूबर को रांची में गरज के साथ वर्षा होने की संभावना है। इसके बाद राज्य के अधिकतम तापमान में धीरे-धीरे गिरावट आने लगेगी। 6 अक्टूबर को रांची का अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस और 7 अक्टूबर को 29 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। न्यूनतम तापमान दोनों दिन 23 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है।

इजरायल के पीएम नेतन्याहू क्यों बनना चाहते हैं विंस्टन चर्चिल?

ईरान पर बार-बार हमले की धमकी देने की क्या है वजह

तेल अवीव, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। मार्च, 2015 की बात है, जब अमेरिका के प्रतिष्ठित अखबार न्यूयॉर्क टाइम्स में 1993 में ओस्लो शांति समझौते के खिलाफ एक आलोचनात्मक लेख छपा, जिसमें कहा गया था कि नेतन्याहू ने फिलिस्तीनियों के साथ शांति को लेकर पूर्व पीएम यित्जाक रॉबिन की तुलना नेविल चेंबरलेन से की थी। लेख में ईरान के साथ परमाणु समझौते को बेकरार नेतन्याहू के बारे में कहा गया था कि वह खुद को दुनिया बचाने वाले नायक के रूप में देखते हैं। दरअसल, नेतन्याहू आतंकी समूहों जैसे हिजबुल्लाह और हमास के साथ-साथ ईरान के हमले होने पर अकसर ये धमकी देते नजर आते हैं कि वह किसी भी कीमत पर अपने दुश्मनों से बदला लेकर रहेंगे। उनके मंत्री दिग्गज भारतीय हीरो रहे राजकुमार का वो मशहूर डायलॉग मारते नजर आते हैं कि हम मारेंगे, मगर जगह और समय हम तय करेंगे। ऐसी बयानबाजियां कुछ समय के लिए भले ही इजरायलियों को अच्छी लगें, मगर हकीकत में उन्हें इससे फर्क नहीं पड़ता है। इजरायली ऐसी

राजनीतिक बयानबाजियों को ज्यादा तवज्जो देते नजर नहीं आते हैं। यही वजह है कि बीते साल 7 अक्टूबर को इजरायल पर हमले के बाद से ही इजरायली कई बार नेतन्याहू के खिलाफ प्रदर्शन कर चुके हैं।

क्या चर्चिल कॉम्प्लेक्स से जूझ रहे नेतन्याहू?

इजरायली अखबार हारेत्ज के एक इजरायली स्तंभकार और 'माई प्रॉमिस्ड लैंडः द ट्राइंफ एंड ट्रेजेडी ऑफ इजराइल (2013) के लेखक अरी शावित के अनुसार, नेतन्याहू तीन दशकों से खुद को ब्रिटेन के महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री रह चुके विंस्टन चर्चिल के रूप में मानते हैं। उन्होंने खुद को पश्चिम के उद्धारकर्ता की शानदार भूमिका में ढाल लिया है। यह ठीक वैसे ही जैसे द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान चर्चिल यह मानते थे कि दुनिया पर राज करना उनके देश का जन्मसिद्ध अधिकार है और दुनिया के उनकी बात मानेगी। उनका कहना है कि यह एक तरह का चर्चिल कॉम्प्लेक्स है, जिसमें नेतन्याहू हकीकत से परे खुद को हीरो के रूप में देखते हैं। नेतन्याहू कई इंटरव्यू में यह कह चुके हैं कि ईरान 21वीं सदी का नाजी जर्मनी है, वहीं इजरायल 21वीं सदी का ग्रेट ब्रिटेन है। और वह खुद चर्चिल हैं। इस वक्त भी नेतन्याहू चर्चिल के चाहने वाले की तरह व्यवहार कर रहे हैं। उनका मानना है कि इजरायल उनके वैश्विक कद के हिसाब से काफी छोटा देश है। नेतन्याहू खुद की तुलना अक्सर चर्चिल के अलावा अमेरिकी राष्ट्रपति रहे फ्रैंकलिन डेलानो रूजवेल्ट से भी करते रहे हैं, जो अमेरिका के महानतम राष्ट्रपतियों में से एक माने जाते हैं। द्वितीय विश्वयुद्ध 1940-1945 के समय ब्रिटेन के प्रधानमंत्री रहे चर्चिल को भारतीयों की नेतृत्व क्षमता पर कभी भरोसा नहीं होता था। इसलिए वो कहा करते थे कि अगर भारत का नेतृत्व भारतीयों को सौंप दिया जाएगा तो इंडियन कभी इस देश को नहीं चला पाएंगे। उनकी नीतियों की वजह से बंगाल में उस वक्त इतना भीषण अकाल पड़ा कि 30 लाख लोग मारे गए थे। चर्चिल को भी यह मुगालता रहता था कि वह दुनिया को बचा रहे हैं। इसके बावजूद जब विश्वयुद्ध खत्म हुआ तो ब्रिटिश साम्राज्य का सूरज पूरी दुनिया में अस्त हो गया।

नेतन्याहू अक्सर तब घिर जाते हैं, जब इजरायल फिलिस्तीनी आतंकवादी समूह हमास के खिलाफ गाजा पट्टी में लड़ाई करता है। इसके लिए इजरायल को कई बार गहन अंतरराष्ट्रीय जांच का सामना भी करना पड़ा है। अंतरराष्ट्रीय पर्यवेक्षकों और सहायता समूहों ने भी कई बार गाजा पट्टी में बड़ी संख्या में मारे गए नागरिकों को लेकर इजरायली सरकार की आलोचना की है।

नेतन्याहू पर इजरायली नागरिकों के मारे जाने के आरोप

नेतन्याहू पर कई बार ये भी आरोप लगे हैं कि उनके कार्यकाल के दौरान बड़ी संख्या में निर्दोष इजरायली नागरिक मारे गए। बीते कुछ महीने पहले ही बंधक संकट में भी नेतन्याहू के कमजोर नेतृत्व को लेकर सवाल उठे थे। यह आरोप लगता है कि इजरायल नागरिक हताहतों की संख्या को कम करने में विफल रहा है। वहीं, नेतन्याहू अक्सर ये तर् देते दिखते हैं कि इजरायल डिफेंस फोर्सेज ने 2003 के इराक युद्ध के दौरान इराकी शहर फालुजा में अमेरिकी सेना की तुलना में बेहतर प्रदर्शन किया था। नेतन्याहू डेमोक्रेटिक राजनेताओं और उदार बुद्धिजीवियों का तिरस्कार करते हैं, जिन्हें वह कमजोर लोगों के रूप में देखते हैं। इस जटिलता के कारण उन्हें नागरिक नेता नहीं माना जाता है। ज्यादातर लोग ये मानते हैं कि नेतन्याहू को सामाजिक न्याय, मानवाधिकार और कानून के शासन से कोई सरोकार नहीं है। उनके राष्ट्र की कहानी 21वीं सदी में पश्चिम की परस्पर विरोधी संस्कृतियों के बीच एक शक्तिशाली संघर्ष की कहानी है। एक इंटरव्यू में नेतन्याहू की नजर में अयातुल्लाह खामनेई ईरान के शैतान हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति रह चुके बराक ओबामा बेहद कमजोर रहे हैं।

भारतीय मूल के मंत्री पर भ्रष्टाचार के मामले में कारोबारी भी शामिल

उपहार लेने के लिए उकसाने का आरोप

सिंगापुर, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। सिंगापुर में भारतीय मूल के पूर्व परिवहन मंत्री एस. ईश्वरन को हाई कोर्ट ने भ्रष्टाचार के मामले में 12 महीने की सजा सुनाई थी। शुक्रवार को एक प्रोपर्टी कारोबारी पर ईश्वरन के मामले में शामिल होने का आरोप लगाया गया है। 78 वर्षीय ओंग बेंग सेंग पर एक लोक सेवक को उपहार लेने के लिए उकसाने और न्याय में बाधा डालने का आरोप है। पूर्व मंत्री ईश्वरन को उपहार के तौर पर फॉर्मूला वन (एफ1) का टिकट और ओंग से दोहा की यात्रा जैसी चीजें प्राप्त करने के लिए दोषी ठहराया गया था। कोर्ट के दस्तावेजों के अनुसार, दिसंबर 2022 में ओंग ने ईश्वरन को प्राइवेट विमान पर लगभग 7,700 अमेरिकी डॉलर की कीमत पर सिंगापुर से दोहा की यात्रा की पेशकश करके एक मूल्यवान वस्तु प्राप्त करने के लिए उकसाया था। उन्होंने दोहा के एक होटल में 4,737.63 सिंगापुर डॉलर के मूल्य पर एक रात ठहरने और ईश्वरन के लिए दोहा से सिंगापुर के लिए एक बिजनेस क्लास की उड़ान की भी व्यवस्था की थी।

राष्ट्रपति दिसानायके से मिले जयशंकर

श्रीलंका के आर्थिक पुनर्निर्माण में समर्थन का दिया आश्वासन

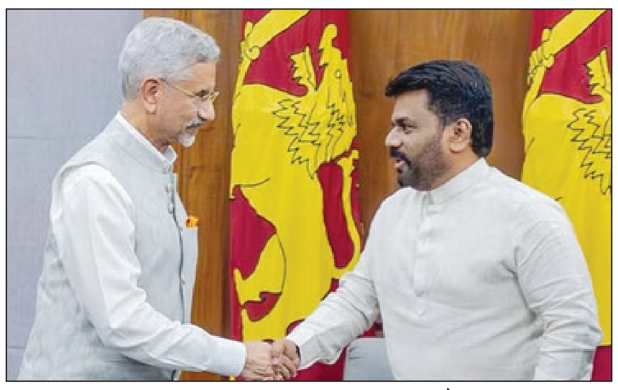

कोलंबो, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शुक्रवार को श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके से मुलाकात की। उन्होंने दोनों देशों के बीच जारी सहयोग को बढ़ाने और संबंधों को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। उन्होंने श्रीलंका की अर्थव्यवस्था के पुनर्निर्माण में भारत की ओर से निरंतर समर्थन का आश्वासन दिया। जयशंकर आज सुबह एक दिवसीय दौरे पर श्रीलंका पहुंचे। उनका यह दौरा तब हुआ है, जब हाल ही में राष्ट्रपति चुनाव में जीत के बाद दिसानायके ने देश की कमान संभाली है। विदेश मंत्री ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, राष्ट्रपति दिसानायके से मिलने का अवसर मिला। उनकी सकारात्मक भावनाओं और भारत-श्रीलंका संबंधों के लिए मार्गदर्शन की सराहना की। हमने दोनों देशों और क्षेत्र के लोगों के लाभ के लिए जारी सहयोग को और गहरा करने के तरीकों पर चर्चा की। 23 सितंबर को दिसानायके के राष्ट्रपति बनने के बाद जयशंकर पहले विदेशी मेहमान हैं। उनका स्वागत श्रीलंका के विदेश मंत्री अरुणी विजेवर्दना और भारत के उच्चायुक्त संतोष झा ने किया। इससे पहले जयशंकर ने अपने श्रीलंकाई समकक्ष विजिथा हेराथ से भी मुलाकात की। इस मुलाकात पर उन्होंने कहा, आज कोलंबो में विजिथा हेराथ के साथ व्यापक और विस्तृत चर्चा की और उन्हें नई जिम्मेदारियों को संभालने के लिए एक बार फिर से बधाई दी।

पाकिस्तानी शिया और बरेलवी खुश नहीं

जाकिर नाइक को बुलाकर क्या मकसद पूरा कर रहे शहबाज

इस्लामाबाद, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। विवादित इस्लामी उपदेशक जाकिर नाइक इस समय पाकिस्तान में है। शहबाज शरीफ की सरकार के न्योते पर जाकिर पाकिस्तान में पहुंचा है। पाकिस्तान की सरकार जाकिर के स्वागत में बिछी हुई दिख रही है और शहबाज शरीफ समेत तमाम बड़े नेता उससे मिले हैं। वहीं पाकिस्तान की सिविल सोयायटी, पत्रकारों और कई वर्गों ने जाकिर को बुलाने और स्पेशल ट्रीटमेंट देने पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं।

पाकिस्तान के जानेमाने पत्रकार उमर चीमा ने इसे शरीफ सरकार की वहाबी मुस्लिमों को खुश करने की कोशिश बताया है। उमर चीमा ने अपने यूट्यूब पर एक वीडियो में जाकिर नाइक के पाकिस्तान आने पर उठ रहे सवालों पर कहा, 'जाकिर नाइक को स्टेट गेस्ट के तौर पर पाकिस्तान आने पर कई वर्ग एतराज जता रहे हैं तो आखिर उनको क्यों बुलाया गया। दरअसल इसकी एक बड़ी वजह ये है कि पाकिस्तान का वहाबी गुट चाहता था कि जाकिर नाइक आएं। ऐसे में शिया और बरेलवियों की नाराजगी के बावजूद उनको बुलाया गया है।'

वहाबी सोच को आगे बढ़ाते हैं जाकिरः चीमा

चीमा ने आगे कहा, 'जाकिर नाइक इस्लाम की वहाबी विचारधारा को फॉलो करते और आगे बढ़ाते हैं। हालांकि वह ऐसा नहीं कहते हैं लेकिन उनकी प्रैक्टिस से ये साफ है कि वो वहाबी हैं। ऐसे में शिया और बरेलवियों का तबका नहीं चाहता था कि जाकिर नाइक पाकिस्तान में आएं और उनकी सोच के उलट का एक आदमी यहां अपनी तकरीर दें।'

चीमा ने आगे कहा कि जाकिर नाइक को बुलाने के पीछे तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान

(टीएलपी) को काउंटर करने की कोशिश भी हो सकती है। सरकार ये चाहती हो कि टीएलपी की काट की तरह से जाकिर को इस्तेमाल किया जाए। उन्होंने कहा कि एक पहलू ये भी है कि जाकिर नाइक भारत में बैन हैं तो उनको बुलाकर एक तबके को खुश किया जाए।

'जाकिर नाइक को बुलाना समझ से परे'

पाकिस्तान के राजनीतिक टिप्पणीकार कमर चीमा की जाकिर नाइक के दौरे पर सवाल उठा चुके हैं। उन्होंने पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार से सीधा सवाल किया है कि आखिर जाकिर नाइक को किस हैसियत से बुलाया गया है और क्यों स्टेट गेस्ट का दर्जा सरकार उसे दे रही है।

पाकिस्तान सरकार के जाकिर नाइक को बुलाने के फैसले की आलोचना करने वालों में हुसैन हक्कानी जैसे पाकिस्तान के वरिष्ठ राजनयिक भी शामिल हैं। हक्कानी ने कहा है कि जाकिर नाइक को बुलाकर पाकिस्तान ने अपनी असहिष्णु और कट्टरपंथी छवि को ही मजबूत किया है। जाकिर नाइक भारत के मुंबई से है। भारत में कई गंभीर मामलों में उस पर मुकदमें दर्ज हैं और अदालत उसे भगोड़ा घोषित कर चुकी है। कई मुकदमें दर्ज होने पर गिरफ्तारी से बचने के लिए 2016 में जाकिर भारत से भाग गया था। बीते काफी समय से वह मलेशिया में रह रहा है।

किम जोंग ने दी परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की धमकी

द. कोरिया या अमेरिका ने हमला किया तो भुगतेगा

प्योंगयांग, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर कोरिया ने एक बार फिर अपने दुश्मनों के खिलाफ परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की धमकी दी है। तानाशाह किम जोंग उन ने कहा है कि अगर दक्षिण कोरिया और उसके सहयोगी संयुक्त राज्य अमेरिका ने प्योंगयांग पर हमला बोला तो उनकी सेना बिना किसी हिचकिचाहट के परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करेगी। उत्तर कोरिया के एक अधिकारी के हवाले से मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि किम ने कहा है कि अगर दुश्मन डेमोक्रेटिक रिपब्लिक पीपुल्स ऑफ कोरिया (डीआरपीके) की संप्रभुता पर चोट पहुंचाने के लिए सशस्त्र बलों का उपयोग करने का प्रयास करता है तो डीपीआरके बिना किसी हिचकिचाहट के अपने पास मौजूद सभी खतरनाक ताकतों का उपयोग करेगा।

संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तानी आतंकवाद पर भारत की दहाड़

जमकर बोला हमला, दुनिया को दिखाया 'आतंकिस्तान' का असली चेहरा

न्यूयॉर्क, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र में भारत ने आतंकवाद को लेकर एक बार फिर पाकिस्तान को सुनाया है। यूएन में भारत के प्रतिनिधि ने गुरुवार को कहा, 'आतंकवाद दुनिया की शांति के लिए खतरा है। आतंकवाद पूरी दुनिया की सुरक्षा पर बड़ा खतरा है। क्रॉस बॉर्डर नेटवर्क भी इनमें से एक हैं। आतंकियों ने टेक्नोलॉजी से अपनी ताकत बढ़ा ली है। वह आज के समय ड्रोन से लैस हो चुके हैं। आतंकवाद से अंतर्राष्ट्रीय सहयोग से हराया जा सकता है, जो कि राजनीतिक बंटवारे के कारण भ्रामक बना हुआ है।' भारत की ओर से आगे कहा गया कि आतंकवाद से कैसे लड़ा जाए इस पर दुनिया अभी एकमत नहीं हो सकी है। भारतीय प्रतिनिधि ने कहा, 'आतंकवाद पर दुनिया 9/11 के हमलों के बाद जागी है। नवंबर 1996 में भारत ने अंतर्राष्ट्रीय आतंकवाद पर एक व्यापक सम्मेलन के पहले मसौदे को प्रसारित करने की पहल की। इसे लगभग 30 वर्ष होने वाले हैं पर सहमति नहीं बनी है।' भारत ने आगे पाकिस्तान की ओर से भेजे जाने वाले आतंकवाद का भी जिक्र किया। भारतीय प्रतिनिधि ने कहा, 'दुनिया ने जब आतंकवाद को गंभीरता से नहीं लिया था तब से भारत सीमा पार आतंकवाद का सामना कर रहा है। पिछले तीन दशक में भारत के हजारों लोग मारे गए हैं। 2008 का मुंबई आतंकी हमला, 2016 का पठानकोट एयरबेस हमला और 2019 में पुलवामा में आत्मघाती हमला इनमें से एक है। भारत जीरो टॉलरेंस दिखाते हुए आतंकवाद से लड़ेगा।'

पाकिस्तान का नाम लिए बिना भारत ने उसे जमकर सुनाया। प्रतिनिधि ने कहा, 'यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हममें से कुछ संकीर्ण राजनीतिक एजेंडे से प्रेरित होकर आतंकवाद को उचित ठहराने की कोशिश करते हैं। ऐसे देशों के कारण आतंकवाद से लड़ने का संकल्प ध्वस्त हो जाता है।

उन्होंने आगे कहा, 'ऐसे देशों के कारण 15 साल बाद भी 26/11 मुंबई हमलों के मास्टरमाइंड आज भी सरकारी सुविधाओं के साथ इन देशों में घूमते हैं। ऐसे देश सिर्फ आतंकवाद को उचित ही नहीं ठहराते,बल्कि इनकी सरकारें और एजेंसियां इसे अपनी स्टेट पॉलिसी बना लेती हैं। अपने कुख्यात एजेंडे से दुनिया का ध्यान भटकाने के लिए ऐसे देश खुद को आतंकवाद पीड़ित के रूप में पेश करते हैं। संयुक्त राष्ट्र की ओर से प्रतिबंधित आतंकी संगठन जैसे लश्कर ए तैयबा, जैश ये मोहम्मद भारत की जमीन पर हमले करते रहे हैं। मजबूत कानूनी ढांचा स्थापित करने की जरूरत है।'

अमेरिकी रिपोर्ट में दावा- भारत में अल्पसंख्यकों पर हमले हुए

भारत का जवाब-यह हमारे खिलाफ प्रोपेगैंडा, हमारी छवि खराब करने की कोशिश

वाशिंगटन, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत ने गुरुवार को अमेरिका की धार्मिक आजादी की रिपोर्ट को खारिज कर दिया है। भारत के विदेश मंत्रालय ने कहा कि धार्मिक मामलों पर बना अमेरिकी कमीशन यूएससीआईआरएफ निष्पक्ष संस्था नहीं है। यह भारत को लेकर गलत तथ्य पेश करके हमारी छवि खराब करना चाहता है। हम उनकी रिपोर्ट को खारिज करते हैं। दरअसल, अमेरिकी कमीशन ने 2 अक्टूबर को धार्मिक स्वतंत्रता पर एक रिपोर्ट जारी की थी। इसमें कहा गया था कि भारत में धार्मिक अल्पसंख्यकों को लेकर झूठ फैलाया गया और इसकी बुनियाद पर उन पर हमले किए गए। इसके अलावा उनके पूजा स्थलों को भी निशाना बनाया गया। इस पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि कमीशन को एक एजेंडा पर आधारित रिपोर्ट शेयर करने से बचना चाहिए। उसे अपने समय का इस्तेमाल अमेरिका में

मानवाधिकार से जुड़े मुद्दे उठाने पर करना चाहिए। यूएससीआईआरएफ ने अपनी रिपोर्ट में अमेरिकी विदेश मंत्रालय से भारत को चिंता वाले देशों की सूची में रखने की मांग की थी। यह पहली बार नहीं है जब अमेरिकी कमीशन ने भारत में धार्मिक स्वतंत्रता को लेकर सवाल उठाए हैं। इससे पहले मई में आई एक रिपोर्ट पर विदेश मंत्रालय ने कहा था कि हम यूएससीआईआरएफ से कभी यह उम्मीद नहीं करते हैं कि वह भारत की विविधता और लोकतांत्रिक मूल्य को समझ सकता है। वह सिर्फ भारत के चुनाव में दखल देने की कोशिश कर रहा है, जो कभी सफल नहीं होगी। मई में लोकसभा चुनाव के वक्त अमेरिकी मीडिया में भी भारत में धार्मिक आजादी को लेकर कई रिपोर्ट्स सामने आई थीं। इसमें कहा गया था कि भारत के चुनाव मुसलमानों के खिलाफ हैं। उन्हें उनके ही देश में दरकिनार किया जा रहा है। हालांकि बाद में अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने इन रिपोर्ट्स पर सफाई भी दी थी। मंत्रालय ने कहा था कि अमेरिका दुनियाभर में धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार की रक्षा करने के लिए हमेश तैयार रहता है।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार बंद हो

न्यूयॉर्क के आसमान में विशाल बैनर देख चौंके लोग

न्यूयॉर्क, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिका के न्यूयॉर्क में आज सुबह लोग आसमान में एक विशाल बैनर को देखकर चौंक गए। दरअसल इस बैनर में लिखा था कि बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा बंद होनी चाहिए। यह विशाल बैनर हडसन नदी के ऊपर और विश्व प्रसिद्ध स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी के ऊपर हवा में लहराते देखा गया। बांग्लादेश मूल के हिंदू समुदाय के सितांशु गुहा ये बैनर लहराने वाले लोगों में शामिल हैं। सितांशु ने कहा कि लोगों में बांग्लादेशी हिंदुओं की मुश्किलों के प्रति जागरुकता फैलाने के उद्देश्य से ऐसा किया गया था। यह विशाल बैनर एक हवाई जहाज के पीछे बांधा गया था, जैसे ही हवाई जहाज न्यूयॉर्क के ऊपर से उड़ा तो आसमान में हिंदुओं पर अत्याचार का विशाल बैनर हवा में लहराता दिखाई दिया। अमेरिकी कांग्रेस के प्रस्ताव के अनुसार, साल 1971 में हुए नरसंहार में 28 लाख लोग मारे गए थे और इस दौरान दो लाख महिलाओं के साथ दुष्कर्म हुआ, जिनमें अधिकतर हिंदू महिलाएं शामिल थीं। उसके बाद से ही बांग्लादेश में हिंदू जनसंख्या में गिरावट जारी है और 1971 में जहां बांग्लादेश में हिंदू जनसंख्या 20 प्रतिशत थी, वो अब घटकर 8.9 प्रतिशत रह गई है। अब बांग्लादेश में शेख हसीना की सरकार गिरने और वहां नई कार्यवाहक बनने के बाद से अल्पसंख्यक हिंदुओं के खिलाफ हिंसा की घटनाएं बढ़ी हैं। एक अन्य आयोजक पंकज मेहता ने कहा कि अब समय आ गया है, जब मानवाधिकार परिषद राजनीति को किनारे रखकर 1971 में बांग्लादेश में हुए नरसंहार को मान्यता दे। यह द्वितीय विश्व युद्ध के बाद दूसरा सबसे बड़ा नरसंहार है। अमेरिका के तीन संगठन पहले ही इस नरसंहार को मान्यता दे चुके हैं, जिसमें पाकिस्तान के सुरक्षाबलों ने इस्लामी सहयोगियों के साथ मिलकर हिंदू अल्पसंख्यकों को निशाना बनाया था। एक अन्य आयोजक सुरजीत चौधरी ने भी अमेरिका की सरकार से अपील की कि बांग्लादेश सराकर हिंदू समुदाय के खिलाफ हिंसा को रोकने के लिए दबाव बनाए। बांग्लादेश में कट्टरपंथी ताकतों का उभार चिंता का विषय है और इससे भारत को भी खतरा है। आयोजकों ने अमेरिका के लोगों से बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा रुकने तक बांग्लादेशी कपड़ों का बायकॉट करने की अपील की। बांग्लादेश के कुल निर्यात का 85 फीसदी कपड़ा ही है। दावा किया जा रहा है कि बांग्लादेश में करीब दो लाख हिंदू हिंसा, लिंचिंग, अपहरण और जबरन नौकरी से इस्तीफा दिलाने जैसी प्रताड़ना झेल रहे हैं। बांग्लादेश में फिलहाल 1.3 करोड़ से 1.5 करोड़ हिंदू रह रहे हैं। 5 अगस्त 2024 को शेख हसीना की सरकार के सत्ता से बेदखल होने के बाद से हिंदुओं पर हजारों की तादाद में हमले हुए हैं।

अपने देश को छोटा दिखाना कांग्रेस सांसद की पसंद

राहुल गांधी पर भड़के केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल

वॉशिंगटन, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल इनदिनों अमेरिका दौरे पर हैं। शुक्रवार को उन्होंने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को विनिर्माण कहानी के बारे में जानकारी कम है, इसलिए उन्हें राहुल के प्रति सहानुभूति हैं। केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि राहुल गांधी उन नौकरियों के नुकसान के बारे में नहीं जानते हैं, जिनके बारे में वे बात करते हैं। पीयूष गोयल शुक्रवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने भड़कते हुए कहा कि अपने देश को छोटा दिखाना कांग्रेस नेता की अपनी पसंद है। लेकिन घरेलू राजनीति को विदेशी धरती पर लाना उचित नहीं। पीयूष गोयल ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए उनपर तंस कसा। उन्होंने कहा, विनिर्माण कहानी पर राहुल गांधी की कम जानकारी के प्रति मुझे सहानुभूति है, क्योंकि मुझे मालूम नहीं कि वे कौन सी नौकरियां जाने की बात कर रहे हैं। हम विदेशी जमीन पर हैं और हम यहां घरेलू राजनीति को लाना उचित नहीं समझते। विदेशों में अपने देश को छोटा दिखाया, यह उनकी पसंद है। उन्होंने आगे कहा, अपने लोगों की समृद्धि में सुधार को लेकर पूरा भारत एकजुट है। हम 2047 तक एक समृद्ध और विकासशील राष्ट्र बनाने की तरफ काम कर रहे हैं। आने वाले वर्षों में भारतीय लोगों के जीवन को बहतर बनाने के लिए हम एकजुट होकर काम कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ने उन लोगों की भी आलोचना की जो भारतीय बाजार में चीन के प्रभाव को बढ़ावा दे रहे हैं। उन्होंने कहा, आज पूरी दुनिया जानती है कि चीन की अर्थव्यवस्था अपारदर्शी है। चीन खराब चीजों के लिए जाना जाता है।

बराक ओबामा ने खास अंदाज में मनाई शादी की सालगिरह

वॉशिंगटन, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा और उनकी पत्नी मिशेल ओबामा ने बुधवार को अपनी शादी की 32वीं सालगिरह मनाईं। दोनों ने 1992 में शादी की थी। इस खास मौके पर उन्होंने सोशल मीडिया पर एक-दूसरे के लिए संदेश साझा किए। बराक ओबामा ने अपने पोस्ट पर मिशेल के साथ तस्वीर साझा की। वहीं, मिशेल ओबामा ने इसी तस्वीर को साझा करते हुए आभार जताया। दोनो के पोस्ट पर यूजर्स ने जमकर कमेंट करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दिए। पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने तस्वीर शेयर करते हुए कहा, शादी की सालगिरह मुबारक मिशेल ओबामा। हमें एकसाथ 32 साल हो गए और मैं जीवन बिताने के लिए इससे बेहतर साथी और मित्र की उम्मीद नहीं कर सकता। मिशेल ने कहा, मेरे प्रियतम के साथ एक्शन से भरपूर 32 साल पूरे हुए। इन सबके बीच हमेशा मेरा साथ देने, मेरे साथ रहने और मुझे मुस्कुराने के तरीके ढूंढने के लिए धन्यवाद। मैं आपसे बहुत प्यार करती हूं। उनके पोस्ट के कमेंट सेक्शन में इंटरनेट यूजर्स ने बराक और मिशेल ओबामा की तारीफ की और उन्हें बधाई दी।

प्राचीन ऊनी गैंडे का शव मिला

32000 साल पहले मरे जानवर को देख वैज्ञानिक हैरान

मॉस्को, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। वैज्ञानिकों ने साइबेरिया की बर्फ में एक बड़ी खोज की है। यहां की बर्फ में एक युवा वुली गैंडे का जमा हुआ शरीर मिला है। यह शव पूरी तरह से ममीकृत है, जिसे हजारों साल पहले शिकारियों ने खाया था। ऊनी गैंडे का दाहिना भाग अच्छी तरह से संरक्षित है, जिसमें त्वचा और फर के धब्बे हैं जो हजारों साल से उसी तरह बरकरार हैं, जैसे वह शुरुआत में थे। लेकिन इसका बायां हिस्सा दिखाता है कि इसके ऊपर हमला हुआ था। यह जख्म मरने से कुछ समय पहले या बाद के घंटों के हैं। रूसी विज्ञान अकादमी और सखा गणराज्य के विज्ञान अकादमी के शोधकर्ताओं ने शव से जुड़ी स्टडी लिखी जो डोकलाडी अर्थ साइंसेज जर्नल में 1 जुलाई को छपी है। उन्होंने इसमें लिखा, 'जांघ के ऊपरी भाग से लेकर कंधे तक शव गंभीर रूप से नष्ट हो गया है। शरीर के आंतरिकहिस्से दिखने लगे हैं। ज्यादातर आंतें गायब हैं।' शोधकर्ताओं ने लिखा, 'क्षत-विक्षत शव से यह साफ है कि शिकारियों ने इसका बायां हिस्सा खा लिया था।' शोधकर्ताओं ने आगे लिखा, 'फर में लगे छोटे क्रस्टेशियंस के अवशेष यह संकेत देते हैं कि ऊनी गैंडे (कोएलोडोंटा एंटिकिटेटिस) की मौत उथले पानी में हुई थी।' रेडियोकार्बन डेटिंग से पता चलता है कि वुली गैंडा 32000 साल पहले मर गया और फिर जम गया। वुली गैंडा 460,000 से 12000 साल पहले आखिरी हिमयुग के दौरान ऊनी गैंडे आर्कटिक टुंड्रा में घूमते थे। ये विशालकाय जानवर थे। वुली मैमथ के बाद यह दूसरे सबसे विशालकाय शाकाहारी जीव थे। वुली मैमथ की ही तरह गैंडे भी अपने झबरे फर के कारण ठंड से बचे रहते थे।

अमेरिका का नेतृत्व करने के लिए उपयुक्त नहीं

पूर्व रिपब्लिकन सांसद ने की ट्रंप की आलोचना

वॉशिंगटन, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिका में अगले महीने राष्ट्रपति चुनाव होने वाला है। रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप और डेमोक्रेटिक उम्मीदवार कमला हैरिस के बीच कड़ा मुकाबला है। दोनों ही उम्मीदवार जमकर चुनाव प्रचार कर रहे हैं। इस बीच रिपब्लिकन की पूर्व सांसद लिज चेनी ने ट्रंप को उपयुक्त नहीं बताया। दरअसल, लिज चेनी और कमला हैरिस एकसाथ प्रचार करते हुए मतदाताओं से देश को पार्टी से ऊपर रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप अमेरिका का नेतृत्व करने के लिए उपयुक्त नहीं हैं। बता दें कि चेनी के पिता डिक चेनी पूर्व राष्ट्रपति जॉर्ज डब्ल्यू बुश के कार्यकाल के दौरान उपराष्ट्रपति थे। इराक युद्ध के बचाव के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी आज भी उनकी निनंदा करती है। दोनों को प्रमुख रिपब्लिकन माना जाता है। उन्होंने राष्ट्रपति चुनाव के लिए कमला हैरिस का समर्थन किया था। दोनों ने ट्रंप की तीखी आलोचना की। प्रचार के दौरान लिज चेनी ने मजाक में कहा, डोनाल्ड ट्रंप द्वारा स्प्रे टैनिंग करने से पहले भी मैं एक रिपब्लिकन थी। उन्होंने आगे कहा, मैं उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को अपना वोट दे रही हूं। उपराष्ट्रपति और डेमोक्रेटिक उम्मीदवार कमला हैरिस रिपब्लिकन और मध्यमार्गी मतदाताओं को लुभाने की कोशिश कर रही हैं, ऐसे में लिज चेनी का यह बयान उनके लिए मददगार साबित हो सकता है। चुनाव जीतने के लिए हैरिस को रिपब्लिकन और निर्दलीय लोगों पर जीत हासिल करने की जरूरत है। चेनी प्रतिनिधि समिति की शीर्ष रिपब्लिकन थीं, जिन्होंने छह जनवरी को हुए दंगे की जांच की थी। इसके कारण ट्रंप को नाराजगी का सामना करना पड़ा था। उन्होंने कहा, हमारा रिपब्लिक चेहरा एक ऐसे खतरे का सामना कर रहा है, जिसका हमने पहले कभी सामना नहीं किया था।

आध्यात्मिकता शुद्ध कर्म से मन को संवारने का मार्ग : राष्ट्रपति

आबूरोड के ब्रह्माकुमारीज में वैश्विक शिखर सम्मेलन की शुरुआत; स्वस्थ-स्वच्छ समाज पर चर्चा

आबूरोड, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। आध्यात्मिकता से स्वच्छ एवं स्वस्थ समाज विषय पर सिरोही के आबूरोड में ब्रह्माकुमारी संस्थान में वैश्विक शिखर सम्मेलन शुक्रवार को शुरू हुआ। कार्यक्रम में शामिल हुईं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि आध्यात्मिकता शुद्ध कर्मों से मन को संवारने का रास्ता है। उन्होंने कहा-आज इस ग्लोबल समिट में शामिल होकर बहुत खुशी हो रही है। आत्मा स्वच्छ, स्वस्थ हो तो सब कुछ हो जाता है। मानसरोवर में शिव बाबा के रूम में मुझे कुछ समय बिताने का समय मिला। साथ ही राजयोगी ब्रह्मा कुमार भाई बहनों के साथ समय बिताने का समय मिला।

100 साल पूरे होने तक भारत विकसित राष्ट्र बनेगा

उन्होंने कहा- स्वच्छता सिर्फ बाहरी नही हमारे विचारों में भी होनी चाहिए। परमात्मा विचित्र है हम भी विचित्र है। परमात्मा स्वच्छ स्वरूप है हम भी स्वच्छ स्वरूप है। धरती पर आकर आत्मा में दाग लग जाते हैं। सामाजिक, मानसिक, भावनात्मक सभी आपस में जुड़े हुए हैं। इन सभी रूप में हमारा स्वस्थ होना जरूरी है। उन्होंने कहा- जब तक हमारा मन स्वच्छ, साफ नही होगा। जीवन में परिवर्तन नहीं होगा। राष्ट्रपति ने कहा कि संस्था द्वारा यौगिक खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है। इसलिए कहा जाता है- जैसा अन्न वैसा मन। स्वच्छ भारत मिशन के 10 साल पूरे हुए हैं। स्वच्छ जल को लेकर भारत सरकार द्वारा सराहनीय प्रयास किए गए हैं।

साथ ही उन्होंने कहा कि भारत आजादी के 100 साल पूरे करने वाला है। 100 साल पूरे होने तक भारत विकसित राष्ट्र बनेगा। मुर्मू ने अपने सम्बोधन ने लोगों से ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाने की अपील की। इससे पहले सुबह 10 बजे राष्ट्रपति ने दीप जलाकर कार्यक्रम की शुरुआत की। इस दौरान राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े, ब्रह्माकुमारी संस्थान के बीके जयंतीबेन, बीके मृत्युंजय भाई, बीके ब्रजमोहन भाई सहित बड़ी संख्या में देशभर से आए लोग मौजूद रहे।

सम्मेलन विश्व को शांति, अध्यात्म और एकता का देगा संदेश- महासचिव

संस्थान के महासचिव राजयोगी बृजमोहन भाई ने कहा- राष्ट्रपति द्वारा इस वैश्विक शिखर सम्मेलन का शुभारंभ हो रहा है यह गर्व की बात है। आज विश्व के हालत अच्छे नहीं हैं, ऐसे में यह सम्मेलन विश्व को शांति, अध्यात्म और एकता का संदेश देगा। हम सभी का ध्यान परमात्मा की ओर जाता है। भागवत गीता में लिखा है कि कल्प के आदि में ब्रह्मा ने यज्ञ रचा था जिससे नए युग की उत्पत्ति हुई। परमात्मा कहते हैं कि खुद को आत्मा समझकर परमात्मा को याद करेंगे तो आत्मा पावन बन जाएगी और इसी से यह दुनिया स्वर्णिम दुनिया बनेगी।

भारतीय संस्कृति वसुधैव कुटुम्बकम पर आधारित है-राज्यपाल

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने कहा-यहां आकर आज बहुत आनंद की अनुभूति हो रही है। आध्यात्मिक होने का अर्थ है कि हम अपने आप को जानते हुए कार्य करे तो सब सफल हो। ब्रह्माकुमारीज बहुत ही अच्छे विषय पर वैश्विक शिखर सम्मेलन आयोजित कर रही है। समाज में नैतिकता का पतन हुआ है।

ऐसे में आध्यात्मिकता व्यक्तिगत विकास के लिए महत्वपूर्ण है। भारतीय संस्कृति में व्यक्तिव विकास, जीवन की स्वच्छता, विचारों की स्वच्छता पर जोर दिया गया है।

उदयपुर के गांव में फिर दिखा आदमखोर लेपर्ड

> मां-बेटी ने खुद को घर में बंद कर बचाई जान
> शूट के लिए सरिस्का-रणथम्भौर के अधिकारी बुलाए

उदयपुर, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। उदयपुर के गोगुंदा गांव में रात करीब 9 बजे बाद एक बार फिर आदमखोर लेपर्ड के मूवमेंट से दहशत बढ़ गई। इस दौरान मां-बेटी ने जब लेपर्ड को अपनी तहर आते देखा तो खुद को घर में बंद कर जान बचाई।

इधर, शोर मचाने पर गांव के लोग लाठी-कुल्हाड़ी लेकर बाहर निकले। शुक्रवार रात को लेपर्ड का मूवमेंट गोगुंदा के मजावद ग्राम पंचायत के खेड़ा गांव में दिखाई दिया। ये गांव कुडाऊ से 3 किलोमीटर की दूरी पर है, जहां 25 सितंबर की रात आदमखोर लेपर्ड ने 5 साल की बच्ची का शिकार किया था। वहीं दूसरी ओर लेपर्ड के शूट आउट के लिए अब दो नई इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम बनाई गई है। इस टीम में वाइल्डलाइफ सीसीएफ टी. मोहन राज के साथ ही सरिस्कार, रणथम्भौर और केवलादेव नेशनल पार्क के अधिकारी शामिल है।

देर रात मजावद के खेड़ा गांव में मां-बेटी को दिखा लेपर्ड

बीती रात मजावद के खेड़ा गांव में फिर लेपर्ड नजर आया। ग्रामीणों ने बताया कि पूनाराम गमेती के घर के बाहर मां और उनकी बेटी को लेपर्ड दिखाई दिया। पूनाराम गमेती ने बताया कि दोनों मां-बेटी घर के बाहर बैठी थी, तभी उनके घर के सामने लेपर्ड दिखाई दिया। इसके बाद दोनों वहां से भागी और खुद को घर में बंद कर दिया। कुछ देर बाद ग्रामीणों के आने पर परिवार बाहर निकला तो पता चला कि लेपर्ड पूनाराम के घर के बाहर रखी मुर्गीयों का शिकार कर चला गया। इसके बाद ग्रामीण लाठी और कुल्हाड़ी लेकर गांव में गश्त करने लगे। ग्रामीणों की मांग थी कि वन विभाग यहां पिंजरा लगाए ताकि गांवों में लेपर्ड का आतंक बंद हो।

सदस्यता अभियान मे डिप्टी सीएम बैरवा का क्षेत्र पीछे

15 अक्टूबर तक 94 लाख सदस्य का टारगेट

जयपुर, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। देशभर में बीजेपी का सदस्यता अभियान जारी है। अभियान का पहला चरण 30 सितंबर को खत्म हो गया। राजस्थान में 1.25 करोड़ के लक्ष्य के मुकाबले अब तक 31 लाख सदस्य बनाए जा चुके हैं। अभियान 15 अक्टूबर तक चलेगा। ऐसे में पार्टी को तब तक बचा हुआ 94 लाख का लक्ष्य हासिल करना है। पार्टी ने राजस्थान के प्रत्येक बूथ पर 200 सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा था। राजधानी जयपुर में भी अभियान चल रहा है। 19 में से 17 विधानसभाओं में 30 सितंबर तक आधा लक्ष्य भी हासिल नहीं हुआ है। इनमें सबसे पीछे डिप्टी सीएम प्रेमचंद बैरवा की दूदू विधानसभा है। 200 विधानसभा की बात करें तो जैसलमेर नंबर 1 और निवाई 200वें नंबर पर है। जयपुर जिले की 19 विधानसभाओं में सदस्य बनाने के लिहाज से इस समय सबसे आगे आदर्श नगर और उसके बाद दीया कुमारी की विद्यानगर नगर विधानसभा है। आदर्श नगर विधानसभा में 42 हजार से ज्यादा सदस्य बन चुके हैं। वहीं, विद्याधर नगर में विधानसभा में 34 हजार से ज्यादा सदस्य बनाए जा चुके हैं। सीएम भजनलाल की सांगानेर विधानसभा में 32 हजार 608 सदस्य बनाए जा चुके हैं। डिप्टी सीएम प्रेमचंद बैरवा की दूदू विधानसभा में अब तक सबसे कम 4 हजार 597 सदस्य बनाए गए हैं।

सब-इंस्पेक्टर की ट्रेन की चपेट में आने से मौत

अलवर, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। अलवर के सदर थाना अंतर्गत स्थानीय गांव दादर के समीप अज्ञात ट्रेन की चपेट में आने से दिल्ली पुलिस के एक सब इंस्पेक्टर की मौत हो गई। मृतक व्यक्ति रेलवे ट्रैक पर क्या करने गया था, इसकी जानकारी नहीं मिल सकी है। यह मामला आत्महत्या का है या स्वाभाविक मौत, इसकी जानकारी भी अभी किसी को नहीं है। मृतक के शव का आज सामान्य चिकित्सालय में पोस्टमॉर्टम कराया गया। सदर थाने के हेड कांस्टेबल झुझार ने बताया कि झालाटाला निवासी 56 वर्षीय यादराम मीना जो दिल्ली पुलिस में तैनात है और वर्तमान में भूगोर बाइपास के समीप रामनगर कॉलोनी में रहता था।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं को तंग करने वाले अफसरों को खून के आंसू रुला दूंगा : अशोक चांदना

हाइलाइट्स

- > राजस्थान के पूर्व मंत्री और कांग्रेस विधायक अशोक चांदना ने कोटा देहात में पुलिस प्रशासन को सख्त चेतावनी दी
- > चांदना ने कहा कि अगर कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ बुरा बर्ताव बंद नहीं हुआ, तो अंजाम भुगतना पड़ेगा
- > उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोग पुलिस और प्रशासन का इस्तेमाल करके कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर अत्याचार कर रहे हैं

कांग्रेस नेता की धमकी

कोटा, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान के पूर्व मंत्री और कांग्रेस विधायक अशोक चांदना ने कोटा देहात में पुलिस प्रशासन को बेहद सख्त लहजे में चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि अगर कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ बुरा बर्ताव बंद नहीं हुआ तो अंजाम भुगतना पड़ेगा। चांदना ने अधिकारियों को खुलेआम धमकी देते हुए कहा कि सत्ता में आने पर उन्हें खून के आंसू रुलाएंगे।

'सरकार बदलने पर अफसरों को सुराग तक नहीं मिलेगा'

यह घटना 4 अक्टूबर 2024 की है जब चांदना ने कोटा देहात में एक कार्यक्रम को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोग पुलिस और प्रशासन का इस्तेमाल करके कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर अत्याचार कर रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि सरकार बदलने के बाद इन अधिकारियों का कोई सुराग नहीं मिलेगा। चांदना ने मंच से कार्यकर्ताओं से कहा, 'आजकल कोटा-बूंदी में बिरला जी के कुछ लोग पुलिस और प्रशासन पर अपना नियंत्रण बना रहे हैं और लोगों पर अत्याचार करवा रहे हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'सरकार बदलने के बाद इन अधिकारियों का कोई सुराग भी नहीं मिलेगा।'

'पांच साल से हर घटना का रेकॉर्ड रख रहे हैं'

कांग्रेस नेता ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि जो भी व्यक्ति कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर अत्याचार करेगा, उसका तेल निकाल दिया जाएगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि वे पिछले 5 साल से हर घटना का रिकॉर्ड रख रहे हैं और आगे भी ऐसा ही करते रहें। चांदना ने चुनौती देते हुए कहा, 'अगर कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर अत्याचार करने वालों को खून के आंसू नहीं रुलाया, तो मेरा नाम अशोक चांदना नहीं।' चांदना का यह बयान सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। हालांकि, 'जी राजस्थान' अशोक चांदना के इस वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है।

एक क्लिक पर पकड़ा जाएगा डमी कैंडिडेट

आरपीएससी ने की तैयारी; इंटरव्यू-वेरिफिकेशन में होगा ट्रायल, फिर एग्जाम सेंटर होगा लागू

अजमेर, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) अब प्रतियोगी परीक्षा के सेंटर पर बायोमेट्रिक से वेरिफिकेशन लागू करने की तैयारी कर रहा है। हालांकि ट्रायल के तौर पर यह व्यवस्था इंटरव्यू और डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन के दौरान शुरू की जा रही है। इसके बाद सभी भर्ती परीक्षाओं पर लागू किया जा सकता है।

खास बात यह है कि बायोमेट्रिक सिस्टम को अभ्यर्थियों के आधार कार्ड से लिंक किया जाएगा। दरअसल, हाल ही में एसओजी ने 50 से ज्यादा डमी कैंडिडेट को पकड़ा था। इसके बाद आरपीएससी ने इस पर अंकुश लगाने के लिए ये कदम उठाया है। आयोग का दावा है कि बायोमेट्रिक से डमी कैंडिडेट को आसानी से रोका जा सकता है।

केंद्रीय मंत्रालय से मिल चुकी है मंजूरी

आरपीएससी ने परीक्षा में बायोमेट्रिक व्यवस्था लागू करने के लिए इलेक्ट्रॉनिक एवं सूचना प्रोद्योगिकी मंत्रालय को प्रस्ताव बनाकर भेजा था।

18 सितंबर को मंत्रालय की ओर से आधार कार्ड के जरिए कैंडिडेट के बायोमेट्रिक वेरिफिकेशन की परमिशन मिल गई है। आयोग सचिव रामनिवास मेहता ने बताया- 6 महीने से इसके लिए प्रयासरत थे। आयोग के आग्रह पर राज्य सरकार के कार्मिक विभाग ने 8 मई 2024 को इलेक्ट्रॉनिक एवं सूचना प्रोद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार को इस संबंध में लिखा था। इस पर भारत सरकार ने आधार एक्ट 2016 की धारा-4 एवं आधार ऑथेंटिकेशन फॉर गुड गवर्नेंस नियम 2020 के अंतर्गत अभ्यर्थियों की पहचान सत्यापित करने के उद्देश्य से आधार से सत्यापन की अनुमति दी है।

आधार से होगी पहचान, कैंडिडेट असली या नकली

मेहता ने बताया कि आधार कार्डधारक आइडेंटिटी सत्यापित करने के लिए यूआईडीएआई एक ऑनलाइन बायोमैट्रिक (फिंगर, फेस, आईरिस) वेरिफिकेशन की सुविधा प्रदान करता है। दरअसल, आरपीएससी में आवेदन करने वाले अभ्यर्थी को वन टाइम रजिस्ट्रेशन में अपना आधार नंबर भरना पड़ता है। वहीं से अभ्यर्थी का नाम, पता, जन्म तिथि और अन्य जानकारियां एसएसओ के रिकॉर्ड में आ जाती हैं। अब जब भी आवेदन करने वाला अभ्यर्थी एग्जाम सेंटर पर पहुंचेगा। उसे बायोमैट्रिक मशीन पर थंब इंप्रेशन स्कैन करना होगा। इसके बाद ही एंट्री दी जाएगी। इस प्रोसेस के दौरान जैसे ही कैंडिडेट अपनी फिंगर स्कैन के लिए बायोमैट्रिक मशीन पर रखेगा, उसके 12 नंबर के आधार कार्ड के साथ उससे जुड़ी सभी जानकारी आ जाएगी।

रेप के आरोपी ने थाने में की आत्महत्या

फलोदी, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान के फलोदी जिले के देचू थाना क्षेत्र में नाबालिग बच्ची के साथ बलात्कार के आरोपी ने थाने के कमरे में आत्महत्या कर ली. बताया जा रहा है कि गुरुवार देर रात आरोपी ने कमरे की खिड़की से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. पुलिस की नजर जब उस पर पड़ी तो तुरंत नीचे उतारा गया.इसके बाद अस्पताल से डॉक्टर हरलाल को बुलाया गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी. जिसके बाद पुलिस ने आरोपी के परिजनों को इसकी सूचना दी और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीण थाने के बाहर एकत्र हो गए. परिजनों का आरोप है कि पुलिस की पिटाई से ही मौत हुई है.

तस्करों के खिलाफ भिनाय पुलिस की बड़ी कार्रवाई

1020 किलो अवैध डोडा पोस्त के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

केकड़ी, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ जिले में चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत भिनाय थाना पुलिस की टीम ने मादक पदार्थ तस्करी में लिप्त दो फरार आरोपियों को गिरफ्तार कर इनके पास से करीब 1020 किलो अवैध डोडा पोस्त बरामद की है।

पुलिस के अनुसार केकड़ी जिले की स्पेशल टीम को सूचना मिली थी कि ग्राम राजपुरा (सरवाड) के पास केकड़ी रोड पर एक संदिग्ध वाहन खड़ा है, जिसमें अवैध मादक पदार्थ भरे होने की संभावना है। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर वाहन की तलाशी ली और उसमें से 1019 किलो 700 ग्राम अवैध डोडा पोस्त बरामद की। आरजे 01 GC 8698 नंबर की बोलेरो गाड़ी में यह अवैध पदार्थ ले जाया जा रहा था, जिसे पुलिस ने जब्त कर लिया है। पकड़े गए दोनों आरोपी मुकेश गुर्जर व गोपाल गुर्जर लंबे समय से फरार चल रहे थे, जिन्हें हिरासत में लेकर एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

शादी का झांसा देकर महिला से दुष्कर्म पति शराब पीकर करता था मारपीट

चूरू, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। चूरू जिले के तारानगर क्षेत्र की एक 29 वर्षीय महिला से शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। नामजद आरोपी के खिलाफ चूरू के महिला थाने में बीएनएस व एससी एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज हुआ है। पीड़िता का पुलिस ने जिला अस्पताल में मेडिकल भी करवाया। महिला थानाधिकारी करतार सिंह ने बताया कि 29 वर्षीय महिला ने रिपोर्ट दी कि तीन साल पहले उसकी रामगढ़ के सुभाष सिंह राजपूत से जान पहचान हुई थी, जिसने शादी का झांसा देकर उसे करीब चार महीने पहले चूरू बुला लिया और यहां ओम कॉलोनी में किराए के मकान में ले जाकर दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया।

महिला ने रिपोर्ट में बताया कि इसके बाद आरोपी ने राम मंदिर में कमरा किराए पर लिया और यहां भी शादी का झांसा देकर उसका देह शोषण करता रहा। करीब एक महीने पहले वह उससे बिना शादी करे छोड़कर चला गया। महिला थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। महिला ने बताया कि वह पहले से शादीशुदा है, जिसके तीन बच्चे भी हैं। उसका पति शराब पीकर मारपीट करता था। इसलिए वह पति से अलग रह रही थी और इसी दौरान उसकी सुभाष सिंह से जान पहचान हो गई थी, जिसने शादी का झांसा देकर उसके साथ वारदात को अंजाम दिया।

इंजेक्शन रिएक्शन से 20 साल के युवक की मौत

कोटा, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। कोटा में इंजेक्शन लगाने के बाद 20 साल के युवक की मौत का मामला सामने आया है। परिजनों ने डॉक्टर पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाया है। परिजनों का कहना है कि इंजेक्शन लगाने के कुछ सेकंड बाद ही उल्टी हुई। मुंह से झाग आने के साथ ही शरीर ठंडा और कांपने लगा। परिजनों ने इलाज करने वाले डॉक्टर के खिलाफ मकबरा थाने में शिकायत दी है। मकबरा थाना सीआई वासुदेव ने बताया- परिजनों की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया है।

खनन माफिया पर कसा पुलिस का शिकंजा : अवैध रूप से जमा की गई 2640 टन बजरी जब्त

केकड़ी, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। पुलिस ने खनिज विभाग के सहयोग से टोडारायसिंह क्षेत्र में अवैध बजरी खनन, परिवहन और भंडारण के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई को सफलतापूर्वक अंजाम देते हुए अलग-अलग जगहों पर अवैध रूप से जमा की गई 2640 टन बजरी जब्त की है।

बजरी के ये बड़े-बड़े अवैध ढेर क्षेत्र के ग्राम बोटून्दा, भैरूपुरा मीणान और चन्दपुरा मोड़ के पास भंडारण किये गए थे। इस कार्रवाई को बजरी के अवैध खनन पर रोक लगाने के प्रयासों में एक महत्वपूर्ण सफलता माना जा रहा है। यह अभियान पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा के निर्देश पर चलाया गया, जिसके तहत इस तरह की अवैध गतिविधियों के खिलाफ सख्त कदम उठाए गए हैं। पुलिस और खनिज विभाग की इस कार्रवाई में 2640 टन बजरी का अवैध स्टाक जब्त कर धारा 4/21 एमएमडीआर एक्ट के तहत 6 अलग-अलग प्रकरण पंजीकृत किए गए हैं। इस संयुक्त कार्रवाई का नेतृत्व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामचन्द्र सिंह, पुलिस उपअधीक्षक हर्षित शर्मा और टोडारायसिंह थानाधिकारी सुरेन्द्र कुमार गोदारा ने किया, जिसमें खनिज विभाग के सहायक अभियंता दिनेश सैनी ने सहयोग किया। पुलिस को क्षेत्र के ग्राम बोटून्दा, भैरूपुरा मीणान और चन्दपुरा मोड़ के पास अलग-अलग स्थानों पर अवैध बजरी के बड़े स्टाक पड़े होने की सूचना मिली थी, जिस पर पुलिस व खान विभाग ने तत्परतापूर्वक छापा मारने की कार्रवाई को अंजाम देकर बड़ी सफलता हासिल की।

रेल मंत्री ने अनुकरणीय सेवा के लिए पुरस्कार विजेता आरपीएफ कर्मियों को सम्मानित किया

आरपीएफ क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्रों के उन्नयन के लिए 35 करोड़ अनुदान की घोषणा

हैदराबाद/नासिक, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आज आरपीएफ क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र, नासिक में रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की 40वीं स्थापना दिवस परेड में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान, केंद्रीय मंत्री ने 33 आरपीएफ कर्मियों को सम्मानित किया, जिन्हें 2023 और 2024 के दौरान यात्रियों की जान बचाने में उनके साहसी प्रयासों के लिए प्रतिष्ठित पुलिस पदक और जीवन रक्षा पदक से सम्मानित किया गया। ये पुरस्कार देश के रेलवे नेटवर्क की सुरक्षा में आरपीएफ की अनुकरणीय सेवा को दर्शाते हैं और बल के अन्य सदस्यों को नए जोश के साथ अपने समर्पित प्रयासों को जारी रखने के लिए प्रेरित करेंगे। मंत्री ने सुरक्षा उपायों को बढ़ाने में आधुनिक तकनीक को सक्रिय रूप से अपनाने के लिए रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की सराहना की। उन्होंने आश्वासन दिया कि अपने कर्मियों की सुरक्षा और दक्षता सुनिश्चित करने के लिए आरपीएफ को बुलेटप्रूफ जैकेट और बेहतर हेलमेट सहित उन्नत सुरक्षात्मक गियर से लैस किया जाएगा।

इसके अलावा, मंत्री ने महिला कर्मियों के लिए सुविधाओं पर विशेष ध्यान देने के साथ, आरपीएफ के क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्रों के उन्नयन और आधुनिकीकरण के लिए 35 करोड़ रुपये के अनुदान की घोषणा की। तमिलनाडु में आरपीएफ डॉग स्कायड के लिए क्षेत्रीय प्रशिक्षण केंद्र के लिए 5.5 करोड़ रुपये का अतिरिक्त अनुदान स्वीकृत किया गया, जिसका उद्देश्य विशेष प्रशिक्षण बुनियादी ढांचे को मजबूत करना है। केंद्रीय मंत्री ने आरपीएफ परेड के दौरान औपचारिक सलामी भी ली, जो अनुशासन और प्रतिबद्धता का एक महत्वपूर्ण प्रदर्शन था। कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, श्री वैष्णव ने 'संज्ञान' मोबाइल एप्लिकेशन का हिंदी संस्करण लॉन्च किया, जो बल के भीतर संचार को बढ़ाता है। उन्होंने आरपीएफ कर्मियों के कानूनी ज्ञान को मजबूत करने के उद्देश्य से तीन नए अधिनियमित आपराधिक कानूनों पर संदर्भ पुस्तकों के हिंदी संस्करण भी जारी किए।

मंत्री पोन्नम ने एनएसयूआई से पीसीसी अध्यक्ष बनने तक महेश के सफर की सराहना की

निजामाबाद, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष पद की शपथ लेने के बाद महेश कुमार गौड़ शुक्रवार को पहली बार निजामाबाद आए। इस अवसर पर निजामाबाद के पुराने कलेक्ट्रेट मैदान में उनके सम्मान में एक भव्य अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में एआईसीसी प्रभारी दीपादास मुंशी, मंत्री पोन्नम प्रभाकर, कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी, तुम्मला नागेश्वर राव, पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी और कोंडा सुरेखा, सांसद सुरेश शेतकर और अनिल कुमार यादव के साथ-साथ कई विधायक, वरिष्ठ नेता और अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे। इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने महेश कुमार गौड़ को निजामाबाद का प्रिय पुत्र बताया, जो भारतीय राष्ट्रीय छात्र संघ (एनएसयूआई) के रैंक से उठकर कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बने। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि राजनीतिक अवसर सिर्फ दिए नहीं जाते, बल्कि कड़ी मेहनत से अर्जित किए जाते हैं। एनएसयूआई कार्यकर्ता से पीसीसी अध्यक्ष तक महेश का सफर इस बात का प्रमाण है कि समर्पण के साथ कोई भी पद हासिल किया जा सकता है। मंत्री प्रभाकर ने यह भी उल्लेख किया कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के नेतृत्व में कांग्रेस पार्टी ने कई पहल की हैं। विपक्ष द्वारा सरकार को बदनाम करने के प्रयासों के बावजूद, उन्होंने पार्टी सदस्यों से कांग्रेस के कार्यक्रमों को जमीनी स्तर पर ले जाने और लोगों के बीच पार्टी की उपस्थिति को मजबूत करने का आग्रह किया। पोन्नम प्रभाकर ने स्थानीय निकाय चुनावों के महत्व पर भी जोर दिया और विश्वास व्यक्त किया कि भविष्य के चुनावों में कांग्रेस का झंडा ऊंचा रहेगा।

52वें रामायण मेला के अंतर्गत कवि सम्मेलन संपन्न

हैदराबाद, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। 52वें रामायण मेले के तत्वावधान में राजस्थानी प्रगति समाज एवं प्रदर्शनी समिति द्वारा आयोजित रामायण मेले में कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। मेला के प्रधान संयोजक गोविंद राठी के प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि तीन अक्टूबर को रात 9:00 बजे वेणुगोपाल भट्टड की अध्यक्षता में कवि सम्मेलन का शुभारंभ हुआ। इसमें किशन यादव समाजसेवी मुख्य अतिथि थे। कवि सम्मेलन के अंतर्गत गोविंद राठी ने अपने उद्बोधन में सभी कवियों का सत्कार किया तथा वेणुगोपाल भट्टल का साल द्वारा गिरधारी लाल डागा ने सम्मान किया। नंद गोपाल भट्टड द्वारा कवि सम्मेलन का संचालन किया गया। किशन यादव का साल द्वारा सम्मान मनोज जायसवाल तथा पवन मिश्रा ने किया, साथ ही भाजपा नेता मेघा रानी अग्रवाल का स्वागत कवि सम्मेलन की संयोजिका रूबी मिश्रा एवं सविता सोनी ने किया। गोविंद राठी ने बताया कि जब तक रामायण मेला चलता रहेगा तब तक कवि सम्मेलन भी चलता रहेगा। वेणुगोपाल भट्टड ने भी कहा कि पिछले 51 वर्ष से आयोजित इस कवि सम्मेलन में वह भाग ले रहे हैं। किशन यादव ने अपने उद्बोधन में अपनी संस्कृति को बचाने के लिए राजस्थानी प्रगति समाज द्वारा आयोजित कवि सम्मेलन की सराहना की और आगे भी ऐसे कार्यक्रम करने की प्रेरणा दी। कवि बलवीर सिंह, चंपालाल बैद, अंजनी कुमार गोयल, दुर्गादास पठून, शिवकुमार तिवारी, सीताराम माने, शोभा देशपांडे रूबी मिश्रा, सविता सोनी, नंद गोपाल भट्टड, गोविंद राठी, वेणुगोपाल भट्टड एवं उमा देवी सोनी ने काव्य पाठ किया। संयोजक गोविंद राठी, मनोज जायसवाल गिरधारी लाल डागा तथा सुमित राठी ने सभी कवियों को स्मृति चिन्ह प्रदान किया। इस अवसर पर पवन मिश्रा, राजकुमार सांखला, श्याम नावंदर, सुरेखा सारडा, शकुंतला नावनदर, कमला राठी, प्रेमलता कोंकणी, उमेश सिंघानिया, मेघा रानी अग्रवाल, नवरातन, पवन कुमार, योगी प्रभु, मुकेश सिंह, जीवन सिंह आदि उपस्थित रहे। रूबी मिश्रा ने धन्यवाद दिया।

किशन रेड्डी कल सिकंदराबाद-वास्को-द-गामा एक्सप्रेस ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे

हैदराबाद, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी 6 अक्टूबर को सिकंदराबाद स्टेशन से सिकंदराबाद-वास्को-द-गामा उद्घाटन एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाएंगे। परिवहन मंत्री और हैदराबाद जिले के प्रभारी पोन्नम प्रभाकर, जीएचएमसी मेयर गदवाल विजयलक्ष्मी, राज्यसभा सांसद एम.अनिल कुमार यादव, एमएलसी वाणी देवी, एवीएन रेड्डी, एम.एस. प्रभाकर राव, मिर्जा रहमत बेग, मोहम्मद महमूद अली, मिर्जा रियाजुल हसन इफेंडी, डॉ.बी. वेंकट नरसिंह राव, आमेर अली खान, प्रो.एम. कोडंडा राम रेड्डी, विधायक तलसानी श्रीनिवास यादव, इस अवसर पर उपस्थित रहने की संभावना है। दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन और अन्य वरिष्ठ रेलवे अधिकारी भी इस अवसर पर उपस्थित रहेंगे।

दमरे महाप्रबंधक ने विजयवाड़ा में सांसदों के साथ बैठक की

दो केंद्रीय राज्य मंत्री और आंध्र प्रदेश के 15 सांसदों ने भाग लिया

हैदराबाद, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे ने आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा, गुंटूर और गुंतकल मंडल क्षेत्राधिकार से संबंधित सांसदों के साथ बैठक की। शुक्रवार को विद्युत कर्षण प्रशिक्षण केंद्र (ईटीटीसी), सत्यनारायणपुरम, विजयवाड़ा में आयोजित बैठक में दो केंद्रीय राज्य मंत्री और आंध्र प्रदेश राज्य का प्रतिनिधित्व करने वाले 15 सांसदों ने भाग लिया। अरुण कुमार जैन, महाप्रबंधक, एससीआर, नरेंद्र ए. पाटिल, मंडल रेल प्रबंधक, विजयवाड़ा मंडल, एम. रामकृष्ण, मंडल रेल प्रबंधक, गुंटूर, एम. विजय कुमार, मंडल रेल प्रबंधक, गुंटकल, लोकेश विश्नोई, मंडल रेल प्रबंधक, हैदराबाद, एससीआर के प्रमुख विभागाध्यक्ष और अन्य वरिष्ठ रेलवे अधिकारी बैठक में शामिल हुए। महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया तथा उन्हें यात्री सेवाओं, माल लदान, माल शेड विकास, विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं, डिजिटल पहल, नई ट्रेनों की शुरूआत के साथ बढ़ी हुई कनेक्टिविटी, विशेष ट्रेनों का संचालन, अतिरिक्त कोचों की संख्या में वृद्धि, स्टेशनों और ट्रेनों की स्वच्छता, हरित पहल आदि से संबंधित दक्षिण मध्य रेलवे के प्रदर्शन के बारे में विस्तार से जानकारी दी। महाप्रबंधक ने बताया कि आंध्र प्रदेश राज्य के एससीआर क्षेत्राधिकार में 56 रेलवे स्टेशनों की पहचान 2,593 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से अमृत स्टेशनों के रूप में पुनर्विकास के लिए की गई है। उन्होंने कहा कि तिरुपति, नेल्लोर स्टेशनों का प्रमुख उन्नयन 414 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है। उन्होंने कहा कि विजयवाड़ा स्टेशन का कार्य पीपीपी मोड के तहत विकास के लिए प्रस्तावित है तथा इसे रेल भूमि विकास प्राधिकरण को सौंपा गया है। उन्होंने कहा कि पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान, आंध्र प्रदेश राज्य के एससीआर क्षेत्राधिकार में 450 किलोमीटर ट्रैक बिछाया गया। उन्होंने बताया कि राज्य में 97 प्रतिशत रेल ट्रैक का विद्युतीकरण हो चुका है तथा शेष भाग का कार्य तेजी से चल रहा है। महाप्रबंधक ने आंध्र प्रदेश राज्य के एससीआर क्षेत्राधिकार में चल रही और आगामी रेल अवसंरचना विकास परियोजनाओं पर एक विस्तृत प्रस्तुति भी दी। उन्होंने कहा कि नई लाइनों, दोहरीकरण, तिहरीकरण और सर्वेक्षणों सहित आंध्र प्रदेश राज्य में चल रही रेलवे परियोजनाओं का कुल व्यय लगभग 55,000 करोड़ रुपये है। उन्होंने बताया कि 2300 करोड़ रुपये के अनुमानित व्यय के साथ 56 किलोमीटर की लंबाई में अमरावती के माध्यम से एर्रुपलेम और नंबुरु के बीच एक नई रेलवे लाइन के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) मंजूरी के लिए रेलवे बोर्ड को प्रस्तुत की गई है।

रु.10 का सिक्का लीगल टेंडर है :आरबीआई

ग्रेटर हैदराबाद सर्कल में एसबीआई की सभी शाखाओं में सिक्का मेला आयोजित

हैदराबाद, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा 3 और 4 अक्टूबर, 2024 को भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के साथ समन्वय में 10 के सिक्कों को स्वीकार करने पर सार्वजनिक जागरूकता अभियान (पीएसी) आयोजित किया। जिसमें आरबीआई ने दोहराया कि रु.10 का सिक्का या काइन लीगल टेंडर है। इस संदर्भ में, भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा की गई विभिन्न पहलों के सिलसिले में, इसने 3 और 4 अक्टूबर, 2024 को भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के साथ समन्वय में 10 के सिक्कों को स्वीकार करने पर एक सार्वजनिक जागरूकता अभियान भी शुरू किया गया। जिसमें यह देखा गया कि आंध्र प्रदेश और तेलंगाना राज्य में व्यापारियों, छोटे व्यवसायों और आम जनता में 10 के सिक्के स्वीकार करने में अनिच्छा दिखाई देती है। यह अनिच्छा इन सिक्कों की वास्तविकता के बारे में फर्जी संदेशों से उत्पन्न संदेह से उपजी है, जो बेईमान तत्वों द्वारा पूरे राज्य में फैलाए गए हैं। अन्य बातों के अलावा, अभियान में एसबीआई की प्रत्येक शाखा से कम से कम दस खुदरा ग्राहकों, पीएम स्वनिधि लाभार्थियों, छोटे व्यवसाय, किराना स्टोर आदि से संपर्क करके उनके प्रतिष्ठान में एक प्रमुख स्थान पर 10 के सिक्कों की कानूनी वैधता की पुष्टि करने वाले जागरूकता पैम्फलेट या पर्चे चिपकाने पर ध्यान केंद्रित किया गया है। इसके अतिरिक्त, उपरोक्त दो दिनों के दौरान बैंक के ग्राहकों द्वारा शाखा से सभी नकद निकासी का एक उचित हिस्सा 10 के सिक्कों के माध्यम से होना चाहिए।

कालाकल स्थित यादेवी श्री आईजी गौशाला में गौ सेवा करते हुए ताराराम पंवार, भाकरराम, नारायणलाल राठौड़, केसाराम सीरवी, भवरलाल, सुरेश कुमार, मोहन लाल, पुखाराम अकाराम, भोरा राम, सोमाराम, प्यारी बाई, कन्या देवी, जमकू, दाकु बाई, लीलादेवी, ज़मीनीदेवी सुशीला देवी, गौरी देवी एवं महिला मंडल।

तेलंगाना, महबूबनगर की सांसद एवं भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डी.के. अरुणा एवं अन्य ने माँ भाग्यलक्ष्मी की पूजा अर्चना की।

शिवराज लक्ष्मीचंद जैन ज्वैलर्स के आभूषणों की प्रदर्शनी में भारी भीड़

हैदराबाद, 4 अक्तूबर(स्वतंत्र वार्ता)। भाग्यनगर हैदराबाद स्थित स्वर्णाभूषण, चांदी व रत्नजडित अलंकारों का भंडार शिवराज लक्ष्मीचंद जैन ज्वैलर्स(एसएलजे) शोरुम पर बहुमूल्य प्रदर्शनी के दूसरे दिन पर ग्राहकों की भारी भीड देखी गयी।

इस संदर्भ में, शिवराज लक्ष्मीचंद जैन ज्वैलर्स(एसएलजे) के मालिकाना तौर पर एवं आधिकारिक सूत्रों नुसार बताया गया कि, एसएलजे शोरूम पर जारी अलंकारों की बहुमूल्य प्रदर्शनी के 21 वें संस्करण पर दूसरे दिन अधिकाधिक ग्राहकवृन्द का भरपूर प्रतिसाद मिला। इस हेतु समस्त एसएलजे परिवार द्वारा उन सभी ग्राहकों का ह्दयपूर्वक आभार प्रकट करता है, जिन्होने हमारे शोरूम में पधारकर अवलोकन कर अपनी अपनी पसंदीदा आभूषणों की खरीदी की। इस मामले में इस प्रदर्शनी के दूसरे दिन विभिन्न सूदूर क्षेत्रों जैसे कर्नाटक रायचूर, तेलंगाना निजामाबाद, वरंगल, मंचेरियाल, आंध्र विजयवाडा, महाराष्ट्र परभणी, आदि राज्यों के महानगरों से अधिकाधिक ग्राहकों का आगमन हुवा। जिसमें विशेष आकर्षण के तौर पर ग्राहकवर्ग ने डायमण्ड ज्वैलरी का अवलोकन किया एवं तत्संबंधित आभूषणों के प्रति अपना विशेष उत्साह दिखाया।

विहिप ने तिरुपति लड्डू विवाद पर सुप्रीम कोर्ट के आदेश का स्वागत किया

हैदराबाद, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने शुक्रवार को तिरुपति लड्डू मिलावट मामले की जांच पूरी करने के लिए दुनिया भर के हिंदुओं की मान्यताओं को ध्यान में रखते हुए पांच सदस्यीय स्वतंत्र जांच समिति नियुक्त करने के सुप्रीम कोर्ट के निर्देश का स्वागत किया।

विहिप के राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. रविनुथला शशिधर ने एक बयान में कहा कि विहिप इस विवाद के प्रकाश में आने के बाद से ही स्वतंत्र जांच की मांग कर रही है। भक्तों का मानना है कि इस जांच से सच्चाई सामने आएगी। विहिप का मानना है कि राजनीतिक हस्तक्षेप पर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी आने वाले दिनों में स्वतंत्र हिंदू मंदिरों के मामले में एक कदम आगे बढ़ेगी।

अग्रणी महिला मंच का डांडिया कार्यक्रम हिमायत नगर में संपन्न किया गया। महिलाओं ने डांडिया के गानों पर गरबा किया। बबीता गर्ग, रितु गर्ग, टीना खंडेलवाल, श्वेता खंडेलवाल, सुनयना नर्सरिया, वंदना, शीतल बंसल, श्रद्धा सुखिया, स्मिथ शाह, रूपा गुप्ता, सपना जैन, नीता अग्रवाल, प्रीति गोयल, सारिका गर्ग, ज्योति कुलकर्णी, जॉली गुप्ता एवम अन्य ने गरबा में भाग लिया।

माँ भगवती का जागरण कल

हैदराबाद, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। चम्पापेट सागर रोड़ स्थित मन्दा राम रेड्डी कन्वेन्शन हॉल में श्री खेतेश्वर सेवा दल के सानिध्य

में रविवार 6 अक्टुबर रात्रि 8.30 बजे से माँ भगवती का विशाल जागरण आयोजित किया जाएगा।

प्रेस विज्ञप्ति मे आयोजकों ने बताया कि नवरात्रि के पावन अवसर पर श्री खेतेश्वर सेवा दल के सानिध्य में माँ भगवती का जागरण गाय व गरीब एवं असहाय लोगों की सेवा के उद्देश्य से आयोजित किया जाएगा। जिसमें हेमराज गोयल, अनिल नागौरी, नीता नायक,

विशाल श्रीमाली भजनों के पुष्प अर्पित करेंगे। भोजन की व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर रहेगी।

कार्यक्रम में सफल आयोजन में श्री खेतेश्वर सेवा दल के विजयसिंह बलाड़ा, गणपतसिंह ढाणी, धर्मराज सांडिया, पर्वतसिंह भिवली, प्रियांशु निम्बोल, गोविन्दसिंह सांडिया, भीमसिंह सांकरण, रामेश्वरसिंह निम्बोल, बजरंगसिंह धांगड़वास, चैनसिंह सांडिया, किशोरसिंह जाणूंदा, सागरसिंह पिपाड़सिटी, सांवरसिंह मोररा, गजेन्द्रसिंह करमावास, ओमसिंह ठाकुरवास व प्रवासी राजस्थानी समाज बन्धुओं का विशेष सहयोग रहेगा। सभी धर्मप्रेमी व भक्तों से निवेदन किया है कि उपरोक्त कार्यक्रम में सपरिवार पधारकर कार्यक्रम का लाभ लेवे।

जीडिमेटला स्थित श्री आईमाता मंदिर में नवरात्रि महोत्सव के पावन अवसर पर एक शाम श्री आईमाताजी के नाम भजन प्रस्तुत करते हुए रमेश सीरवी, रमेश प्रजापत। अवसर पर पुजा-अर्चनाकर, भजनों व कार्यक्रम का लाभ लेते हुए समाज बन्धु।

चकरीपुरम स्थित शिवा साई फंक्शन हॉल में श्री राजस्थानी मित्र मंडल द्वारा नवरात्रि महोत्सव पर स्थापित श्री दुर्गामाताजी प्रतिमा की पूजा-अर्चनाकर, महाप्रसादी कार्यक्रम लाभ लेते हुए मित्र मंडल सदस्यगण व समाज बन्धु।

लड्डू में मिलावट के मुद्दे पर चंद्रबाबू ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत किया

अमरावती, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायुडू ने आज कहा कि वह तिरुमाला लड्डू में मिलावट की घटना के संबंध में सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए आदेशों का स्वागत करते हैं। इस सीमा तक, उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया। मैं तिरुपति लड्डू में मिलावट के मामले की जांच के लिए सीबीआई, एपी और एफएसएसएआई अधिकारियों वाली एसआईटी के गठन के सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत करता हूं। सत्यमेव जयते, ओम नमो वेंकटेशाय।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

सुप्रीम कोर्ट की ...

यह स्थिति ठीक नहीं है। न्यायाधीश रॉय ने कहा कि तेलंगाना के मामलों में ऐसा बार-बार हो है। इस पर डीजीपी ने कहा कि पुलिस अधिकारियों ने आरोप पत्र में कोई तारीख का उल्लेख नहीं करके खामी की थी। ऐसे अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। राज्य सरकार के वकील ने भी इस मामले को लेकर कोर्ट से माफी मांगी और कहा कि ऐसा दोबारा नहीं होगा। पीठ ने डीजीपी को अदालत की ओर से दिखाई गई खामियों को लेकर हलफनामा दायर करने के निर्देश दिए। दरअसल, बहुजन समाज पार्टी के नेता वट्टी जनैया यादव ने भारत राष्ट्र समिति सरकार पर उनके आपराधिक उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए शीर्ष अदालत में याचिका दायर की थी। इस पर सुनवाई करते हुए शीर्ष अदालत ने पिछले साल यादव को गिरफ्तारी से अंतरिम सुरक्षा दी थी। एक अक्टूबर को जब कोर्ट यादव की याचिका पर सुनवाई कर रही थी तो पीठ ने सरकारी वकील से उनके खिलाफ दायर चार्जशीट की तारीख को लेकर सवाल पूछा था। इस पर वकील ने कहा था कि उन्हें तारीखों की जानकारी नहीं है।

सीएम चंद्रबाबू नायुडू ...

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के मुताबिक, एसआईटी में सीबीआई के दो अधिकारी, आंध्र प्रदेश पुलिस के दो अधिकारी और एफएसएसएआई का एक वरिष्ठ अधिकारी होगा।

सुनवाई के दौरान केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि अगर आरोप में कोई भी सच्चाई है, तो यह अस्वीकार्य है। सॉलिसिटर जनरल ने कहा कि एसआईटी की निगरानी किसी वरिष्ठ केंद्रीय अधिकारी की ओर से की जाए, इससे लोगों में भरोसा बढ़ेगा। एसजी ने कहा कि देश भर में भक्त हैं, खाद्य सुरक्षा भी है। मुझे एसआईटी के सदस्यों के खिलाफ कोई शिकायत नहीं मिली।

इस पर सुप्रीम कोर्ट ने सुझाव दिया कि एक स्वतंत्र एसआईटी बनाई जाए। इसमें सीबीआई और राज्य सरकार से दो-दो सदस्य रह सकते हैं।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

हमें परिणाम पाने के लिए थोड़ा जोख़िम लेना होगा : रोहित शर्मा

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने अपने खिलाड़ियों को बांग्लादेश के ख़िलाफ़ कानपुर में मिली जीत का श्रेय दिया, जिन्होंने जोख़मि लेकर बारिश की वजह से दो दिन का खेल धुलने के बावजूद जीत दिलाई। पहले तीन दिन केवल 35 ओवर हो पाए थे, लेकिन भारत ने मौसम, समय और बांग्लादेश को मात देते हुए 2-0 से सीरीज़ जीत ली और विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्लूटीसी) में अपनी बढ़त को और मजबूत किया। चौथे दिन लंच के बाद भारत ने बांग्लादेश को 233 रन पर ऑलआउट कर दिया था। इसके बाद रोहित के नेतृत्व में भारतीय बल्लेबाज़ों ने आक्रामक बल्लेबाज़ी की। खुद्द रोहित ने पहली दो गेंदों पर छक्के लगाए।

अन्य बल्लेबाज़ों ने भी इस तरह से बल्लेबाज़ी की यह जानते हुए कि इससे परिणाम किसी भी ओर जा सकता है। रोहित ने बीसीसीआई डॉट टीवी पर कहा, ₹गेंदबाज़ों ने पहले अच्छा काम किया। उन्होंने वे विकेट लिए जिसकी हमें ज़रूरत थी और जब हम अंदर गए तो हमें परिणाम पाने के लिए थोड़ा जोख़मि तो लेना था। मैं जानता हूं कि परिणाम किसी भी ओर जा सकता था, लेकिन मुझे इससे कोई फ़र्क नहीं पड़ता। यही कोच गौतम गंभीर और अन्य खिलाड़ी भी सोच रहे थे क्योंकि आपको इस तरह के फ़ैसले लेने के लिए साहसी होना पड़ता है। जब चीज़ें सही हुई तो सभी कुछ अच्छा दिखने लगा और यहीं से चीज़ें तेज़ी से बदल सकती हैं। अगर चीज़ें सही जगह नहीं हों तो हर कोई इस फ़ैसले की आलोचना करता लेकिन मायने यह रखता है कि हम चेंजिंग रूम के अंदर क्या सोचते हैं। यही मायने रखता है और इसी के साथ हम उस मैच में उतरे थे।

यह मेरी प्रतिकिया के बारे में नहीं है

जिस तरह की बल्लेबाज़ी हम करते हैं, जिस तरह का श्रेत्ररक्षण हम लगाते हैं, जिस तरह की गेंदबाज़ी हम करते हैं, तो मेरे लिए यही आक्रामकता है। देखिए, अन्य दस खिलाड़ियों की मदद के बिना और जाहिर तौर पर ड्रेसिंग रूम में बैठे लोगों की मदद के बिना यह संभव नहीं होता कि दो से ढाई दिन गंवाने के बाद भी हम मैच जीते। जब हम चौथे दिन सुबह यहां आए, तो सबसे पहली बात, वे (बांग्लादेश) बल्लेबाज़ी कर रहे थे और हमें उन्हें आउट करने की ज़रूरत थी। हमें जल्दी ही सात विकेट चाहिए थे, इसलिए मैंने सोचा कि सब कुछ यहीं से शुरू होगा। एक बल्लेबाज़ और नेतृत्वकर्ता दोनों के रूप में, रोहित ने भारत को हर चीज़ पर जीत को प्राथमिकता देने में बदल दिया है। उन्होंने कहा कि उनकी कप्तानी शैली उनके विवेक और फैसलों पर भरोसा करने पर आधारित है। रोहित ने कहा, जब आप इतने ऊंचे स्तर पर खेल रहे होते हैं, तो आपको हर चीज़ की ज़रूरत होती है। आपको शांत रहने की, समझदारी से सोचने की ज़रूरत है। मैदान पर आपको बहुत सारे फैसले लेने होते हैं। हर निर्णय आपके अनुरूप नहीं होगा, लेकिन आपको इसका समर्थन करना होगा और अपने अनुभव का उपयोग करना होगा, अपने ज्ञान का उपयोग करना होगा। तो मैं यही करता हूं। मैं मैदान पर अपने फैसले पर भरोसा करने के लिए काफ़ी रहा हूं, मैं मैदान पर जो फैसले लेता हूं, मैं उस पर भरोसा करता हूं। और फिर मैं इसके अनुसार चलता हूं। मेरे आसपास ऐसे खिलाड़ी हैं जो सुझाव देने के लिए तैयार हैं, लेकिन दिन के अंत में मुझे अपने दिमाग़ पर भरोसा है।

हॉकी इंडिया लीग की सात साल बाद होगी वापसी

आठ पुरुष और छह महिला टीमें लेंगी हिस्सा

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। बहुप्रतीक्षित हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) की सात साल बाद दिसंबर में नए स्वरूप में वापसी होगी जिसमें पुरुष और महिला दोनों टीमें भाग लेंगी। पुरुषों की प्रतियोगिता में आठ, जबकि महिलाओं की प्रतियोगिता में छह टीमें भाग लेंगी। लीग का आयोजन 28 दिसंबर से पांच फरवरी तक दो स्थानों राउरकेला और रांची में किया जाएगा। पुरुषों की प्रतियोगिता राउरकेला जबकि महिलाओं की प्रतियोगिता रांची में खेली जाएगी। लीग के लिए खिलाड़ियों की नीलामी यहां 13 से 15 अक्टूबर तक होगी। इसके लिए कुल 10 फ्रेंचाइजी मालिक बोर्ड पर आए हैं। खिलाड़ियों की नीलामी तीन श्रेणियों दो लाख रुपये, पांच लाख रुपये और 10 लाख रुपये में की जाएगी। 2024 संस्करण में आठ पुरुष टीमें झारखंड और राउरकेला के बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम में प्रतिस्पर्धा करेंगी, जबकि छह महिला टीमें रांची के मारंग गोमके जयपाल सिंह एस्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम में खेलेंगी। पंजाब, हरियाणा और नई दिल्ली जैसे क्षेत्रों के फ्रेंचाइजी मालिक 13 से 15 अक्तूबर तक नई दिल्ली में खिलाड़ियों की नीलामी में भाग लेंगे, जहां वे आगामी सत्र के लिए अपनी टीम का चयन करेंगे। टिर्की ने पुष्टि की कि एफआईएच ने अंतरराष्ट्रीय हॉकी कैलेंडर पर लीग के महत्व को पहचानते हुए 35 दिन की विशेष विंडो आवंटित की है। यह एक महत्वपूर्ण कदम है क्योंकि लीग 2017 में अपने पिछले संस्करण के बाद से वित्तीय मुद्दों के कारण निष्क्रिय थी, जिसमें केवल पुरुषों की टीमें शामिल थीं और इसे होम और अवे प्रारूप में आयोजित किया गया था।

जूनियर शूटिंग विश्व चैंपियनशिप में भारत ने जीता अपना 11वां स्वर्ण

लीमा, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय जूनियर शूटिंग टीम ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन जारी रखते हुए चल रही अंतर्राष्ट्रीय शूटिंग स्पोर्ट फेडरेशन (आईएसएसएफ) जूनियर विश्व चैंपियनशिप में अपना 11वां स्वर्ण पदक जीता, जिसमें मुकेश नेलावल्ली, राजवर्धन पाटिल और हरसिमर सिंह रत्था की तिकड़ी ने जूनियर पुरुषों की 25 मीटर रैपिड-फायर पिस्टल (आरएफपी) में टीम स्पर्धा जीती। यह प्रतियोगिता में मुकेश का चौथा स्वर्ण भी था, जिसमें एक व्यक्तिगत स्वर्ण भी शामिल है।

भारत एक रजत और चार कांस्य के साथ पदक तालिका में शीर्ष पर बना हुआ है, जिससे उसके अब तक कुल 16 पदक हो गए हैं। चीन तीन स्वर्ण और एक रजत के साथ दूसरे स्थान पर है। मुकेश और राजवर्धन ने भी आरएफपी में व्यक्तिगत फाइनल में जगह बनाई, हालांकि, राजवर्धन शॉट्स की पहली छह सीरीज में 17 हिट के साथ चौथे स्थान पर रहे, जबकि मुकेश पहले ही पांचवें स्थान पर बाहर हो गए, तब तक उपलब्ध 25 लक्ष्यों में से 10 हिट प्राप्त किए। जूनियर पुरुषों की 50 मीटर राइफल प्रोन में, परीक्षित सिंह बरार 60 शॉट्स में 623.0 के स्कोर के साथ सर्वश्रेष्ठ भारतीय फिनिशर रहे। शिवेंद्र बहादुर सिंह (618.4) 14वें स्थान पर रहे जबकि वेदांत नितिन वाघमारे (613.2) 24वें स्थान पर रहे।

शारजाह में स्पिन चुनौती का सामना करने के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीम में लिचफील्ड की वापसी की उम्मीद

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। युवा बल्लेबाज फोबे लिचफील्ड, जो कमर दर्द के कारण दोनों अभ्यास मैचों से बाहर रहीं, के शनिवार को शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में श्रीलंका के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया के महिला टी20 विश्व कप के पहले मैच के लिए फिट होने की उम्मीद है। क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू के अनुसार, 21 वर्षीय लिचफील्ड ने गुरुवार को अपनी टीम की साथियों के साथ प्रशिक्षण लिया और चयन के लिए उपलब्ध होने की राह पर हैं। लिचफील्ड ने कहा, अभ्यास मैचों को मिस करना कठिन रहा है, लेकिन अब मैं अच्छा महसूस कर रही हूं। मैं मैदान पर वापस आने और टीम में योगदान देने के लिए उत्साहित हूं। ऑस्ट्रेलिया ने शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में कभी नहीं खेला है, और शनिवार के मैच से पहले उन्हें इस स्थल पर प्रशिक्षण का अवसर नहीं मिला। धीमे और स्पिनिंग ट्रैक ने पहले ही टूर्नामेंट में टीमों के लिए समस्या खड़ी कर दी है। शुरुआती डबल-हेडर में, बांग्लादेश ने स्कॉटलैंड के खिलाफ 119 रनों का बचाव किया, जबकि श्रीलंका ने पाकिस्तान के खिलाफ कम स्कोर वाले मुकाबले में संघर्ष किया, जहां स्पिन का बोलबाला रहा। दोनों मैचों में स्पिनरों ने कुल 22 विकेट लिए, जिससे यह स्पष्ट हो गया कि परिस्थितियां धीमी गति के गेंदबाजों के लिए अनुकूल होंगी। लिचफील्ड ने कहा, मेरे लिए, यह पल में बने रहने और जितनी जल्दी हो सके परिस्थितियों को समझने के बारे में है। शारजाह एक चुनौती होने जा रहा है, लेकिन हम इसके लिए तैयार हैं। एलाना किंग, लेग स्पिनर, अधिक स्पिन विकल्प प्रदान करने के लिए वापस बुलाई जा सकती हैं, खासकर परिस्थितियों को देखते हुए।

बेराल्डो ने ब्राजील की फीफा विश्व कप क्वालीफायर टीम में चोटिल ब्रेमर की जगह ली

ब्रासीलिया, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। पेरिस सेंट-जर्मेन के डिफेंडर लुकास बेराल्डो ब्राजील की टीम में चोटिल ग्लीसन ब्रेमर की जगह लेंगे, जो 2026 फीफा विश्व कप के क्वालीफायर में चिली और पेरू का सामना करेगी। जुवेंटस के डिफेंडर ब्रेमर, जिन्हें बुधवार को बुल लिपजिग के खिलाफ चैंपियंस लीग मैच के दौरान बाएं घुटने में एंटीरियर क्रूसिएट लिगामेंट की चोट लगी थी, आने वाले दिनों में सर्जरी से गुजरेंगे। कोच डोरिवल जूनियर ने कहा, दुर्भाग्य से, हमें एथलीट ब्रेमर के गंभीर रूप से घायल होने की खबर मिली है, वह व्यक्ति जो हमारे सभी सम्मान, विचार, स्नेह और समर्थन का हकदार है, ताकि वह जल्द से जल्द वापस आ सके। उसकी जगह, हम पीएसजी से बेराल्डो को बुला रहे हैं। ब्राजील को चिली की राजधानी में नैशनल डी सैंटियागो में 10 अक्टूबर को क्वालीफायर के नौवें दौर में चिली का सामना करना है, इसके बाद 15 अक्टूबर को ब्रासीलिया में पेरू के साथ उनका मुकाबला होगा। आठ मैचों के बाद दस अंकों के साथ, ब्राजील कॉनमेबोल तालिका में पांचवें स्थान पर है। चिली पांच अंकों के साथ नौवें स्थान पर है। 10 टीमों में से शीर्ष छह टीमें सीधे क्वालीफाई करेंगी।

जसप्रीत बुमराह से कांप रहीं टीमें

आईसीसी रैंकिंग में भी धमाल, इस साल दूसरी बार बने नंबर-1

साल	विकेट	टेस्ट
2018	48	9
2024	38	7
2021	30	9
2022	22	5
2019	14	3
2020	14	4
2023	4	1

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश को टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप करते ही जारी हुई इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) की ताजा टेस्ट रैंकिंग में भारतीय खिलाड़ियों ने धमाल मचा दिया. टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा 11 विकेट लेकर भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह रैंकिंग में नंबर-1 बॉलर बन गए हैं. उन्होंने रविचंद्रन अश्विन को पछाड़ा है।

अश्विन नंबर-2 पर फिसल गए हैं. टेस्ट गेंदबाजी रैंकिंग के टॉप-10 में बुमराह-अश्विन के अलावा रवींद्र जडेजा ही काबिज हैं. टेस्ट की बल्लेबाजी रैंकिंग में विराट कोहली ने भी जबरदस्त छलांग लगाई है. वो 6 पायदान चढ़कर छठे नंबर पर पहुंच गए हैं। बांग्लादेश के खिलाफ धांसू बल्लेबाजी करने वाले यशस्वी जायसवाल भी 2 पायदान की छलांग के साथ तीसरे नंबर पर आ गए हैं. विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को 3 पायदान का नुकसान हुआ. वो 9वें नंबर पर पहुंच गए हैं. बल्लेबाजी के टॉप-10 में भी कोहली-यशस्वी और पंत ही शामिल हैं। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को भारी नुकसान हुआ है. वो 5 पायदान नीचे लुढ़कर टॉप-10 से बाहर हो गए हैं. रोहित अब 15वें नंबर पर पहुंच गए हैं. मगर इन सबके बीच सबसे ज्यादा चर्चा बुमराह की हो रही है, जिन्होंने इसी एक साल में दूसरी बार नंबर-1 की गद्दी हथिया ली है। बुमराह ओवरऑल टेस्ट करियर में भी दूसरी बार ही नंबर-1 गेंदबाज बने हैं. इससे पहले बुमराह इसी साल फरवरी में टॉप पर काबिज हुए थे. तब बुमराह आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में टॉप पर काबिज होने वाले पहले भारतीय तेज गेंदबाज बने थे. उनसे पहले 1983 के वर्ल्ड कप विजेता तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर कपिल देव का नाम था, जो आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में नंबर-2 तक ही पहुंच सके थे।

विपक्षी टीमें बुमराह के सामने आने से कांपने लगीं बुमराह जिस धारदार गेंदबाजी से बल्लेबाजों को शिकार बनाते हैं, उसे देखते हुए अब सभी विपक्षी टीमें उनसे कांपने लगी हैं. भारत के खिलाफ सीरीज का ऐलान होते ही टीमें बुमराह के खिलाफ खास रणनीति बनाना शुरू कर देते हैं. मगर इन सभी तैयारियों के बावजूद बुमराह से पार नहीं पा पाते हैं। बुमराह ने टेस्ट क्रिकेट में केपटाउन टेस्ट से किया था. इस पहले टेस्ट में बुमराह ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहली पारी में 1 और दूसरी पारी में 3 विकेट झटके थे.

पेनाल्टी कॉर्नर को गोल में बदलने के लिए रोज तीन घंटे मेहनत कर रहीं बेटियां

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रादेशिक स्कूली हॉकी प्रतियोगिता गोरखपुर में खेली जाएगी। वाराणसी मंडल के खिलाड़ियों ने लालपुर के डॉ. भीमराव अंबेडकर स्टेडियम में अभ्यास किया।

हॉकी कोच इदरीस अहमद ने बताया कि खिलाड़ियों को पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलने की ट्रेनिंग दी जा रही है। हॉकी वाराणसी के अध्यक्ष डॉ. एके सिंह ने बताया कि गत वर्ष वाराणसी मंडल सेमीफाइनल तक पहुंची थी। इस समय अंडर-14 आयु वर्ग की खिलाड़ी रोज तीन घंटे अभ्यास कर रही हैं। मैच से एक घंटे पहले खिलाड़ियों वॉर्म अप, शारीरिक अभ्यास, स्ट्रेचिंग और योग कराया जाता है। तनु यादव और रोशनी पटेल की अगुवाई में टीम एस्ट्रोटर्फ पर भी मेहनत कर रही है। वाराणसी की टीम सात से 11 अक्तूबर तक खेलेगी। कोच ने बताया कि शुरू से आक्रमण की रणनीति बनाई गई है।

शंघाई मास्टर्स : बेन शेल्टन ने शापोवालोव को हराया; पॉल और मुलर जीते

शंघाई, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। बेन शेल्टन ने प्रमुख टूर्नामेंटों के शुरुआती दौर में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा, उन्होंने कनाडाई क्वालीफायर डेनिस शापोवालोव को 6-3, 7-5 से हराकर शंघाई मास्टर्स, एटीपी मास्टर्स 1000 टेनिस टूर्नामेंट, के तीसरे दौर में प्रवेश किया। इस सीज़न में तीसरी बार एक परिचित प्रतिद्वंद्वी का सामना करते हुए, शेल्टन को एक घंटे, 17 मिनट के मैच में कभी भी ब्रेक पॉइंट का सामना नहीं करना पड़ा और शापोवालोव ने अपनी सामान्य रणनीति में बदलाव करते हुए अमेरिकी खिलाड़ी को परेशान करने की कोशिश की, लेकिन उन्होंने महत्वपूर्ण समायोजन किए।

शेल्टन ने मैच के बाद कहा, मुझे लगता है कि कुछ प्रवृत्तियां और चीजें जिनकी मुझे उम्मीद थी, उन्होंने आज उन्हें बदल दिया। कोर्ट पर उन्होंने जो कुछ किया, उससे मैं हैरान था। मैं कोर्ट पर थोड़ा और शांत और केंद्रित होने की कोशिश कर रहा हूं। यह मेरे विकास के लिए महत्वपूर्ण है, और मुझे लगता है कि मैंने आज अपनी खेल शैली के प्रति प्रतिबद्ध रहने का शानदार काम किया। शेल्टन के शांत दृष्टिकोण ने दूसरे सेट में लाभ दिया, जहां 4-4 पर दो ब्रेक के मौके गंवाने के बाद, उन्होंने 5-5 पर निर्णायक रूप से ब्रेक लिया, जब शापोवालोव ने सर्व-और-वॉली प्रयास में चूक की, तो मैच को सील कर दिया। एटीपी की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी के 21 विनर्स और शानदार नेट प्ले ने उनके प्रभुत्व को रेखांकित किया। जीत के साथ शेल्टन 21वें वरीय आर्थर फिल्स या स्पेन के रॉबर्टो कार्बेल्स बेना के खिलाफ संभावित तीसरे दौर के मुकाबले की तैयारी कर रहे हैं। अंतिम 16 में जानिक सिनर के साथ शंघाई में संभावित रीमैच की संभावना है। पिछले साल शंघाई में ही शेल्टन ने अपने पहले आमने-सामने के मैच में रोमांचक तीसरे सेट के टाई-ब्रेक में सिनर को हराया था। दूसरी ओर, साथी अमेरिकी टॉमी पॉल ने भी शंघाई में अपने अभियान की शुरुआत फैबियो फोगनिनी पर 6-1, 6-3 की आसान जीत के साथ की, जो इस सीजन की उनकी 40वीं जीत है। पॉल, जिन्होंने इस साल एटीपी मास्टर्स 1000 में इंडियन वेल्स और रोम में सेमीफाइनल में जगह बनाकर शानदार प्रदर्शन किया है।

यूरोपा लीग : मैन यूनाइटेड और पोर्टो के बीच मुकाबला 3-3 से ड्रॉ, टोटेनहम की जीत

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। मैनचेस्टर यूनाइटेड ने पोर्टो के खिलाफ एक रोमांचक मुकाबले में आखिरी समय में एक अंक बचाया, टोटेनहम ने यूईएफए यूरोपा लीग मैचडे 2 में दो में से दो जीत दर्ज की। हैरी मैगुएर के स्टॉपेज-टाइम हैडर ने पोर्टो के साथ एक रोमांचक मुकाबले में दस खिलाड़ियों वाले यूनाइटेड के लिए एक अंक बचाया। मार्कस रैशफोर्ड और रैसमस होजलुंड के माध्यम से यूनाइटेड ने 2-0 की बढ़त हासिल की, लेकिन आंद्रे ओनाना द्वारा बचाव करने के बाद पेपे ने मेजबानों के लिए हैडर से अच्छी प्रतिक्रिया दी और फिर सैमू ने ब्रेक से पहले बराबरी का गोल किया। ब्रूनो फर्नांडीस को दूसरा पीला कार्ड दिखाए जाने से पहले सैमू ने अपना दूसरा गोल नेट की छत पर मारकर पोर्टो को आगे कर दिया। पोर्टो जीत से कुछ ही पल दूर था, लेकिन मैगुएर ने क्रिश्चियन एरिक्सन के कॉर्नर को हेड करके गोल कर दिया।

अन्यत्र, पपे सार और इन-फॉर्म ब्रेनन जॉनसन की शानदार फिनिश ने बुडापेस्ट में स्पर्स के लिए अधिकतम अंक सुनिश्चित किए। पहले हाफ के मध्य में ही मेहमान टीम ने बढ़त बना ली थी, जब सार ने ढीली गेंद पर झपट्टा मारा, जिसके बाद जॉनसन ने लगातार पांचवां गेम खेलने के लिए बेंच से उतरकर स्ट्राइक किया। बरनबास वर्गा की शक्तिशाली वॉली ने एंजे पोस्टेकोग्लू के खिलाड़ियों के लिए एक नर्वस फिनिश स्थापित किया, लेकिन प्रीमियर लीग की टीम ने सभी प्रतियोगिताओं में लगातार पांचवीं जीत दर्ज की।

ओडिशा एफसी ने केरला ब्लास्टर्स एफसी को 2-2 के ड्रा पर रोका

भुवनेश्वर, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। ओडिशा एफसी ने गुरुवार को अपने घरेलू मैदान कलिंगा स्टेडियम में खेले गए इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2024-25 मुकाबले में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए केरला ब्लास्टर्स एफसी को 2-2 की बराबरी पर रोककर एक-एक अंक बांट लिया।

रोमांचक मैच में केरला ब्लास्टर्स की ओर से मोरोक्कन विंगर नौहा सदौई ने 18वें और स्पेनिश स्ट्राइकर हेसुस जिमेनेज ने 21वें मिनट में गोल दागे जबकि ओडिशा एफसी की तरफ से केरला ब्लास्टर्स के फ्रेंच डिफेंसिव मिडफील्डर एलेक्जेंडर कोएफ़ ने 29वें मिनट में आत्मघाती गोल और ब्राजीली स्ट्राइकर डिएगो मौरिसियो ने 36वें मिनट में गोल किए। नौहा सदौई को पहला गोल करने और दूसरे में सहायता प्रदान करने के लिए प्लेयर ऑफ द मैच घोषित किया गया। आज जगरनॉट्स द्वारा वापसी करके ड्रा खेलने स्पेनिश हेड कोच सर्जियो लोबेरा निश्चित रूप से प्रसन्न होंगे। ओडिशा एफसी चार मैचों में एक जीत, एक ड्रा और दो हार से चार अंक लेकर तालिका में दसवें से नौवें स्थान पर पहुंच गई है। वहीं, ब्लास्टर्स द्वारा दो गोल की बढ़त गंवाकर ड्रा खेलने से स्वीडिश हेड कोच मिकेल स्टेहरे जरूर निराश होंगे। केरला ब्लास्टर्स एफसी चार मैचों में एक जीत, दो ड्रा और एक हार से पांच अंक लेकर तालिका में पांचवें से चौथे स्थान पर आ गए हैं। मैच का पहला गोल 18वें मिनट में आया, जब मोरोक्कन लेफ्ट विंगर नौहा सदौई ने केरला ब्लास्टर्स को शुरुआती बढ़त दिलाते हुए स्कोर 1-0 कर दिया। स्पेनिश स्ट्राइकर हेसुस जिमेनेज ने सेंट्रल चैनल से बॉक्स के अंदर घुसने के बाद अपने बायीं तरफ छोटा सा थ्रू-पास दिया, जिस पर पीछे से दौड़कर पहुंचे नौहा ने पहले ही टच पर करारा राइट फुटर शॉट लगाकर गेंद को टॉप राइट कॉर्नर के अंदर गोल जाल में उलझा दिया जबकि ओडिशा एफसी के गोलकीपर अमरिंदर सिंह अपने बायीं तरफ डाइव लगाने के बावजूद बचाव करने में नाकाम रहे। 21वें मिनट में स्पेनिश स्ट्राइकर हेसुस जिमेनेज ने गोल करके केरला ब्लास्टर्स की बढ़त को दोगुना करते हुए स्कोर 2-0 कर दिया। बाएं फ्लैंक से बने एक जवाबी हमले में नौहा सदौई गेंद को लेकर कट इन करते हुए बॉक्स के अंदर घुस गए और उन्होंने सेकेंड पोस्ट की तरफ क्रॉस डाला जहां पहुंचे जिमेनेज ने करारा राइट फुटर शॉट लगाकर गेंद को टॉप राइट कॉर्नर के अंदर गोल जाल में उलझा दिया जबकि गोलकीपर अमरिंदर सिंह ने अपने बायीं तरफ डाइव लगाई लेकिन बचाव करने में नाकाम रहे। 30वें मिनट में केरला ब्लास्टर्स के फ्रेंच डिफेंसिव मिडफील्डर एलेक्जेंडर कोएफ़ के आत्मघाती गोल ने ओडिशा एफसी को कुछ राहत दिलाते हुए स्कोर 1-2 कर दिया। बाएं फ्लैंक पर मिली कॉर्नर-किक पर मोरोक्कन डिफेंसिव मिडफील्डर अहमद जाहौह ने गेंद को बॉक्स के बाहर माइनस किया, जिस पर विंगर इसाक वनलालरूआटफेला ने गेंद वापस जाहौह को दे दी और मोरोक्कन मिफील्डर ने बॉक्स के अंदर खिलाड़ियों की भीड़ के बीच गेंद को पहुंचाया।

महिला को जिंदा जलाया, मौत

जादू-टोना करने का लगाया आरोप

मेदक, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। जादू-टोना करने के आरोप में आग के हवाले की गई एक महिला की शुक्रवार को इलाज के दौरान मौत हो गई। रामायमपेट मंडल के कटरियाल गांव की रहने वाली महिला पर कुछ लोगों ने हमला किया, उन्हें शक था कि वह काला जादू करती है। उन्होंने गुरुवार देर रात उस पर पेट्रोल छिड़ककर आग लगा दी।

हालांकि, स्थानीय लोगों ने उसे बचा लिया और हैदराबाद के एक अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने बताया कि इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस हमलावरों की पहचान करने की कोशिश कर रही है। पीड़ित के शव को अस्पताल ले जाया जा रहा है, जिसकी पहचान गुप्त रखी गई है। पोस्टमार्टम के लिए शव को रामायमपेट के सरकारी अस्पताल ले जाया गया। इस घटना से गांव में तनाव पैदा हो गया। पिछले तीन दिनों में रामायमपेट मंडल में इस तरह की यह दूसरी घटना है। हालांकि, पहले मामले में पीड़िता प्रगति धर्माराम गांव में हुए हमले में बच गई थी।

कांग्रेस ने किसानों को दिया धोखा : केटीआर

फसल ऋण माफी पर बीआरएस नेता ने बोला हमला

हैदराबाद, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने फसल ऋण माफी को आंशिक रूप से लागू करके किसानों के साथ विश्वासघात किया है। उन्होंने कहा कि कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने स्वीकार किया है कि 20 लाख किसान अभी भी ऋण माफी का इंतजार कर रहे हैं, जो मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के झूठे दावों को उजागर करता है।

रामा राव ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की आलोचना करते हुए कहा कि उन्होंने चुनाव के दौरान 2 लाख रुपये तक की कर्जमाफी का वादा करके किसानों को धोखा दिया और फिर इसे आंशिक रूप से लागू किया, जिससे लगभग 22 लाख किसानों को लाभ हुआ। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने झूठा दावा किया कि उन्होंने 100 प्रतिशत कर्जमाफी पूरी कर ली है, लेकिन कृषि मंत्री के बयानों ने पूर्व की अपनी वादा पूरा करने में विफलता को उजागर किया है।

बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने बताया कि पिछले साल 9 दिसंबर तक फसल ऋण माफी को लागू करने के वादों के बावजूद, 10 महीने बाद भी 20 लाख किसान राहत से वंचित हैं। उन्होंने कहा कि 2 लाख रुपये की ऋण माफी पूरी करने का दावा एक दिखावा है। उन्होंने आधिकारिक आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि सरकार किसानों के प्रति अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने में विफल रही है। उन्हें संदेह है कि अधिक किसानों को अनौपचारिक रूप से फसल ऋण माफी के तहत लाभ से वंचित किया गया था।

अभ्यर्थियों का पोस्टर प्रदर्शन, प्रश्न पत्र निर्माण की आलोचना

अलग-अलग पोस्टर के जरिए आयोग की क्षमता पर उठाए सवाल

हैदराबाद, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रुप-I सेवा के कुछ अभ्यर्थी शुक्रवार को सड़कों पर उतर आए और नामपल्ली स्थित तेलंगाना लोक सेवा आयोग (टीजीपीएससी) कार्यालय और हैदरगुडा स्थित तेलुगु अकादमी के बाहर पोस्टर लगाए, जिसमें ग्रुप-I सेवा प्रारंभिक परीक्षा के लिए उचित प्रश्न और उत्तर तैयार करने की आयोग की क्षमता पर सवाल उठाए गए।

आयोग के गेट के सामने लगे एक पोस्टर में लिखा था कि यह टीजीपीएससी के लिए शर्म की बात है कि वह ग्रुप-I सेवाओं के लिए 150 प्रश्न तैयार करने में विफल रहा। एक अन्य पोस्टर में लिखा था कि मैं एक तानाशाह हूं और अगर कोई गलती हुई तो मैं स्वीकार नहीं करूंगा। ऐसा ही एक पोस्टर नामपल्ली में टीजीपीएससी कार्यालय के पास तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बी महेश कुमार गौड़ के पोस्टर के ऊपर भी चिपकाया गया है।

एक पोस्टर में कहा गया है कि कांग्रेस सरकार ने उच्च न्यायालय को सूचित किया कि तेलुगु अकादमी की पुस्तकें प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए मानक नहीं हैं तथा अभ्यर्थियों से आग्रह किया गया है कि वे तेलुगु अकादमी की पुस्तकें न खरीदें तथा उनसे तैयारी न करें। इसके अलावा, पोस्टरों में आयोग द्वारा मानक प्रश्न तैयार करने में विफलता पर सवाल उठाया गया, जिससे ग्रुप-I के अभ्यर्थियों को परेशानी हो रही है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.